An Alphabetical Index of Sanskrit Manuscripts in the State Archives of U.P.

Edited by
Dr. G. N. SALETORE



Published by
**STATE ARCHIVES OF UTTAR PRADESH,
ALLAHABAD**

Printed by

**SUPERINTENDENT PRINTING AND STATIONERY,
UTTAR PRADESH, (INDIA) ALLAHABAD
1970**

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

संस्कृत पाण्डुलिपियों की वर्णक्रमानुसार सूची

AN ALPHABETICAL INDEX OF SANSKRIT MANUSCRIPTS

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

An Alphabetical Index of Sanskrit Manuscripts in the State Archives of U. P

Edited by

Dr. G. N. SALETORE



Published by

STATE ARCHIVES OF UTTAR PRADESH,
ALLAHABAD

Printed by

SUPERINTENDENT PRINTING AND STATIONERY,
UTTAR PRADESH, (INDIA) ALLAHABAD
1970

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

राजकीय अभिलेखागार के संस्कृत पाण्डुलिपियों की वर्णक्रमानुसार सूची

सम्पादक

डा० गो० ना० सालेत्तूर



प्रकाशक

राजकीय अभिलेखागार, उत्तर प्रदेश,

इलाहाबाद

मुद्रक

अधीक्षक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद

१९७०

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

वस्त्वनुक्रमः (Contents)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

अभिवेदन

"सा नो माता भारतीर्भूविभासताम्"

हमारी विश्वप्रसिद्ध मातृभूमि भारत देदीप्यमान हो।

वर्तमान सदैव भूतकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होता है। भारतवर्ष सर्वदा अपनी सांस्कृतिक धरोहर तथा वैदुष्य के लिए संसारप्रसिद्ध रहा है। इस देश की सांस्कृतिक तथा अमूल्य ऐतिहासिक सामग्रियाँ विदेशीय आक्रमणों के कारण अधिकांशतः नष्ट हो चुकी हैं। अवशिष्ट ऐतिहासिक और प्रामाणिक सामग्रियाँ आज भी पाण्डु-लिपियों एवं पुरातन हस्तलेखों के रूप में हमारे समक्ष आती हैं। वस्तुतः अध्ययन के अधिकतम विषयों का भण्डार पाण्डुलिपियाँ ही हैं। इनका विधिवत् संरक्षण देश का पावन कर्त्तव्य है। इसी विचार को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने १९४९ में राजकीय अभि-लेखागार की स्थापना के उपरान्त पाण्डुलिपियों एवं ऐतिहासिक विषयों पर सम्यक् प्रकाश डालनेवाले हस्तलेखों को संकलित करने की दृष्टि से १९५१ में क्षेत्रीय अभिलेख सर्वेक्षण समिति का गठन किया।

समिति का पाण्डुलिपिसंकलन कार्य चलता रहा। इसके कार्यान्वयन में सदस्यों ने समय समय पर अनेक कठिनाइयों का भी अनुभव किया। कई अवसरों पर हस्तलिखित सामग्रियों के विक्रेताओं ने चुने हुए महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों को बेचने से इनकार कर दिया एवं यह शर्त लगाई कि सम्पूर्ण संकलन खरीदने पर ही ग्रन्थ बेचे जा सकते हैं। फलतः राजकीय अभिलेखागार में संकलित पाण्डुलिपियों में अधिक संख्या में अपूर्ण तथा खण्डित ग्रन्थ आ गये। खेद है कि शोध छात्रों और अन्य अन्वेषकों को यहाँ सुरक्षित अनेक ग्रन्थों की अपूर्ण तथा खण्डित प्रतियाँ ही प्राप्त हो सकेंगी। इसी प्रकार की अन्य स्थितियों को स्पष्ट करने और समिति के कार्य-संचालन के सौविध्य को ध्यान में रखकर झाँसी में ८ जनवरी, १९६७ को समिति ने अपनी बैठक में यह निश्चय किया कि इसके द्वारा प्रकाश में लायी गयी समस्त सामग्रियों की शोध तथा प्रशासनिक उपयोग के लिए यथाशीघ्र भाषागत वर्णक्रमानुसार सूची तैयार की जानी चाहिए एवं उसको प्रकाशित किया जाना चाहिए। अतएव तदनुसार १९५१-६८ के मध्य समिति द्वारा प्राप्त की गई संस्कृत पाण्डुलिपियों की एक वर्णक्रमानुसार सूची प्रकाशित की जा रही है। फारसी, अरबी एवं उर्दू पाण्डुलिपियों तथा प्रपत्रों की ऐसी ही सूची १९६८ में

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

प्रकाशित की जा चुकी है। इसके उपरान्त समस्त उपलब्ध पाण्डुलिपियों का विस्तृत विवरणात्मक कैटलाग प्रकाशित करने की योजना है।

यों तो सभी वाङ्मय माननीय हैं परन्तु संस्कृत भाषा के अपने विशिष्ट गुण हैं। मनुष्यों को मृत्यु से हटाकर अमृत की प्राप्ति का उपदेश देनेवाले समस्त वेद, उपनिषद् तथा अन्य (बौद्ध जैन आदि) धर्मग्रन्थ जिसके निधि स्वरूप हैं, वह विश्वप्रसिद्ध हमारी मातृभूमि भारत देदीप्यमान हो — इस प्रकार के समस्त देश कल्याणकारी उपदेश इस वाङ्मय की अपनी अनुपम निधियाँ हैं यथा—

सर्वे वेदा उपनिषदश्च सर्वाः,
धर्मग्रन्थाश्चापरे निधयो यस्याः।
मृत्योर्मर्त्यानिसृतं ये दिशन्ति वै,
सा नो माता भारती भूविभासताम् ॥

राजकीय अभिलेखागार में सुरक्षित संस्कृत पाण्डुलिपियों के संकलन में सामान्यरूप से सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक निम्नलिखित विषयों पर ग्रन्थ उपलब्ध हैं :—

सांस्कृतिक :— १—प्रयोग २—स्तोत्र ३—कामशास्त्र ४—पुराण ५—धर्मशास्त्र ६—मंत्र तंत्रादि ७—वेद ८—वेदान्त ९—उपनिषद् १०—व्याकरण ११—कोष १२—काव्य १३—अलङ्कार १४—न्याय १५—गृह्यसूत्र १६—श्रौतसूत्र १७—नीतिशास्त्र १८—प्रशस्तिपरक १९—योग २०—मीमांसा २१—छंदशास्त्र २२—संगीत और नाट्य २३—इतिहास

वैज्ञानिक :— १—ज्यौतिष २—वैद्यक (आयुर्वेद) ३—धनुर्विद्या ४—रसायन ५—गणित ६—शिल्पशास्त्र (वास्तुकला) ७—पशुचिकित्साशास्त्र

राजकीय अभिलेखागार में संरक्षित विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालनेवाले विविध ग्रन्थ हैं, यथा—तिरुपति के भगवान् वेङ्कटेश्वर की आराधना सम्बन्धी ग्रन्थ, वेंकटेशरहस्य, वेंकटेशमाहात्म्य तथा वेङ्कटेशउपनिषद् आदि ग्रन्थ भी उपलब्ध हैं जो इस कार्यालय की अमूल्य निधियों में हैं। वास्तुसार में शिल्पकला का विवरण है। मेघमाला नामक ग्रन्थ में विद्युत् प्रक्रिया तथा मेघ सम्बन्धित परिवर्तन प्रभावों का वर्णन है। वैज्ञानिक महत्त्व की पाण्डुलिपियों में आयुर्वेद विषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ हैं यथा—आतंकदर्पण, रसेन्दु चिंतामणि, योगतरंगिणी। ज्योतिष शास्त्र पर कुछ विशेष महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ निम्नलिखित हैं:—यथा —विक्रमादित्य के नवरत्नों में सुप्रसिद्ध ज्योतिर्विद्

वराहमिहिर कृत बृहज्जातकम्, लङ्कानाथ कृत अर्कप्रकाश, बल्लालसेन कृत अद्भुत सागर इत्यादि।

मुहूर्त्तमार्त्तण्ड, सर्वसंग्रह जातक, मुहूर्त्तमालिका, जातक पद्धति, जातकपारिजात, जातकालङ्कार, जैमिनिकृत ज्योतिषसूत्र, नरपतिजयचर्या एवं ज्योतिर्विदाभरणादि अन्य ग्रन्थ ज्योतिष विषयक हैं।

पौराणिक तथा ऐतिहासिक महत्त्व के ग्रन्थों में विशेष रूप से उद्धरणीय कृतियाँ निम्न प्रकार से हैं :—

प्रयाग, गया, अयोध्या, विन्ध्य, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र, केदारक्षेत्र, काशी, मथुरा आदि तीर्थस्थलों के माहात्म्य का वर्णन विविध पुराण संग्रहों में उपलब्ध है। पद्म, भविष्य, कूर्म्म, ब्रह्मवैवर्त्त, मत्स्य, गणेश, वायु, विष्णु, भागवत, देवीभागवत तथा हरिवंशपुराणों के प्रतियों के अतिरिक्त शङ्कर विजय एवं माध्वविजय नामक ऐतिहासिक पाण्डुलिपियाँ भी उपलब्ध हैं। काश्मीर के प्रसिद्धतम इतिहासकार कल्हणद्वारा विरचित राजतरंगिणी नामक ऐतिहासिक ग्रंथ विशेष महत्त्व का है। संकलन के चित्रित पाण्डुलिपियों में रामचरित मानस की भी एक प्रति (१७९४ ई०) है। जिसमें लगभग ४०० मनोहर चित्र हैं।

धर्मशास्त्र तथा प्रयोग आदि विषयों पर अगस्त्यसंहिता, आचारसार, आचारादर्श, हेमाद्रि कृत चतुर्वर्ग चिन्तामणि एवं कुण्डसिद्धि आदि ग्रंथ उल्लेखनीय हैं। रसायनशास्त्र, औषधिविज्ञान और पशुचिकित्साशास्त्र पर भी प्रामाणिक ग्रंथ प्राप्त हैं। नकुल कृत अश्वचिकित्साशास्त्रम् तथा बृहस्पतिकृत गजचिकित्साशास्त्रम् उल्लेखनीय हैं।

संस्कृत वाङ्मय के काव्यशास्त्र विषयक ग्रंथ भी महत्त्वपूर्ण हैं यथा :—वैद्यनाथ कृत अलङ्कार चन्द्रिका, त्रिमल्लकृत अलङ्कार मञ्जरी, केशवकृत अलङ्कार शेखर, जयदेवकृत चंद्रालोक, रुय्यक कृत अलङ्कारसर्वस्वम् एवं अप्पयदीक्षित कृत कुवलयानन्द विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। व्याकरणशास्त्र के ग्रंथों में नागेश भट्ट का परिभाषेन्दु शेखर, भट्टोजि दीक्षित कृत शब्दकौस्तुभ तथा राजा बैजलभूपतिकृत प्रबोध चंद्रिका विशेष उल्लेखनीय हैं। संस्कृत पाण्डुलिपियों के संकलन में प्राचीनतम ग्रंथ महामायूरी है। इसका रचनाकाल सम्वत् ९१८ है। यह ग्रंथ दुर्लभ है। इस ग्रंथ का विषय तांत्रिक साधना है। यह ग्रंथ बौद्ध सम्प्रदाय से सम्बद्ध शक्तिउपासनापरक है एवं इसमें बलि, होम, मंत्रसिद्धि आदि विषयों का समावेश है। चित्रों से ज्ञात होता है कि शक्ति की उपासना का यह एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

प्रकाशित की जा चुकी है। इसके उपरान्त समस्त उपलब्ध पाण्डुलिपियों का विस्तृत विवरणात्मक कैटलाग प्रकाशित करने की योजना है।

यों तो सभी वाङ्मय माननीय हैं परन्तु संस्कृत भाषा के अपने विशिष्ट गुण हैं। मनुष्यों को मृत्यु से हटाकर अमृत की प्राप्ति का उपदेश देनेवाले समस्त वेद, उपनिषद् तथा अन्य (बौद्ध जैन आदि) धर्मग्रन्थ जिसके निधि स्वरूप हैं, वह विश्वप्रसिद्ध हमारी मातृभूमि भारत देदीप्यमान हो — इस प्रकार के समस्त देश कल्याणकारी उपदेश इस वाङ्मय की अपनी अनुपम निधियाँ हैं यथा—

सर्वे वेदा उपनिषदश्च सर्वाः,
धर्मग्रन्थाश्चापरे निधयो यस्याः।
मृत्योर्मर्त्यानमृतं ये दिशन्ति वै,
सा नो माता भारती भूर्विभासताम् ॥

राजकीय अभिलेखागार में सुरक्षित संस्कृत पाण्डुलिपियों के संकलन में सामान्य-रूप से सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक निम्नलिखित विषयों पर ग्रन्थ उपलब्ध हैं :—

सांस्कृतिक :— १—प्रयोग २—स्तोत्र ३—कामशास्त्र ४—पुराण ५—धर्मशास्त्र ६—मंत्र तंत्रादि ७—वेद ८—वेदान्त ९—उपनिषद् १०—व्याकरण ११—कोष १२—काव्य १३—अलङ्कार १४—न्याय १५—गृह्यसूत्र १६—श्रौतसूत्र १७—नीतिशास्त्र १८—प्रशस्तिपरक १९—योग २०—मीमांसा २१—छंदशास्त्र २२—संगीत और नाट्य २३—इतिहास

वैज्ञानिक :— १—ज्योतिष २—वैद्यक (आयुर्वेद) ३—धनुर्विद्या ४—रसायन ५—गणित ६—शिल्पशास्त्र (वास्तुकला) ७—पशुचिकित्साशास्त्र

राजकीय अभिलेखागार में संरक्षित विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालनेवाले विविध ग्रन्थ हैं, यथा—तिरुपति के भगवान् वेङ्कटेश्वर की आराधना सम्बन्धी ग्रन्थ, वेङ्कटेशरहस्य, वेङ्कटेशमाहात्म्य तथा वेङ्कटेशउपनिषद् आदि ग्रन्थ भी उपलब्ध हैं जो इस कार्यालय की अमूल्य निधियों में हैं। वास्तुसार में शिल्पकला का विवरण है। मेघमाला नामक ग्रन्थ में विद्युत् प्रक्रिया तथा मेघ सम्बन्धित परिवर्तन प्रभावों का वर्णन है। वैज्ञानिक महत्त्व की पाण्डुलिपियों में आयुर्वेद विषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ हैं यथा—आतंकदर्पण, रसेन्द्र चिंतामणि, योगतरंगिणी। ज्योतिष शास्त्र पर कुछ विशेष महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ निम्नलिखित हैं:—यथा —विक्रमादित्य के नवरत्नों में सुप्रसिद्ध ज्योतिर्विद्

वराहमिहिर कृत बृहज्जातकम्, लङ्कानाथ कृत अर्कप्रकाश, बल्लालसेन कृत अद्भुत् सागर इत्यादि।

मुहूर्त्तमार्त्तण्ड, सर्वसंग्रह जातक, मुहूर्त्तमालिका, जातक पद्धति, जातकपारिजात, जातकालङ्कार, जैमिनिकृत ज्यौतिषसूत्र, नरपतिजयचर्या एवं ज्योतिर्विदाभरणादि अन्य ग्रन्थ ज्योतिष विषयक हैं।

पौराणिक तथा ऐतिहासिक महत्त्व के ग्रन्थों में विशेष रूप से उद्धरणीय कृतियाँ निम्न प्रकार से हैं :—

प्रयाग, गया, अयोध्या, विन्ध्य, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र, केदारक्षेत्र, काशी, मथुरा आदि तीर्थस्थलों के माहात्म्य का वर्णन विविध पुराण संग्रहों में उपलब्ध है। पद्म, भविष्य, कूर्म्म, ब्रह्मवैवर्त्त, मत्स्य, गणेश, वायु, विष्णु, भागवत, देवीभागवत तथा हरिवंशपुराणों के प्रतियों के अतिरिक्त शङ्कर विजय एवं माध्वविजय नामक ऐतिहासिक पाण्डुलिपियाँ भी उपलब्ध हैं। काश्मीर के प्रसिद्धतम इतिहासकार कल्हणद्वारा विरचित राजतरंगिणी नामक ऐतिहासिक ग्रंथ विशेष महत्त्व का है। संकलन के चित्रित पाण्डुलिपियों में रामचरित मानस की भी एक प्रति (१७६४ ई०) है। जिसमें लगभग ४०० मनोहर चित्र हैं।

धर्मशास्त्र तथा प्रयोग आदि विषयों पर अगस्त्यसंहिता, आचारसार, आचारादर्श, हेमाद्रि कृत चतुर्वर्ग चिन्तामणि एवं कुण्डसिद्धि आदि ग्रंथ उल्लेखनीय हैं। रसायनशास्त्र, औषधिविज्ञान और पशुचिकित्साशास्त्र पर भी प्रामाणिक ग्रंथ प्राप्त हैं। नकुल कृत अश्वचिकित्साशास्त्रम् तथा बृहस्पतिकृत गजचिकित्साशास्त्रम् उल्लेखनीय हैं।

संस्कृत वाङ्मय के काव्यशास्त्र विषयक ग्रंथ भी महत्त्वपूर्ण हैं यथा :—वैद्यनाथ कृत अलङ्कार चन्द्रिका, त्रिमल्लकृत अलङ्कार मञ्जरी, केशवकृत अलङ्कार शेखर, जयदेव-कृत चंद्रालोक, रुय्यक कृत अलङ्कारसर्वस्वम् एवं अप्पयदीक्षित कृत कुवलयानन्द विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। व्याकरणशास्त्र के ग्रंथों में नागेश भट्ट का परिभाषेन्दु शेखर, भट्टोजि दीक्षित कृत शब्दकौस्तुभ तथा राजा बैजलभूपतिकृत प्रबोध चंद्रिका विशेष उल्लेखनीय हैं। संस्कृत पाण्डुलिपियों के संकलन में प्राचीनतम ग्रंथ महामायूरी है। इसका रचनाकाल सम्वत् ६१८ है। यह ग्रंथ दुर्लभ है। इस ग्रंथ का विषय तांत्रिक साधना है। यह ग्रंथ बौद्ध सम्प्रदाय से सम्बद्ध शक्तिउपासनापरक है एवं इसमें बलि, होम, मंत्रसिद्धि आदि विषयों का समावेश है। चित्रों से ज्ञात होता है कि शक्ति की उपासना का यह एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

न्याय तथा मीमांसा विषयक ग्रंथों में प्रसिद्ध नैयायिक महादेवकृत न्याय-कौस्तुभ, भासर्वेकृत न्याय-प्रकाश, चूडामणि भट्टाचार्य कृत न्यायसिद्धान्तमञ्जरी तथा विश्वनाथ पञ्चाननकृत न्यायसिद्धान्तमुक्तावली आदि ग्रंथ महत्त्वपूर्ण हैं। तत्त्वचिन्तामणिदीधिति नामक ग्रंथ पर भवानन्द की न्यायपूर्ण टीका द्रष्टव्य है। इनके नाम पर ही इस टीका ग्रंथ का नाम भवानन्दी पड़ा। संस्कृत वाङ्मय के इस संकलन में काव्य, नीतिशास्त्र एवं कामशास्त्रादि विषयों पर भी ग्रंथ प्राप्य हैं।

दिनेश कवि विरचित राधाविनोद काव्य पर रामचन्द्रकृत व्याख्या है। प्रबोधचन्द्रोदय नामक नाटक के रचयिता कृष्णमिश्र जेजकभुक्ति के राजा कीर्तिवर्मा के शासन काल में हुए थे। इस राजा का १०६८ ई० का एक शिलालेख प्राप्त हुआ है। अतः कृष्णमिश्र का समय ११०० ई० के लगभग हुआ। संस्कृत नाटकों में प्रबोधचन्द्रोदय शान्तरस प्रधान नाटक है। यह एक रूपकात्मक (Allegorical) नाटक है। जिसमें वेदान्त के अद्वैतवाद का रोचक ढंग से प्रतिपादन किया गया है। अमूर्त्त भावों को पात्रों के रूप में चित्रित करने का सफल प्रयास प्रबोधचन्द्रोदय में दिखलाई पड़ता है।

आचार्य जयदेव पीयूषवर्षकृत चन्द्रालोक नामक अलङ्कार ग्रन्थ एवं महाकवि जयदेव कृत गीत गोविन्द नामक प्रसिद्ध गीति काव्य की पाण्डुलिपियाँ प्राप्त हैं।

दशकुमारचरित एक सुन्दर गद्यकाव्य है। इसमें दस राजकुमार अपने अपने पर्यटनों, विचित्र अनुभवों तथा पराक्रमों का मनोरञ्जक वर्णन करते हैं। दशकुमारचरित का भौगोलिक तथा राजनीतिक चित्रण हर्षवर्द्धन के पूर्व भारत की ओर संकेत करता है। अतएव दण्डी का स्थिति काल ६०० ई० के लगभग प्रतीत होता है। संस्कृत पाण्डुलिपियों के संग्रह में अमरकोष, मेदिनी, हलायुध तथा एकाक्षर आदि कोषों की प्रतियाँ भी उपलब्ध हैं।

उत्तर प्रदेशीय अभिलेख सर्वेक्षण समिति द्वारा निर्दिष्ट नियमों के आधार पर इस कार्यालय के सुयोग्य प्राविधिक सहायक श्री श्रद्धानन्द पाण्डेय, एम० ए०, ने बड़ी तत्परता और परिश्रम से संस्कृत पाण्डुलिपियों की वर्णक्रमानुसार सूची के संकलन का कार्य संपन्न किया है एवं इस संकलन को प्रस्तुत करने में असली कार्य इनका ही रहा है। विवरण सम्बन्धी भूलों के प्रति दिये गये सुझावों को कार्यालय प्रसन्नता पूर्वक स्वीकार करेंगे।

इस पुस्तक के द्वितीय भाग में ग्रंथकारों की सूची भी संलग्न की गई है। आशा की जाती है कि शोध-छात्रों के लिए यह पुस्तक अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। विक्रम संवत् २०२७ आषाढ कृष्ण तृतीया।

जून २२, सोमवार १९७०।

गोपालकृष्ण नारायण सालेत्तूर,
सचिव, उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय
अभिलेखसर्वेक्षण समिति
तथा
संरक्षक, राजकीय अभिलेखागार, उ०प्र०,
इलाहाबाद।

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

PREFACE

"**Sa no Mata Bharati Bhurvibhasatam**" The world famous mother land of India may always remain glorious.

The present is ever fundamentally based on the ground work of the past. India has always been famous in the world for its cultural heritage and scholarship. The major portion of our invaluable and cultural materials have been destroyed by foreign invasions. The remaining historical and authentic works are in the form of old manuscripts and documents. The former are indeed the treasures of our academic study. Their scientific preservation is thus a pious national duty. In 1949 the Government of Uttar Pradesh established the State Archives of U. P. and constituted the U. P. Regional Records Survey Committee in 1951, with a view to collect manuscripts and documents of historical interest.

The Committee's work continued, in the course of which, from time to time, the members were faced with various problems regarding the acquisition of the manuscripts. One of these was the reticence of the owners to sell to the Commitee selected valuable items and their insistence on the sale of the entire collection. As a result, incomplete and partly damaged manuscripts were purchased in a majority. It is a pity that research scholars and others concerned will find incomplete copies of many manuscripts. For clarifying similar matters and facilitating its work the Comittee decided on January 8, 1967, at its meeting held in Jhansi, that the manuscripts should be categorised and their Alphabetical Index prepared and published. Accordingly the present book, comprising the Sanskrit manuscripts acquired during 1951-1968 is being published herewith. A similar Alphabetical Index of the Persian, Arabic and Urdu manuscripts appertaining to

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

the same period was published in 1968. It is proposed to publish hereafter a Descriptive Catalogue of all the manuscripts.

All (classical) literature is elevating. But Sanskrit has its own special significance. The Vedas, Upanisads and other scriptures (Buddhist, Jaina etc.) which teach immortality to human beings, are contained in the platitude that the world famous Mother Land of India may always remain glorious, as expressed in the following lines :—

Sarve Veda Upanisadascha sarvah
Dharmagranthas capare nidhayo yasyah
Mrtyor martya namrtam ye disanti vai
Sa no Mata Bharati bhurvibhasatam

Among the Sanskrit manuscripts preserved in the State Archives, U. P. those pertaining to the cultural and scientific subjects on the different branches of knowledge are enumerated below :—

CULTURAL SUBJECTS : (1) Prayoga (2) Stotra (3) Kamasastra (4) Purana (5) Dharmasastra (6) Mantra, Tantra etc. (7) Veda (8) Vedanta (9) Upanisada (10) Vyakarana (11) Kosa (12) Kavya (13) Alankara (14) Nyaya (15) Grhyasutra (16) Srautasutra (17) Nitisastra (18) Prasastiparaka (19) Yoga (20) Mimamsa (21) Prosody (22) Music and Dramaturgy and (23) History.

SCIENTIFIC SUBJECTS: (1) Astrology (2) Vaidyaka (Ayurveda) (3) Dhanurvidya (4) Alchemy (Rasayana) (5) Ganita (6) Silpasastra and (7) Veterinary science.

These manuscripts throw light on varied themes. Worship of the God Venkatesvara of Tirupati is illustrated by the unique collection of manuscripts like **Venkatesa-rahasya, Venkatesa-mahatmya** and **Venkatesa-upanisad** etc. **Vastusara** relates to sculpture.

Meghamala is concerned with the movement of clouds and production of electricity. Of a scientific value are the works on Ayurveda like **Atankadarpana, Rasenducintamani, Yogatarangini** etc. There are important texts on Astrology for instance the **Brihat Jataka** of Varahamihira, scholar and astronomer of Emperor Vikramaditya, **Arkaprakasa** of Lankanatha, **Adbhutasagara** of Ballalasena, **Muhurtamartanda, Sarvasangraha jataka, Muhurtamalika, Jatakapaddhati, Jatakaparijata, Jatakalankara,** Kalidas's **Jyotirvidabharana** etc.

The following manuscripts are of historical and pauranic importance—the local legends of Prayag, Gaya, Ayodhya, Vindhya, Chitrakuta, Kuruksetra, Kedara, Varanasi, Mathura etc. gleaned from several Puranas. Also available are the recensions of Padma, Bhavisya, Kurma, Brahmavaivarta, Matsya, Ganesa, Vayu, Visnu, Bhagavata, Devi Bhagavata and Harivamsa Puranas. In addition to these are historical manuscripts of **Sankaravijaya and Madhvavijaya.** Of great importance is the historical text of **Rajatarangini** of Kalhana, the celebrated Kashmir chronicle. Among the illustrated manuscripts is a copy, dated 1794 A. D. of **Ramcharitmanas** of Gosvami Tulsidas, containing 400 beautiful paintings.

On Dharma Sastra and Prayoga, the **Agastyasamhita, Acarasara, Acaradarsa,** Hemadri's **Caturvargacintamani** and **Kundasiddhi** are worth mentioning. Valuable works on alchemy, medicine and veterinary science have also been discovered. **Asvasastra** of Nakula and **Gajasastra** of Brihaspati are noteworthy examples in this connection. **Alankara Chandrika** of Vaidyanatha, **Alankara Manjari** of Trimalla, **Alankarasekhara** of **Kesava, Chandraloka** of Jaideva, **Alankarasarvasva** of Ruyyaka and the

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

Kuvalayananda of Appaya Dikshita are among the important poetical works. Sanskrit Grammar is represented by **Paribhasendu Sekhara** of Nagesa Bhatta, **Sabdkaustubha** of Appaya Dikshita and **Prabodhacandrika** of King Baijala are valuable items.

The oldest manuscript in the collection is **Maha Mayuri.** Its date is Samvat 918 A. D. This is a rare book. The subject matter of the manuscript is Tantrika Sadhana, concerning Buddhist worship. It contains the description of sacrifice and Mantrasiddhi etc. From the miniatures it appears that it is a significant work on the Sakta worship.

In the field of NYAYA and Mimamsa, the main significant ones are **Naiyayika Mahadeva's Nyaya Kaustubha, Nyaya Sidhanta Manjari** of Chudamani Bhattacharya and **Nyaya Siddanta Muktvali** of Visvanatha Panchanana.

The **Radha Vinoda** of Dinesa Kavi, has a commentary by Rama Candra. **Prabodha Candrodaya** is an allegorical drama of Krisna Misra of the Court of the ruler of Jejaka Bhukti. Among the Sanskrit dramas, **Prabodha Candrodaya** has got special features of presenting the abstract sentiments in the form of actors. This effort of the dramatist has become successful in the work.

The texts of the **Chandraloka** of Acarya Jaideva Piyush Varsa and the **Gita Govinda** of Mahakavi Jaideva, are also available.

The **Dasakumaracarita** of Dandi is a beautiful prose romance work in Sanskrit. This book deals with the interesting stories of the ten princes depicting their strange experiences. The geographical and political conditions described here are of the pre-Harshavardhana period. Therefore, the period of Dandi comes to near about 600 A.D. The manuscripts of the **Amarkosa, Medini, Halayudha** and **Ekaksara** are also available in the collection.

On the lines indicated by the Regional Records Survey Committee, Uttar Pradesh, Shri S. N. Pandey M. A., Technical Asistant of this office, has compiled this Alphabetical Index with sincere devotion and labour. Shortcomings in the preparation of this Index, if any, will be gladly welcomed by this office.

In the second part, an author Index has been provided. It is hoped that this Alphabetical Index will be highly useful to the Research scholars.

Vikrama Samvat 2027
Ashadha Krishna Tritiya,
June 22, Monday, 1970.

G. N. SALETORE
Secretary,
U. P. Regional Records Survey
Committee and
Keeper of Archives, U. P.,
State Archives of Uttar
Pradesh, Allahabad.

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

संक्षेपाः (Abbreviations)

अ० — अपूर्ण
अलं० — अलंकार
आ० — आगम
इ० — इतिहास
उ० — उपनिषत्
का० — काव्य
का०शा० — काव्य शास्त्र
काम० — कामशास्त्र
को० — कोष
ग० — गणित
गृ० प्र० — गृह्यप्रयोग
गृ० सू० — गृह्यसूत्र
छ० — छन्द
ज्यौ० — ज्यौतिष
त० — तन्त्र
द० — दर्शन
ध० — धर्मशास्त्र
ध०वि० — धनुर्विद्या
ना० — नाटक
नी० — नीतिशास्त्र
न्या० — न्याय
पु० — पुराण
पू० — पूजा
प्र० — प्रयोग
म० — मन्त्र
मी० — मीमांसा
यो० — योग

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

वे० — वेद
वेदा० — वेदान्त
वै० — वैद्यक
व्या० — व्याकरण
व्र० — व्रत
श्रौ०सू०—श्रौत सूत्र
सं० — संगीत
सां० — सांख्य
सु० — सुभाषित
स्तो० — स्तोत्र

प्रथम भाग

[Part I]

संस्कृत पाण्डुलिपियों की वर्णानुक्रम सूची

(Alphabetical Index of Sanskrit Manuscripts)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

अ

१. अक्षरचिन्तामणिः — ज्यो०, ६०१८
२. अक्षयतृतीयाविधिः (भविष्योत्तरपुराणगत) — व्यास, पु०, ४०६८ (अ०)
३. अगहनमाहात्म्य (स्कन्द पुराणगत) — व्यासः, पु०, १२६६६
४. अगस्त्यसंहिता — अगस्त्य, ध०, १२६७४
५. अग्रायण प्रयोग — प्र०, ४६१३ (अ०)
६. अग्निमन्थनविधिः — प्र०, २६४७
७. अग्निरहस्यम् (अग्नि पुराणगत) — पु०, ६४७३ (अ०)
८. अग्निष्टोमविधिः — प्र०, ७८६३ (अ०)
९. अग्निस्थापनविधिः — प्र०, २६४३
१०. अग्निस्तम्भनम् — म०, ४६४३
११. अग्निसन्धानप्रयोग — प्र०, ८२८३ (अ०)
१२. अग्निसूक्तम् (ब्रह्म यज्ञम्) — वे०, ५२२१
१३. अग्निहौत्रम् — प्र०, ३८५८ (अ०)
१४. अग्नेरुत्सर्गविधिः — प्र०, ३११०
१५. अघमर्षण मन्त्र — म०, ३६३२ (अ०)
१६. अघोर गायत्री — म०, ४३२९
१७. अघोरपञ्चाङ्ग — म०, ३२३२
१८. अघोरपटल — म०, ४७४५
१९. अङ्ककल्पद्रुम — ज्यो०, ३३७१ (अ०)
२०. अच्युताष्टकम् — शंकराचार्य, स्तो०, ४४७४ (अ०) ५४८३, ७६५१
७६७५, ६१०३, ६६७०, ५७५६, ५५३२
२१. अच्छावाक् प्रयोगः — श्रौ०, प्र०, ६५८० (अ०)
२२. अजपागायत्रीमन्त्रपटल — म०, ६१०७ (अ०)
२३. अजपागायत्रीमहामन्त्र — म०, १००१९
२४. अजपागायत्रीसंकल्पहंसस्तोत्रम् — स्तो०, ७१५५ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२५. अजामिलोद्धारः (भागवते) — **व्यास**, पु०, ३२०२
२६. अज्ञानबोधिनीप्रक्रिया — **शंकराचार्यः**, वेदा०, ६३८१, (अ०) ८६९९
२७. अथर्वणपूर्वतापिनीयोपनिषत् — उ०, ६२२१, ४४७९
२८. अथर्वशिर उपनिषद् — उ०, ३९१६
२९. अद्भुतसागरः — **बल्लालसेनः**, ज्यो०, ७१८१ (अ०)
३०. अदुःखनवमीव्रतकथा — **व्यासः**, पु०, ८८८३ (अ०)
३१. अद्वैतब्रह्मसिद्धिः — **सदानन्द**, वेदा०, ३४२३ (अ०)
३२. अद्वैतमकरन्दः — **लक्ष्मीधरः**, वेदा०, ६९६१ (अ०)
३३. अद्वैतसिद्धिः — वेदा०, ६१००, ७९८२ (अ०)
३४. अध्यात्मरामायणम् (ब्रह्माण्ड पुराणगत) — **व्यास**, पु० ८४४९, ९२१४
९२१५, १२६३०, १२४५१
३५. अध्यात्मतीर्थयात्रा — ध०, ८९२४ (अ०)
३६. अध्वर्यु — वे०, ४१६४, ४५२६, ११५२६ (अ०)
३७. अधिकमासफलम् — पु०, ४६७३
३८. अधिकरणरत्नमाला — **भारतीतीर्थः**, वेदा०, ८९३३, (अ०) ५१३९
३९. अनंगरंग — **कल्याणमल्ल**, काम०, ३०२४, ८८३६, २९०२
४०. अनंगविकास — **वंशीरामपंडित**, काम०, १११९४
४१. अन्तःकरणप्रबोध — **वल्लभाचार्य**, वेदा०, ८४१६ (अ०)
४२. अन्त्येष्टिपद्धतिः — **केशवभट्ट**, गृ० - प्र०, ८९११ (अ०) ८६३१
३०४६, ६६७१, ५४८८
४३. अनन्तव्रतकथा (भविष्योत्तर-पुराण) — **व्यास**, पु०, ३९९३, सम्वत्-
१८१७, ४००३, १११९७
१०८३३, १०८५६, १००२४
९२९१, ८८२२, ८८२४
८८२५, ८८२७, ८८२३
८६६१, ४७८३, ४३३४
५१५४, २९५३, ३२७४
३३१४, ३१९३, ३११७
३४७२, ३४७४

४४. अनन्तव्रतपूजा — **व्यासः**, पु०, १११९७, ४०५० (अ०)
४५. अनन्तयमुनापूजा — **व्यास**, पू०, ८७५४ (अ०)
४६. अनन्तविधिपद्धतिः — प्र०, ३२६१, ३२६०
४७. अन्नपर्वतशिखरराशिदानम् — प्र०, ५६२१ (अ०)
४८. अन्नपूर्णाकवचम् — म०, ८६६१, सम्वत् — १९५०, ८८३५
६४०९, ४३३६, ४५७७, ८२५०, ८९५७
८८६९, ८८३४, ८२५०, ५७२६, ४५०७
४९. अन्वाधानसूक्तप्रतीकम् — **श्रौ०**, प्र०, १२०६५, सम्वत् — १९५७।
५०. अनिट्कारिका — व्या०, ३८९६ (अ०)
५१. अनुष्ठानकालनिर्णयः — ध०, ६७३९, ८२०९ (अ०)
५२. अनुस्मृतिः (महाभारतगत) — **व्यास**, स्तो०, ३५७०, ४१२६, १०००२ (अ०)
५३. अनेकार्थध्वनिमंजरी — **महाक्षपणक**, को०, ९२६४, ३३५, ३१५८,
९२५९, ५५०६, ७६५४, ७८८०, ९२५८
१२०९९,
५४. अनर्घराघव (टीकासहित) — **मुरारि**, ना०, ८८११, ८६२५, ८८१२
५५. अपरपक्षश्राद्धप्रयोग — प्र०, ६०७७ (अ०)
५६. अपराजितापूजाविधिः — म०, (पूजा), ११२२३
५७. अपराधसुन्दरस्तोत्रम् — स्तो०, ६३७४, (अ०)
६६९४, ४७३९, ३२१८, ७६२०, ८२१५
८१४१, ७६८५, ५२४८, ६५०४, ५०१०
५८. अपरोक्षानुभूतिः (व्याख्या सहित) — **शंकराचार्यः**, वेदा०, ८९०५
(अ०) ५८५४, ८७९०, ६८९५,
६७२०, ६८७६
५९. अपामार्जन स्तोत्रम् (विष्णु धर्मोत्तरान्तर्गत) — स्तो०, ८२४७, ९०८१
३०१२, ३१७२, ७६८३
(अ०)
६०. अभिज्ञानशाकुन्तलम् — **कालिदासः**, ना०, ७२०४, ८८४९, ७१२५ (अ०)
६१. अभिधानचिन्तामणिः — **हेमचन्द्र**, को०, ११३५ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

६२. अभिलाषाष्टक स्तोत्रम् — व्यासः, स्तो०, ६०८०, ६३५३, ५२५६
६३. अमरकोषः — अमरसिंह, को०, ११८२, सम्वत् — १८८७ (अ०)
१२४६४, १११६३, १२०७८, १०८६१, १००१८
१००२२, ६०६१, १००२५, ६६४६, ६१७५
८८४२, ८८००, ४७६८, ३६६२, ४६३१
४३५६, ४३५६, ४२०८, ३२५०, ३४४, ३१६०
३१८६, ३६५६, ३७१८, ३६६६, ३६५०, ३८६३
३६३२
६४. अमरुशतकम् — अमरुक का०, ६५६०, (अ०)
११२१३, ५५५६,
६५. अमृतबिन्दूपनिषत् — उ०, ३८१८,
६६. अमृतसागर — सवाईप्रतापसिंह, वैं०, २८२८, ३३३८
६७. अयुतबालाक्षहोम पद्धतिः (ग्रहभैरव होम कर्म)— प्र०, ६१३३
६८. अयोध्यामाहात्म्य (स्कन्द पुराणगत)— पु०, ६६६५, १२६८४
६२०६, ६१७२, ६२६०
६५५८, १००८६
६९. अर्कप्रकाशः — लंकानाथ, ज्यो०, २६१०
७०. अर्कविवाहविधिः — प्र०, २६३६, ३६००, २६४५
७१. अर्घ्यप्रदानविधिः — प्र०, ६०४१, ४७२३, ४४१८, ५०५६
७२. अर्जुनगीता — पु०, ८००५, ४४४६ (अ०)
७३. अर्थपंचकविवेक — शावकोपदास, वेदा०, ४०६३ सम्वत् —
१९४६
७४. अर्धनारीश्वरस्तोत्रम् — स्तो०, ८४७५ (अ०)
७५. अलंकार ग्रन्थ — अलं० ८०८८ (अ०)
७६. अलंकारचन्द्रिका — वैद्यनाथ, अलं० ७८०४ (अ०)
६३२१, ७७४८
७७. अलंकारछन्दसंग्रह — मौनीराम, अलं०, ८६२७, ७३२७
७८. अलंकारमंजरी — त्रिमल्ल, अलं०, ६६५५ (अ०)
७९. अलंकारशेखरः — केशव, अलं०, ५१८६ (अ०)
८०. अलंकारसर्वस्वम् — रुय्यक, अलं०, ७२७६

८१. अल्लोपनिषत् — उ०, ८७४२
८२. अवतारवर्णनम् — पु०, ४३४३ (अ०)
८३. अवधूतगीता — वेदा०, ७६५१ (अ०)
२८४६, ३५५१
८४. अश्वचिकित्सा — नकुल, वैं०, १२६७६
८५. अश्वमेधधर्म (युधिष्ठिर यज्ञ) — व्यास, ध०, ६२५३ (अ०)
८६. अश्वत्थप्रदक्षिणाव्रतोद्यापन — व्र०, ८७५८, सं० — १७४७ (अ०)
८७. अश्वत्थपूजाविधिः — प्र०, ७५६२ (अ०)
८८. अष्टकमयम् — वे०, ७००८, ६२०६ (अ०)
८९. अष्टकवर्ग — ज्यो०, १२४३३
९०. अष्टकाश्राद्धप्रयोगः — प्र०, ६१५३, ३०३१, ३२६३, ५५०० (अ०)
९१. अष्टत्रिंशत्कालनिर्णयः — ध०, ६७४८ (अ०)
९२. अष्टमहादानविधिः — प्र०, २६६४
९३. अष्टाङ्गहृदयसंहिता — वाग्भट्ट, वै०, ३५३३ (अ०)
३६१८
९४. अष्टाध्यायी — पाणिनिः; व्या०, ७२६८ (अ०)
५०४१, २६०१, ६६६२, ६६६१
९५. अष्टावक्रगीता — वेदा०, ६६६३ (अ०)
विश्वेश्वरकृतव्याख्यासहित
९६. अष्टोत्तरशतदिव्यनामावली — स्तो०, ६५२० (अ०)
९७. अहिबालाचक्रम् — ज्यो० ५८४३, ५४०२ (अ०)

आ

१. आकाशभैरव — तंत्र, ४१४१, सम्वत् — १९६३
लिपिकार — माता प्रसाद
२. आख्यनाममाला — को०, १२६३८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३. आख्यातप्रक्रिया (सिद्धान्तचन्द्रिका) — **रामचन्द्राश्रम,** व्या,० ९००४
३५१९ (अ०)

४. आख्यातवाद (व्याख्यातसहित) — **रघुनाथ शिरोमणिः,** न्या०, ६२८२(अ०)

५. आगमकल्प — **यदुनाथाचार्य,** प्र०, ३२९९, ६२००

६. आगमकौमुदी — रामकृष्ण, तंत्र, ९४९७ (अ०)

७. आगमरहस्यसारतन्त्र — मं०, ३९६०

८. आग्नीध्रप्रयोग — श्रौ०, प्र०, ४९७२

९. आग्नेयहौत्रम् — प्र०, ४०६४ (अ०)

१०. आचारकाण्डम् — **भट्टोजि दीक्षित,** ध०, ७८८८ (अ०)

११. आचारसारः — ध०, १०९०६, ८०२५

१२. आचारादर्शः — **श्रीदत्त,** ध०, ५७८४ (अ०)

१३. आचारादर्शविवृत्तिः — **गौरीपति भट्टः,** ध०, ५३१४
लिपिकार — श्रीदत्त

१४. आत्मज्ञानटीका — **भगवदानन्द गिरि,** वेदा० ११७८६

१५. आत्मज्ञानोपदेश — वेदा० ७९९५, (अ०)

१६. आत्मनिरूपण प्रकरणम् — **शंकराचार्यः,** वेदा० ७९६९, सं० —
१८९३

१७. आत्मबोधः — **शंकराचार्यः,** वेदा० ५७१२, ८७६५, ८७६८
३९२३, १२६१३, ५४१८, ८४९३, ८२२०, ६३६५, ७०८३
८७६८, ८१२७, ८७६५

१८. आत्मविवरणाष्टकम् — वेदा० ४०२७ (अ०)
लिपिकार — विश्वेश्वर,

१९. आत्मानात्मविवेकः — **शंकराचार्य,** वेदा० १०११८ (अ०)

२०. आतुरसन्यासविधिः — प्र०, ५११४, ६७७८, ४६२०, ४०६२
८०५०,

२१. आत्मीकप्रकाशिका — **सत्यज्ञानानन्द,** — वेदा० ७४५२ (अ०)

२२. आतंकदर्पण निदान वृत्ति — **वैद्यवाचस्पतिः,** वै०, ५९६२

२३. आदिप्रपंचयागमातृका — प्र०, ३५६५ (अ०)

२४. आदिपुराणम् — व्यासः, पु०, ९१५० (अ०)

२५. आदिरामायणम् — पु०, (इ०), १२६५१

२६. आदित्यहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ४७६०, (अ०) २८६०, ४६६०
८२८०, ४७६५, २९७८, ३१८४, ३४८५, ४४८९

२७. आधानपद्धतिः — प्र०, १००१३, ६९०९, ८३२४, ६५७१ (अ०)

२८. आधानसूत्रम् — श्रौ०, प्र०, ५०४४, ९२४५, ५०५०, ६०५२

२९. आनन्दलहरी — **शंकराचार्य,** स्तो०, ७५१५ (अ०)
६५३९, २८२१, ८०३५

३०. आनन्देश्वरपूजा — पू०, ५८८० (अ०)

३१. आपदुद्धार मन्त्र — मं०, ८०२०, ७९६८, ९२४५ (अ०)

३२. आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् — गृ० — सू०, ६९४४, ६९४५ (अ०)

३३. आपस्तम्ब चातुर्मास्य प्रयोग — प्र०, ६९६८,

३४. आपस्तम्बश्रौत सूत्रम् — श्रौ०, — सु०, ७२४१, ७१२३ (अ०)

३५. आपस्तम्बश्रावणीप्रयोग — प्र०, ६७६१ (अ०)

३६. आप्तोर्याम मैत्रावरुण प्रयोगः — प्र०, ६२५४

३७. आभ्युदयिकश्राद्ध — प्र०, ११२३६, ९९१५, ३०३०

३८. आमनाय स्तोत्रम् — स्तो०, ७९३७, ५९१३,

३९. आयुर्वेद विषयकसंग्रह — वै०, ७३२६, ३७२१, ३८६७, ३६४९
३७८९, ३८१२, ४१७७, ४९०३, ७२०३
९२८२, ८३५९, ४१७७ (अ०)

४०. आरण्यक (षष्ठ प्रश्नः) — वे०, ६४१८, (अ०)
९८५९, ९८६१, ९८६२, ७७८२, ४५०२

४१. आरण्यकोपनिषत् — उ०, ७८१८ (अ०)

४२. आराधनप्रयोगः — प्र०, ६९७२ (अ०)

४३. आरामोत्सर्गपद्धतिः — प्र०, ७५३७, ८२३५ (अ०)

४४. आर्या द्विशती — **दुर्वासा,** स्तो०, ६८१२, (अ०)

४५. आर्यापंचशीतिपरमार्थसार — **शेष,** वेदा० ९१०१ (अ०)

४६. आर्यास्वात्मनिरूपणम् — **शंकराचार्यः,** वेदा० ८६९८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३. आख्यातप्रक्रिया (सिद्धान्तचन्द्रिका) — **रामचन्द्राश्रम,** व्या,० ९००४
३५१९ (अ०)

४. आख्यातवाद (व्याख्यासहित) — **रघुनाथ शिरोमणिः,** न्या०, ६२८२(अ०)
५. आगमकल्प — **यदुनाथाचार्य,** प्र०, ३२९९, ६२००
६. आगमकौमुदी — रामकृष्ण, तंत्र, ९४९७ (अ०)
७. आग्रावखणमानतन्त्र — म०, ३९६०
८. आग्नीध्रप्रयोग — श्रौ०, प्र०, ४९७२
९. आग्नेयहौत्रम् — प्र०, ४०६४ (अ०)
१०. आचारकाण्डम् — **भट्टोजि दीक्षित,** ध०, ७८८८ (अ०)
११. आचारसारः — ध०, १०९०६, ८०२५
१२. आचारादर्श — **श्रीदत्त,** ध०, ५७८४ (अ०)
१३. आचारादर्शविवृत्तिः — **गौरीपति भट्टः,** ध०, ५३१४
लिपिकार — श्रीदत्त
१४. आत्मज्ञानटीका — **भगवद्दानन्द गिरि,** वेदा० ११७८६
१५. आत्मज्ञानोपदेश — वेदा० ७९९५, (अ०)
१६. आत्मनिरूपण प्रकरणम् — **शंकराचार्यः,** वेदा० ७९६९, सं० —
१८९३
१७. आत्मबोधः — **शंकराचार्यः,** वेदा० ५७१२, ८७६५, ८७६८
३९२३, १२६१३, ५४१८, ८४९३, ८२२०, ६३६५, ७०८३
८७६८, ८१२७, ८७६५
१८. आत्मविवरणाष्टकम् — वेदा० ४०२७ (अ०)
लिपिकार — विश्वेश्वर,
१९. आत्मानात्मविवेकः — **शंकराचार्य,** वेदा० १०११८ (अ०)
२०. आतुरसन्यासविधिः — प्र०, ५११४, ६७७८, ४६२०, ४०६२
८०५०,
२१. आत्मीकप्रकाशिका — **सत्यज्ञानानन्द,** — वेदा० ७४५२ (अ०)
२२. आतंकदर्पण निदान वृत्ति — **वैद्यवाचस्पतिः,** वै०, ५९६२
२३. आदिप्रपंचयागमातृका — प्र०, ३५६५ (अ०)

२४. आदिपुराणम् — व्यासः, पु०, ९१५० (अ०)
२५. आदिरामायणम् — पु०, (इ०), १२६५१
२६. आदित्यहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ४७६०, (अ०) २८६०, ४६६०
८२८०, ४७६५, २९७८, ३१८४, ३४८५, ४४८९
२७. आधानपद्धतिः — प्र०, १००१३, ६९०९, ८३२४, ६५७१ (अ०)
२८. आधानसूत्रम् — श्रौ०, प्र०, ५०४४, ९२४५, ५०५०, ६०५२
२९. आनन्दलहरी — **शंकराचार्य,** स्तो०, ७५१५ (अ०)
६५३९, २८२१, ८०३५
३०. आनन्देश्वरपूजा — पू०, ५८८० (अ०)
३१. आपदुद्धार मन्त्र — म०, ८०२०, ७९६८, ९२४५ (अ०)
३२. आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् — गृ० — सू०, ६९४४, ६९४५ (अ०)
३३. आपस्तम्ब चातुर्मास्य प्रयोग — प्र०, ६९६८,
३४. आपस्तम्बश्रौत सूत्रम् — श्रौ०, — सू०, ७२४१, ७१२३ (अ०)
३५. आपस्तम्बश्रावणीप्रयोग — प्र०, ६७६१ (अ०)
३६. आप्तोर्याम मैत्रावरुण प्रयोगः — प्र०, ६२५४
३७. आभ्युदयिकश्राद्ध — प्र०, ११२३६, ९९१५, ३०३०
३८. आम्नाय स्तोत्रम् — स्तो०, ७९३७, ५९१३,
३९. आयुर्वेद विषयकसंग्रह — वै०, ७३२६, ३७२१, ३८६७, ३६४९
३७८९, ३८१२, ४१७७, ४९०३, ७२०३
९२८२, ८३५९, ४१७७ (अ०)
४०. आरण्यक (षष्ठ प्रश्नः) — वे०, ६४१८, (अ०)
९८५९, ९८६१, ९८६२, ७७८२, ४५०२
४१. आरण्यकोपनिषत् — उ०, ७८१८ (अ०)
४२. आराधनप्रयोगः — प्र०, ६९७२ (अ०)
४३. आरामोत्सर्गपद्धतिः — प्र०, ७५३७, ८२३५ (अ०)
४४. आर्या द्विशती — **दुर्वासा,** स्तो०, ६८१२, (अ०)
४५. आर्यापंचशीतिपरमार्थसार — **शेष,** वेदा० ९१०१ (अ०)
४६. आर्यास्वात्मनिरूपणम् — **शंकराचार्यः,** वेदा० ८६९८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४७. आर्याविज्ञप्तिः — रामचन्द्रसूरिः, का०, ७७६१ (अ०)
४८. आर्षरामायणम् (आर्षेय रामायण) — पु० (इ०)
११५३६, ६८६३, ६८४३, ६९५८, १००१३,
११५३६, ८३२४, १००३०, ११५३६, ७१३५,
७२१६
४९. आर्षेयब्राह्मणम् (सायण कृत टीका सहित)—वे०, ११५५१
५०. आलवन्दारस्तोत्रम् — स्तो०, ७७४४, ८३०७ (अ०)
५१. आश्वलायनगृह्यसूत्रम् — आश्वलायन, गृ० — सू०, ६७१६,
(सं० — १९४०) ४०७७, ३८४०,
७३१६, ६१५५, ६३४५, ६५७४,
७४१०, ६२३६, ६२६८

५२. आश्वलायनश्रौतकारिका — श्रौ० सू०, ६९०२ (अ०)
५३. आश्वलायनश्रौतसूत्रम् — श्रौ० सू०, ११५१८; ३७७२, ३७७३,
३७७९, ४३८४, ६७४५

५४. आश्विनमासस्वहोमप्रयोगः — प्र०, ६२३८ (अ०)
५५. आशौचनिर्णयः — कौशिकादित्यः, ध०, ६२२६
(त्रिंशत् श्लोकी विवृतिः) । व्याख्याकार-विज्ञानेश्वर

५६. आशौचनिर्णय — त्र्यम्बक पण्डित, ध०, ३७५४
५७. आशौचप्रकरणम्—भट्टोजि दीक्षित, ध०, ८३०९ ४२१६, सं०—१८५९,
८३०९, ५८८५, ६४१५

५८. आषाढकृष्णचतुर्थीव्रतकथा — व्र०, ४९०५ (अ०)
५९. आश्रमवासपर्व — व्यासः, पु०, (इ०), ९९९९ (अ०)
६०. आसुरीकल्पः — प्र०, ७३०१, ६७५९, ५०५४, ८३९१, ७४९८,
३२०९, ३८४१ (अ०)

६१. आह्निकप्रयोग — प्र०, ६३२७, ८०४८, ७४८७, ६२४८, ७२६६,
४५१८ (अ०)

इ

१. इतिहाससमुच्चयः — पु० (इ०), १०८४२, ७२२८, ८४७८,
३१४५
२. इन्द्रसूक्तम् — वे०, ६९०७ (अ०)
३. इन्द्राक्षीस्तोत्रम् — स्तो०, ६४६९, ५७०३ (अ०)
४. इष्टकालशोधनम् — नित्यानन्द, ज्यो०, ५१३५, २७७४
५. इष्टदर्पण — ज्यो०, ४८९६
६. इष्टपद्धतिः — प्र०, ३८२७ (अ०)
७. ईशावास्योपनिषत् — उ०, ७०५२; ४५००, ८७१४, ५७९९
अथवा
ईशोपनिषत्

उ

१. उच्छिष्टगणपतिपूजा — पू०; ३२१३
२. उड्डीशशास्त्रम् — म०, ४८९८
३. उणादिपंचमपाद — व्या०, ९९४१, ९९३८, संवत् — १८४८
४. उणादिसूत्रम् — व्या०, ७१४९, ९१६५, ८७९४, ६८८४ (अ०)
५. उत्सर्जनउपाक्रमप्रयोगः — प्र०, ६४८३, ८६२२ (अ०)
६. उत्सर्जनकर्म — ध०, ७२६०, ११०१०, ४५४८ (अ०)
७. उत्सर्गहोमविधिः — म०, ७३५१, ६५७५ (अ०)
८. उत्तरगीता — व्यासः, पु०, ६३३२ (अ०)
९. उत्तरतापिनीयोपनिषत् — उ०, ७५५८, ७७९६ (अ०)
१०. उत्तरपक्षावली — न्या०, ९९७१ (अ०)
११. उद्गातृप्रयोग — प्र०, ११५१२, ११५१३
१२. उदकशान्तिप्रयोगः — प्र०, ७२६४, सं० — १८८७ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१३. उदासीनस्तोत्रम् — विद्यारण्यतीर्थ, स्तो०, ४८१७ (अ०)

१४. उदाहरणम् — ज्यो०, ४८८०

१५. उद्धारस्तोत्रम् — स्तो०, ७२१४, ६५४१ (अ०)

१६. उद्यापनविधिः — प्र०, ८०७४, ६४८५ (अ०)

१७. उद्योगपर्व (महाभारत) — व्यासः, पु० ९०६१, ४९७८ (अ०)

१८. ऊर्ध्वावलोकनविधिः — प्र०, ४१७५

१९. उपग्रन्थसूत्रम् (प्रपाठक) — वे०, ११५५७, सम्वत् — १७९८ (अ०)

२०. उपदेश दृढीकरणम् — मुकुन्दराज, वेदा०, ९०४५- ४८३० (अ०)

२१. उपदेशपंचकम् — शंकराचार्य; वेदा०, ७९३६ (अ०)
४४८५, ९१०३

२२. उपदेशसाहस्री (सटीक) — शंकराचार्य, वेदा० ६१०२,
व्याख्याकारः — रामतीर्थ। ७७८९

२३. उपदेशामृतम् — वेदा०, ७९६६ (अ०)

२४. उपनयनकर्मपद्धतिः — प्र०, ३४२४, ९९७०, ३५२९
लिपिकार — अमृतलालशर्मा

२५. उपनयन प्रयोग — नारायणभट्ट, प्र०, ६२७५, ३२९२, ७२२६,

२६. उपनिषत्समुच्चयः, — उ०, १२४३१, ११५३२, ६२४५,
४५४९, ७३६६, ३५०६

२७. उपमन्युकृतस्तोत्रम् — सूर्यराम, स्तो०, ४७०५, सम्वत् —
१९१७ (अ०)

२८. उपवनविनोद — शार्ङ्गधर, का०, १२९७२
शार्ङ्गधर पद्धति का एक अध्याय

२९. उपाकर्म विधि : — प्र०, ४८३३, ४८८२

३०. उपाक्रम प्रयोग (श्रावणी) — प्र०, ६०७९

३१. उपाङ्ग ललिता व्रतम् — व्यास, व्र० ६१८४, ४४२७, ८८७४ (अ०)

३२. उपग्रन्थ सूत्रम् — व्या०, ११५५७, ९१६५

३३. उपासकाध्यायम् — सामन्तभद्र स्वामी, पू०, ५४३५ (अ०)

३४. उमामहेश्वर स्तोत्रम् — शंकराचार्य, स्तो०, ८९६३

३५. उषाकाल (अजपाजप विधिः) — प्र०, ३३१०

ऋ

१. ऋग्वेद संहिता — वे०, (संहिता), ७०६५, ६२६३, ४९९३; ११५१३
११५२१, ६२३०, ६८२४, ६८२३, ६४२१
६६४१, ५२३२, ३५३१ (अ०)

२. ऋभुगीता (स्कन्द पुराणगत) — व्यासः, पु०, ७०९४ (अ०)

२. ऋषिपंचमीव्रतकथा — व्र०, ७१७५, ६३३७, ६४९३ (अ०)

४. ऋषिपूजनम् — पू०, ६१७३ (अ०)

५. ऋषिमण्डलस्तोत्रम् — स्तो०, १०८५०

६. ऋग्विधानम् — वे०, ३९९४

७. ऋषिपंचमीपूजा — पू०, ३२८६, ४४०६, ४४०२, ३०५७, ४०२९
३०४९, ४४२१, ४४५८, ८४२५, ८६३६, ८८३१
८८३२

८. ऋषिपंचमीव्रतोद्यापन — व्यास, व्र० ८६३५, ८६३९ (अ०)

९. ऋषिमण्डलस्तोत्रम् — स्तो०, १०८५० (अ०)

ए

१. एकाक्षरकोशः — को०, ८७९६, ८२५२, ३३८५, ३५७८, ३७९६

२. एकादशीगणपति पद्धतिः — ध०, ४५१९ (अ०)

३. एकादशीनिर्णयः — (हारीत) वेङ्कटाचार्य, ध०, ८९२१ (अ०)
७४०८, ४१८२, ४६९२, ८९२१

४. एकादशीमाहात्म्यम् (स्कन्द पुराणगत) — व्यासः, पु०, ६८५५ (अ०)
संवत् १८१५, ४९१७
४२७१, ४३२८, ५५९२
५३६५, ४५१७

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

५. एकादशीमुखीकवचम् — म०, २६३३
६. एकादशीरुद्रविधिः — प्र०, ३१२५
७. एकादशीव्रतकथा — व्यासः, पु०, ८१६२, ४६६५ (अ०)
८. एकादशीव्रतोद्यापनम् — ध०, ८२०३, ४१०६ (अ०)
९. एकोद्दिष्टश्राद्धविधिः — प्र०, ३१०७, ३२७२, ४६२४, ५२८२
५४७०, ५२०३, ५६६४

ऐ

१. ऐतरेयआरण्यक — वे०, १००१५, ८४७६, १००१६
२. ऐतरेयब्राह्मण — वे०, ६४२०, ६७१५, ६७१४, ६७६२, ९११५
८२३६, ९८४५, ११५१७, ३७७८, ३७७७
४२५०, ४६६१, ८६२८, ११५१६, ७३१४
६७४१, ६७१८, ६७१७, ९११७, ९११२
९११४, ९११३, ६७१९, ९११५
३. ऐतरेयभाष्य — वे०, ६१२२, ३९६५ (अ०)
४. ऐषिकपर्व — व्यास, पु०, ४६७१ (अ०)

क

१. कठोपनिषत् — उ०, ६९७१, ८८९७
२. कथाकाशदृष्टान्त कथा — पु०, ८४८७ (अ०)
३. कथानिरूपणम् — पु०, ३७०६, सम्वत् — १९४० (अ०)
४. कमण्डलुस्थापनविधिः — प्र०, ४११२
५. कपिलगीता — व्यासः, पु०, ९१२९
६. कपिलषष्ठीव्रतम् — व्यासः, व्र० ६७३३, ८७६१
लिपिकार — विश्वनाथ।

७. कबन्धस्तोत्रम् — स्तो०, ७२७८ (अ०)
८. कमलाकृष्णमाहात्म्य — व्यासः, पु०, ८७५३, सम्वत् — १८०१
९. करवीरमाहात्म्यम् (पद्म पुराणगत) — व्यासः, पु०, ७९४५ (अ०)
१०. करावलम्बनस्तोत्रम् — **शंकराचार्य**, स्तो०, ४९७५
११. कर्णामृतम् — **लीलाशुक**, का०, ६६०५ (अ०)
१२. कर्पूरस्तोत्रम् — **महाकाल**, स्तो०, ७७०१ (अ०)
३३०३, ४५६४, ४७५७, सम्वत् — १९२७

१३. कर्मकाण्ड प्रकाशः — ध०, ७५८२, २९०५, ५३५७, ४९९७, ४९७०
एवं कर्मकाण्डविषयक ग्रन्य संग्रह। ७८३७, ७८३४, ५२१०, ५१२७, ५१४३
५०८९, ५४८७, ५१०४, ५३०४-
५३७६; ५३९७, ६५५६, ६९६७
५२४६, ४९९०, ७३३१, ७२५९, ६०५१
८१३५, ५५१८, ५५०२, ८०३४, ६०२२
५९७४, ५९७२, ५९२२, ५९४८, ७७३०
६५५४, ७५४८, ७४३१, ७३७१, ८१९४
५२४९, ५२२५, ५१५०, ७१८५, ७३३३
८३००, ८२७१, ८२४४, ८३१६, ८३०५
९४४६, ९४६९, ९२४२, ९१८९, ९२६१
९०४२, ९१३८, ९१३९, ९९४८, ९९५०
७४३७
४६९४, ४६४९, ४७३७, ८४६२, ४५८४
४६०२, ४५१२, ४५३४, ४४५५, ४३९१
४४१४, ४४२८, ४२८४, ४२८७, ४२९०
४३१०, ४३१९, ४२७७, ४१७८, ४२६६
७६४५, ७४३६, ५१६१ ५२४०, ५२६४
५५०९, ५५२९, ४१७२, ४१६५, ४१३६
४०८२, ४००९, ४०४२, ४१७८, ४३७२
४३४०, ४३५७, ४३४७, ४३३५, ४७०८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४६७६, ४७१४, ८३३७, ८३५२, ८३४८
८३४०, ८३२७, ८३८६, ८३५५ (अ०)

१४. कर्मप्रकाश — ज्यो०, ३३६६, (अ०)
१५. कर्मप्रदीपः — (गोभिलगृह्यकारिका) — **गोभिल**, गृ० सू०, ६४७२
(अ०) ११५५२, सम्वत् — १६३३
१६. कर्मलोचन — ध०, ३२७६, लिपिकार — बलदेव, सं० १६३२
१७. कर्मविपाक — **विश्वेश्वर भट्ट**, ध०, १२६६१, ६०१६, ४०११
२८२५, ७४८३
१८. कर्मविपाक समुच्चयः — **विश्वेश्वर भट्ट**, ध०, ५०००, ३०६६
१९. कल्पखण्ड (सिद्धि रसायन) — वै०, ६२७६ (अ०)
२०. कलिपंचबाण — का०, ४५१० (अ०)
२१. कविकल्पलता — **देवेश्वरः**, अल० ७१२४ (अ०)
२२. कवीन्द्रकुलकलश — **श्रीरतिः**, का० २८२३
लिपिकार — नाथू राम
२३. कवीन्द्रचरणसप्तप्रबोधोदय — का०, ३३१६ (अ०)
२४. क्षमाषोडशी — **पराशर भट्ट**, का०, ३७५५ (अ०)
वरदाचार्यकृत — टीका सहित
२५. क्षौरविधिः — प्र०, ८०१६, (अ०)
५१६४, ५४०६
२६. काकमैथुनशान्तिः — प्र०, ४३८३, १००३२ (अ०)
२७. काकवैकृत्यशान्तिः — प्र०, ३३८१
२८. काठकोपनिषत्, कठवल्युपनिषत्, कठोपनिषत् — उ०, ५५४७ (अ०)
२९. कात्यायनगृह्यसूत्रम् — **कात्यायन**, गृ० सू०, ३१४१
३०. कात्यायनश्रौतसूत्रम् — **कात्यायनः**, श्रौ० सूत्रम्, ११५१०, ५६४१
सम्वत् — १८३८
३१. कात्यायनउपाश्रम पद्धतिः — प्र०, ४६१३ (अ०)
३२. कात्यायनोक्तन्यास — **कात्यायन**, प्र०, ६३४३
३३. कात्यायनहोत्रम् — **कात्यायन**, ध०, ४६६६, ४५६४ (अ०)

३४. कामकुण्डलाकथा — माधवानल, का० ८८३६ (अ०)
३५. कामरूपतन्त्रम् — तं०, ६१८२
लिपिकार — रामेश्वरदत्त त्रिपाठी
३६. कायस्थोत्पत्तिप्रकरण — इ०, ५४५६,
३७. कामवतीएकादशी — **व्यासः**, पु०, ३३५७ (अ०)
३८. कामन्दकीयनीतिसार — **कामन्दक**, नी०, ६२७७
३९. कामिकाएकादशी — **व्यास**, पु०, ३३५८ (अ०)
४०. कारकचक्रम् — **वररुचिः**, व्या०, ३४२६ (अ०)
४१. कारिकावली — **वररुचिः**, व्या०, ३०७६, ३०००
४२. कार्त्तवीर्यार्जुनकवचम् — म०, ७३०६, (अ०) ३४१६, २६४६,
६६४२, ७१४३, ७२६१, ७८७३, ८१४६,
६८०१, ३४१६, ८६७७
लिपिकार — शिव दयाल।
४३. कार्तवीर्यार्जुनमाहात्म्यम् — पु०, ७०४४ (अ०)
४४. कार्त्तवीर्ययात्रोत्सव — प्र०, ८६३४ (अ०)
४५. कार्तिकमाहात्म्यम् (पद्मपुराणगत) — **व्यासः**, पु०, ७५३८, ११२०८,
८४४१, १११७६ ६६८४,
५३१६, ४३०४, ३११४,
३१६४, २८६३, ३६६९
४६. कार्तिकमाहात्म्यम् (सनत् कुमार संहितायाम्) — **व्यासः**, पु०, १११७६
सम्वत् — १८६६
४७. कार्तिकमाहात्म्यम् (भारद्वाजसंहितायाम्) — **भारद्वाज**, आगम, ६२६८,
४८. कार्तिकव्रतोद्यापनविधिः — **व्यासः**, प्र०, ७०६१, २८७५, ४३६६,
३१०६ (अ०)
४९. कार्तिकेयस्तोत्रम् — स्तो०, ३१८२
५०. कार्पण्यपुंजिकास्तोत्रम् — **रूपगोस्वामी**, स्तो०, ७६८४ (अ०)
५१. कालचक्रजातकम् — **वेङ्कटेश**, ज्यो०, ३४५४ (अ०)
५२. कालज्ञानम् — **धन्वन्तरिः**, वै०, ६८७७, संवत् १८०६, १०११२
४६३४, ५२६५, २८१७
५३. कालनिर्णयः — **रामचन्द्रः**, ज्यो०, १२६५३

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

५४. कालनिर्णय (टीका सहित)—माधव, ज्यो०, ८६३१, (अ०) शक—
१७४६

५५. कालनिर्णयदीपिका — नृसिंह, ध०, ६९६५, सं० — १७०२

५६. कालनिर्णयः — भट्टोजि भट्ट, ज्यो०, ६४९७, ४४६४

५७. कालनिर्णय अनुक्रमणिका — माधव, ज्यो०, ८८६८, सम्वत् —
१८८१ (अ०)

५८. कालमाधवीयम् कालमाधव — माधवाचार्य, ध०, ६५८७ (अ०)

५९. कालमाधव — माधवाचार्य, वै०, २८७९

६०. कालभैरवाष्टकम् — शंकराचार्य, स्तो०, ५४२१, ८२५५

६१. कालसिद्धान्तनिर्णय — चन्द्रचूडभट्ट, ध०, १२०८५, सम्वत्,
१८५०

६२. कालाग्निरुद्रोपनिषत् — उ०, ७०२७ (अ०)

६३. कालिकाकर्पूरस्तव — स्तो०, ७७१८ (अ०)

६४. कालिकारहस्यार्थमहाविद्या (महाभैरवतन्त्रे) — आ०, ७०३० (अ०)

६५. कालीपूजाविधि — प्र०, ९२६९

६६. कालीविलासतन्त्रम् — म० (तन्त्र); ७८८२ (अ०)

६७. कालीसहस्रनामस्तोत्रम् (महाकालसंहितायाम्) — आ०, स्तो०
६६३६

६८. काव्यकलाप — अलं० १२६६१, ८८७२ (अ०)

६९. काव्यप्रकाश (टीकासहित) — मम्मट, अलं०, ३५८१, ८८२१, ८८१८,
८८१५, ९०६९, (अ०) टीकाकार —
८८१६, (सरस्वती तीर्थ) ८८१७, (वैद्यनाथ)
८८१९, (गोविन्द) ८८२० (जयराम)

७०. काव्यपरीक्षा—भट्टाचार्य, का०, ८८४०, सम्वत् — १६९५

७१. काव्यविलासः —चिरञ्जीव भट्टाचार्य, अलं०, ६९८६, (अ०)

७२. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति — वामन, अलं०, ८८५४, (अ०)

७३. काशिकावृत्तिः (पाणिनि के — जयादित्यवामन च व्या०, ६३१७ (अ०)
सूत्रों पर टीका) ४६४०, ४०३३, ६८४४,

७४. काशीखण्ड (स्कन्दपुराणगत) — व्यासः, पु०, ७७६८, (अ०) ७७७५,

७६४१, ७२०६, ५३३५, ७०८८,
५०४३, ७९२८, ७९४३

७५—काशीगीता अथवा काशिकागीता — मैथिल चन्द्रदत्त, स्तो०, ३३०

७६—काशीप्रभावकथनम् — पु०, ९०६२ (अ०)

७७—काशीमाहात्म्यम् (स्कन्दपुराणगत) — व्यासः, पु०, ७१०१, ७२३६,
४४७६, ३६४१, ८२७४,
७२५७, ४४७४, ३६४१

७८—काशीमृतमोक्षविनिर्णय — विश्वनाथाचार्य, वेदा०, ९०९८

७९—काशीरहस्यम् (काशीमाहात्म्यखण्ड), — व्यास, पु०, १००८० (अ०)

८०—काशीषोडशयात्रा — प्र०, ५६५५

८१—काशीस्तोत्रम् — सत्यज्ञानानन्दतीर्थ, स्तो०, ७५८० (अ०)

८२—किरातवाराहीस्तोत्रम् — स्तो०, ३२०६ (अ०)

८३—किरातार्जुनीयम् — भारविः, का०, ७७५३, संवत्, १८२३, ८३३५,
४०२०, ६७७२, ६९२७, ६६२६, ५९७१,
७०५६, ७०२३, ६८१०, ५१७५, ६४४०,
६८४९, ७०४१, ३७५९, ३६४६, २९६५,
३३९०, १२४६०, ९९१३, ९९८९, ९४३६,
९४३७, ९४३८, ९४३९, ९४४०, ९४४१,
९४४३, ९३३१, ९३२९, ९१९३, ९२२३,
९२२४, ९२४६, ९२४७, ९२४८, ९२४९,
९२५०, ९२५१, ९२५२, ९०८९, ९०९०,
१११८७, २९६५, ४०२०, ३७५९, ३६४६,
३३९०

८४. क्रियायोगसार (पद्मपुराणगत) व्यास, पु०, ४८०६

८५. कीलकस्तोत्रम् — स्तो०, ३१९४, लिपिकार — लोकनाथ

८६. कुचिकास्तोत्रम् — स्तो०, ४४७२ (अ०)

८७. कुण्डक्षेत्रफलम् — प्र०, ४५४६, सम्वत् १८८४ (अ०)

८८. कुण्डप्रदीप — महादेव, श्रौ० प्र०, ३४४७ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८९. कुण्डमण्डपलक्षण — श्री रामचन्द्राचार्य, श्रौ० प्र०, ४०८७ (अ०)

९०. कुण्डमार्तण्ड — गोविन्ददैवज्ञ, गदाधरदैवज्ञ, श्रौ० प्र०, ११२१८, १६६२ (अ०)

९१. कुण्डरत्नाकर — विश्वनाथद्विवेदी, श्रौ० प्र०, ४८०७

९२. कुण्डसिद्धिः — विट्ठलदीक्षित श्रौ० प्र०, ३७०४, १०१०६, ९१५७, ९९६६, (अ०) ४८१९, ६२६७

९३. कुण्डार्क (टीका सहित) — कृष्णाचार्य, प्र०, ९९७२, सम्वत् १९४५

९४. कुन्तापाध्यायः (कुन्तापसूक्तम्) — वे०, ६६०८ (अ०)

९५. कुबेरसूक्तम् — वे० ४३०९ (अ०)

९६. कुमारसम्भव — कालिदासः, का०, ७७१०, ४५८६, ४०९१, ३६४४, ३७०९, ३४७८, ३८३८, ३८३९, ३९१५, ४०८०, ४३६५, ४७००, ५०२३, ५०६२, ६९२२, ६९२३, ६९४८, ६८२८, ६४५१, ९२२६, ९२२७, ९२२८, ९२२९, ९२३०, ९२३१, ९८६८ (अ०)

९७. कुशकण्डिका (सभाष्यम्) — गदाधर, ध० ३७०८, २९८७, २९४४, सम्वत् १९४९, लिपिकार—गणेशदत्त

९८. कुशपलाशव्रत कथा — व्यास, पु०, ८८२६

९९. कुरुक्षेत्रमाहात्म्य — व्यास, पु०, १२६६२

१००. कुलद्रव्यनिर्णयः (शक्तिरहस्यम्) —प्र०, ३४६७ (अ०)

१०१. कुलधर्मप्रकाशः—कृष्णपण्डित, ध०, ६८६९, (अ०)

१०२. कुवलयानन्द — अप्पयदीक्षित, अलं०, ११२४७, (अ०) ८८४६, ८८४५, ८८४४, ५८५०, ४०५८, ४६७६, ३४३५, ३५३०, ३६८८, ६४४६, ६४२९, ५९६६, ६८६२

१०३. कूटस्थदीप —रामकृष्ण, वेदा० ८८०४,

१०४. कूर्म्मपुराणम् — व्यासः, पु०, ७२३८ (अ०)

१०५. कृत्यरत्नावलिः — रामचन्द्र, ध०, १२६४३

१०६. कृदन्तप्रक्रिया — अनुभूतिस्वरूपाचार्य, व्या०, २८१८, ३५३३

३१४०, ३५३३,

१०७. कृष्णकवचम् — भृगुः, म०, ९१२७

१०८. कृष्णचैतन्याष्टकम् — वृन्दावनदास, स्तो०, ७९७१ (अ०)

१०९. कृष्णजन्मखण्ड (ब्रह्म वैवर्त पुराण) — व्यास, पु०, ८७८५

११०. कृष्णजन्मतिथिस्नानविधिः — प्र०, २९३०, ३९००, ४४५१

१११. कृष्णधर्मानुस्मृतिः — स्तो० ३६२५ (अ०)

११२. कृष्णनाम — गिरिधरदास, स्तो० ९९९३, सं० — १९४५

११३. कृष्णपूजा — पु०, ८४७०, (अ०)

११४. कृष्णशतनाम स्तोत्रम् — व्यास, स्तो०, ७६१७ (अ०)

११५. कृष्णस्तुतिः (भागवतगता) — व्यास, स्तो०, ९१३४, ४६१५

११६. कृष्णार्चनम् — पु०, ८३२६ (अ०)

११७. कृष्णाश्रयस्तोत्रम् — वल्लभाचार्य, स्तो०, ७८८३, (अ०) ५६०६, ७४१३, ८०७६, ७१६०, ६६१५, ६५२६, ८१२४

११८. कृष्णाष्टकम् — शंकराचार्य, स्तो०, ४०१३

११९. कृष्णाष्टकम् — कालिदास, स्तो०, ८३६४

१२०. कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः — स्तो०, ४३७३ ४६८७

१२१. केदारकल्प (शिवपुराणगत)— व्यासः, पु०, १२६९६

१२२. केदारखण्डम् (स्कन्द पुराणगत — व्यास, पु०, ८२३७

१२३. केदारगौरीव्रतकथा (पद्मपुराणगत) — व्यासः, व्र०, ८०६२ (अ०)

१२४. केदारक्षेत्रमाहात्म्यम् (वायुपुराणगत) — व्यासः, पु०, ५७५२

१२५. केनेषितोपनिषत्, तलवकारोपनिषत्, केनोपनिषत् — उ०, ७१०३, ६११५, ८३१४, ८७००

१२६ केवलान्वयी — जगदीश, न्या०, ९१९७, ९२०४, ९२०७, ९२०८, ९४११, ९४१२, ९३१५

१२७. केवलीकोष्ठा — न्या०, २८८८, ४५६७

१२८. केशवपद्धतिउदाहरणम् (जातकपद्धतिः) — केशवः, ज्यौ०, ६०१६

१२९. केशवपद्धतिः — केशवादित्य, ज्यौ०, ५६२२, ३४५१, १०९०९

जातक पद्धतिः

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१३०. कैवल्यस्तोत्रम् — बिल्वमंगल, स्तो०, ११२३०, सम्वत् — १९००(अ०)
१३१. कैवल्योपनिषत् — उ०, ७५१६, (अ०) ९१०४, ८४६८, ६९१८, ६०७६, ५२६७, ७८८५, ४५०१
१३२. कोकिलापूजा — पू०, ७३१९, ८७३५
१३३. कोकिलाव्रतकथा — व्र०, ७४९६ (अ०)
१३४. कोकिलाव्रतोद्यापनविधिः (नारद पुराणे) — प्र०, ७६१५, सं० — १९३१, (अ०) ६५८१
१३५. कोडपत्रम् (गदाधरी) — न्या०, ७०४६ (अ०)
१३६. कौतुकरत्नावली — रामचन्द्रभट्ट, का०, (प्रहसन), ५५५७
१३७. कौपीनपञ्चकम् — शंकराचार्यः, वेदा० ८२११ (अ०)
१३८. कौस्तुभविंशतिका — का०, ७५०२
१३९. कौतुकहलपत्रम् — प्र०, ४१९५ (अ०)

ख

१. खटकतन्त्रसंहिता — म०, ७६९२ (अ)
२. खेचरयोगाध्यायः — यो०, ६०७२ (अ०)

ग

१. गंगाआरती — पू०, ४१३२, ४५५२, लिपिकार — टीकाराम
२. गंगागौरीव्रतम् — व्यास, व्र०, सम्वत् — १८७१, ८८८०
३. गंगामाहात्म्यम् — पु०, ७०७१, ३८८६
४. गंगायमुनापूजाविधानम् — पू०, ९८४२, ९८९१
५. गंगालहरी (व्याख्यासहित) — पं० राज जगन्नाथ, स्तो०, ६३०४, ७०९८, ७८६८, ४९७७, ६७५३, ६६७५, ७०७६, ४१२९, ४११५, ११७९५, १२०९३

६. गंगाष्टकम् — आदित्यपुरी, स्तो०, ४७२० (अ०)
७. गंगाष्टकम् — वाल्मीकिः, स्तो०, ६५३७, ९४०७, ९३४५, ४३८७, ३७२९
८. गंगाष्टकम् — शंकराचार्य, स्तो०, ७९९२, (अ०) ५८४२, ५०६३, ६५९१, ७४९७, ६८३४, ६६०१, ६५०५, ५९१९, ८२७९
९. गंगासहस्रनाम (स्कन्दपुराणे) — व्यास, पु०, ३४४०, (अ०) ८९४२, ७९०२, ४२८३
१०. गंगास्तोत्रम् (देवीभागवते) – स्तो०, ८२७५, ३९५६
११. गंगास्नानविधिः — प्र०, ६१७६ (अ०)
१२. गजगौरीव्रतकथा — व्यास, पु०, ८८४३ (अ०)
१३. गजचिकित्सा — बृहस्पति, वै०, १२६७३
१४. गजेन्द्रमोक्षः (भागवते) — व्यासः, स्तो०, ७६०५, (अ०) ३२८७, ३५७१, ४३३२, ४६२९, ६७५०, ६३३२, ५६१३, ५७४५, ५५८०, ५९३५
१५. गणकमण्डनम् — नन्दिकेश्वर, ज्यौ०, ६०५६ ४४५० ४४२४
१६. गणपतिकवचम् — म०, ७९१७, सं०—१८४६, ५५८९ (अ०)
१७. गणपतिपूजनम् — पू०, ८१३६, ६८६४, ६५२४
१८. गणपतिमन्त्रनाम — स्तो०, ४७१६ (अ०)
१९. गणपतिस्तोत्रम् — स्तो०, ८३२६, ४५६३, ८३६३, ८३१५, ४४३२ (अ०)
२०. गणपतिसहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ६८७३, ६९५२, ४९९१, ५८१७, ५४८४, ८००१, ७३५७ ७३९१, ७७१२, ५२१९ ५१४२, ४१६२, ७३५८
२१. गणपतिसूक्तम् — वे०, ६५४४ (अ०)
२२. गणितनाममाला — हरिदत्त ज्यौ०, ६९११, संवत् १८६१, ५४९९, ५१५६, ३३३९, ८०५४, ९१२२
२३. गणेशकवचम् — म०, ११२२२ ११२२५;

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२४. गणेशचतुर्थीव्रतकथा — व्यास, व्र०, ८६४८
२५. गणेशजपमन्त्र — म०, ३७५२
२६. गणेशपञ्चाङ्ग — म०, (तन्त्र), १२६६७
२७. गणेशपुराणम् — व्यास, पु०, ६४६१, ६४६२, ६६६०, ६०-८३ (अ०)
२८. गणेशपूजाविधिः — पू०, ४३१२, ३६७४, ३४६३ — शक — १७६६ (अ०)
२९. गणेशपूजा — पू०, ४४७५, ३६२३; ८२७०
३०. गणेशव्रतकथा — व्र० ८६४६ (अ०)
३१. गणेशव्रतोद्यापनविधिः — प्र०, ३००२
३२. गणेशस्तोत्रम् — स्तो०, १०७७५, ८४८१, ३६०८, ३७४५, ४१६२, ४५६३, ४४३२, ४७५५, ३६५०, ८३०१
३३. गणेशसहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ६०६७, ४६३०, ४२७२ ४६५६, ५२३६, ७५८६, ७७६७
३४. गणेशहोम (पूजा) — पू०, ५६६६, ४७६६
३५. गणेशाष्टकम् — स्तो०, ६३३७, ४७५५ ४३६७
३७. गणेश अम्बिकापूजनम् — पू०, ४०७६ (अ०)
३८. गणेश अष्टोत्तरनामावली — मदनगोपाल, स्तो०, ३६५० (अ०)
३९. गदाधरीभाष्यम् — न्या०, ७२१६, ३७२३
४०. गदाधरीपंचलक्षणम् — गदाधरभट्ट, न्या०, ८३६०
४१. गन्धकालीमाहात्म्यम् (वायु पुराणगत) — व्यासः, पु०, १२७०३
४२. गन्धमन्त्र (शौनकशाखा) — म० ८००६ (अ०)
४३. गर्भस्ति स्वराष्टकम् (काशीखण्डगत) — स्तो०, ८११५ (अ०)
४४. गयाप्रयोग (तीर्थ चिन्तामणिः)— वाचस्पतिः, प्र०, ५७६७, ७१७६, ६२५६, ६८७६
४५. गयामाहात्म्यम् — व्यास, पु०, ६१६४, ८५१७,- ८५१६, ७०७० (अ०)
४६. गयास्तोत्रम् — स्तो०, ३०३४

४७. गरुडपुराणम् — व्यासः, पु०, ७०५४, ३११६ (अ०)
४८. गरुडोपनिषद् — उ०, १२६१६, ५२६०, ६६४६, ८७७८, ८७७६ ८७८३, ३६७६, सम्वत् १८७५
४९. गर्गमनोरमा (लोकमनोरमा), (सटीक) — गर्गाचार्य, ज्यो०, ४६६३
५०. गर्गसंहिता — गर्गाचार्य, ज्यो०, ३५७२, ६२१४, ६०५४ (अ)
५१. गर्भसुभगाव्रतम् — व्यास, व्र०, ८८३५, सम्वत् — १६४७
५२. गर्भाधानसंस्कार प्र०, ४६३८, ४८४७ (अ)
५३. गर्भोपनिषत् — उ०, १००८४,
५४. गायत्रीकवचम् — म०, ३४६७, ३६४७, ४३१६, ३६६४, २८६१ (अ०)
५५. गायत्रीजपविधि — म०, ४३११
५६. गायत्रीपटल — म०, ३६१४ (अ०)
५७. गायत्रीपुरश्चरणचन्द्रिका — काशीनाथ भट्ट, म०, ६५२७
५८. गायत्रीपुरश्चरणविधिः — प्र०, ५८४०, ८३८८ (अ०)
५९. गायत्रीब्रह्मकल्प म०, ३१६१
६०. गायत्रीमन्त्र एवं ब्रह्मास्त्र प्रयोग — प्र०, ८८७१, ३६६६, ३४७३ (अ०)
६१. गायत्रीरत्नमाला — म०, ७५६३
६२. गायत्रीविधिः — म०, ४६६० (अ०)
६३. गायत्रीशापविमोचनम् — म०, ८३१७, ४३६८, ३७४६
६४. गायत्रीसहस्रनाम — स्तो०, ३७५८, (अ०) ७५१३, (सं० १६१६) ६४६२, ३६६५
६५. गायत्रीस्तोत्रम् — स्तो०, ६४४६, ६४५०, ४०६३, ६६६१ (अ०)
६६. गायत्रीहृदयम् — म०, ७४६२, ४०३० (अ०)
६७. गायत्रीहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ६३५६, ३८४६, सम्वत् — १६५२ (अ०)
६८. गायत्र्यार्थं विवरणम् — दिनेश भट्ट, म०, ३६१७, ५६६३ (क)
६९. गायत्रीअष्टोत्तरसहस्रनाम — स्तो०, ५१०१, ७५१२
७०. गायत्रीअष्टोत्तरशतनाम — म०, ४१२३, ८६७२, ८८७५

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

७१. गायत्र्युपनिषद् — उ०, ६३४०
७२. गार्हपत्यहोमविधिः (गार्हपत्यविधा) — प्र०, ७३८८, ५७७८ (अ०)
७३. गिरिजादशकम् — शंकराचार्यः, स्तो०, ५४३७ (अ०)
७४. गीतगोविन्दम् — जयदेवः, का० ७०६३, ९९३२, ५७६१, ६३३९,
७८०२, ४८६२, ७२१७, ६७८४, ७९५९,
७३३६, ७१३०, ७९७५, १०९८७, ११५२७,
१२०७७, ९०८४, ३५७४, ८८५७
७५. गीतविलासिका — [illegible], का०, ८४८२ (अ०)
७६. गीतामाहात्म्यम् (वायु पुराणगत) — व्यास, पु०, ३६७०, ४१५३,
४३५४, ४८३१
७७. गीतामाहात्म्यम् (पद्मपुराणगत) — व्यासः, पु०, ५२५०, ६०५५,
४०६७, (संवत् १८९८)
७८. गीतासारसमुच्चय — वेदा०, १००२६, सं० १७४७, ४३३८, ४३२२
७९. गीतासारस्तुतिः — स्तो०, ७९८७, ७१२९ (अ०)
८०. गुणवती — [illegible], ११५३७
८१. गुरुगीता (स्कन्द पुराणगत) — व्यासः, पु०, ७९४१, ४३२५, ४११८,
४११९, (सं० १८८२) (अ०)
८२. गुरुपंचकोपाख्यानम् — व्यास, पु०, ८७३९, सम्वत् १८१०
८३. गुरुपरम्परास्तोत्रम् — [illegible] वृन्दावन, स्तो०, ६६५१ (अ०)
८४. गुरुस्तोत्रम् (पद्मपुराणे), — व्यासः, पु०, ७२१५ (अ०)
८५. गुरुस्तोत्रम् (रुद्रयामलगत) — स्तो०, ८२८४, ३२१५
८६. गुरुस्तवराज — स्तो०, ८९८६
८७. गुरु शान्तिः — स्तो०, २८७६
लिपिकार — किशोरीमिश्र
८८. गुर्वाराधना — पु०, ४३११, ४३२७ (अ०)
८९. गूढार्थदीपिका — अनन्त भट्ट, उ०, ६६६१
९०. गेरव्यामन्त्र — म०, ४५३७
९१. गृहप्रवेश — ज्यो०, २९७७
९२. गृहप्रवेशविधिः — गोविन्द, प्र०, ४८२१, ४८१०
९३. गृहवास्तुमंडल चक्रम् — ज्यो०, ३९८९ (अ०)
९४. गृह्यपद्धतिः — रामेश्वर, प्र०, १२४४६, १२६२८

९५. गृह्यसूत्रप्रकाशकारिका — कर्काचार्य, गृ० सू०, २९३५, २९९८,
९०००, ८९९६
९६. गृह्यसूत्रभाष्य — गृ०सू०, ३४४१
९७. गृह्यसूत्रम् — पारस्करराचार्य, गृ० सू०, २९५८, ४१०८, ३७८४,
३७८८, ४३८०
९८. गृह्यसूत्रम् (सभाष्यम्) — गृ०सू०, ६१९८, ६३३० (अ०)
९९. गोकुलाष्टकम् — रघुनाथ, स्तो०, ४०२१ (अ०)
१००. गोकुलेश अष्टोत्तर — स्तो, ३८२१ (अ)
१०१. गोत्रप्रवरनिर्णय — भट्टोजिदीक्षित, प्र०, ८९२२, ८९२३,
७४८२, ६२४३, ५९४१ (अ०)
१०२. गोदानपद्धतिः — प्र०, ३०९८
१०३. गोदानविधिः — प्र०, ८६१४, सम्वत् — १८८१, ४३०१, ४३०७,
४३९५, ४४२९, ७००१ (अ०)
१०४. गोदावरीस्तवः — रामानन्दमयूर, स्तो० (अ०)
१०५. गोपद्मव्रतम् (पद्मपुराणगत) — व्यास, व्र०, ८२४५, ८१९६,
८८६१ (अ०)
१०६. गोपालतापिनी — उ०, १२६९२
१०७. गोपाल पटलः — प्र०, ७५०१, ५९८९, ६७६७, ७९८०, ७९७९,
५८१९, ५७९५, लिपिकार — हरिव्यासदेव
१०८. गोपालपद्धतिः — प्र०, ९०७९ (अ०)
१०९. गोपालभाष्यम् — म०, ३३०९ (अ०)
११०. गोपालयन्त्रम् — म०, ४३४१ (अ०)
१११. गोपालाष्टकम् — वागेश्वरपण्डित, स्तो०, ७९७८ (अ०)
११२. गोपालसहस्रनाम — स्तो०, ३४९६, १००८७, १२६४५, १२०९२,
७९६१
११३. गोपाल—राधिकानाथ सहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ३३३५
११४ गोपालस्तवराजः — स्तो०, ७९६७ (अ०)
११५. गोपालसुन्दरीमन्त्र — म०, ४५७० (अ०)
११६. गोपीगीता (भागवते) — व्यासः, पु०, ७१४२, ५०९८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

११७. गोपीगीतम् (भागवतस्य दशमस्कन्धे) — व्यासः, पु०, ११२१२, (अ०)
११८. गोपूजनम् — पू०, ३७२४, (अ०)
११९. गोमतीस्तोत्रम् — लालमणि त्रिपाठी, स्तो०, ५२२४
१२०. गोरक्षबोधग्रन्थ — शम्भू नाथ, स्तो० ४३२०, सम्वत् — १८८६
१२१. गोरक्ष सहस्रनाम — स्तो०, ४३२४, सम्वत् — १८८६
१२२. गोलोकखण्डम् — गर्गाचार्य, ज्यो० ६०५५ (अ०)
१२३. गोविन्दगीता — व्यास, पु०, ४१२७
१२४. गोविन्ददामोदरमाधवस्तोत्रम् — बिल्वमंगल, स्तो०, ६१६१, ५८०४
१२५. गोविन्दलीलामृतम् — रघुनाथ दास, स्तो०, १२६५७
१२६. गोविन्दलीलामृतकाव्य — रघुनाथमद्दट, का०, ७९६५ (अ०)
१२७. गोविन्दाष्टकम् — शंकराचार्य, स्तो०, १०८५८, ११९३६, ८२८८, ३३२२, सं० — १८२७ (अ०)
१२८. गोविन्दाष्टकम् — आनन्दगिरिः, स्तो०, ११९३६, सं० — १८२७ (अ०)
१२९. गोसहस्रव्रतम् — व्यास, व्र०, ८७८६
१३०. गौतमीगोपालहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ३२२२
१३१. गौतमजातक: (भाष्य सहितम्)— गौतमः, ज्यो०, ४८५८
१३२. गौतमीतन्त्रम् (गौतमीय तन्त्रम्)— म०, ६२१९, १२६७५ (अ०)
१३३. गौरीपूजा — पु०, ४७११
१३४. गौरीव्रतकथा (पद्म पुराणगत) — व्यास, पु०, ३५८० (अ०)
१३५. गौरीव्रत कथा (भविष्य पुराणम्) - व्यासः, पु०, ७२०० (अ०)
१३६. ग्रहगोचर — काशीनाथ, ज्यो०, ३४७४
१३७. ग्रहणादर्श (सटीक) — ज्यो०, ३४५६ (अ०)
१३८. ग्रहदानविधि: — प्र०, ३०८८
१३९. ग्रन्थसंग्रह — प्रजा पतिदास, ज्यो० ८७०३
१४०. ग्रहप्रकरणचक्रम् — ज्यो०, ५७२९, ५७५२, ४८२६, ४८६७, ७४२३ (अ०)
१४१. ग्रहयागप्रयोग — अनन्त देव, प्र०, २८८०
१४२. ग्रहलाघव — गणेशदैवज्ञ, ज्यो०, २८६७, २८३५, ४४३०

९५०९, ८९९९, टीकाकार — विश्वनाथ
लिपिकार — विष्णुदत्तपन्त

१४३. ग्रहलाघवउदाहरणम् — गणेश दैवज्ञः, ज्यो०, ३५०२, सम्वत् — १९११
१४४. ग्रहलाघव (सिद्धान्तरहस्य) — नारायण, ज्यो०, १२४५६,
१४५. ग्रहलाघवम् (सिद्धान्तरहस्य)
व्याख्याकार — विश्वनाथ, ज्यो० —६३६१, (अ०) १५२०, ४४५४, ४४३०, २८६७, ३५०२, (अ०) ७२८१, ६००९, ५७६६, ५७६७, ५८६०, ५०४०, ७८३९, ५६३८, ५७०९, ५०१७
१४६. ग्रहशान्ति :— प्र०, ९८७० (अ०)
१४७. ग्रहसारिणी — कमलाकर चार्य, ज्यौ०, १०८३८
१४८. ग्रहसूचितफलम् — ज्यौ०, ३०४२

घ

१. घटकर्परकाव्यम् (व्याख्या सहित) — घटकर्परः, का०, ६३५८, ७४१५, ६५६७, (अ०) १२६३२, ८८५८, ८३९०, ४६३६,
२. घण्टाकाण्ड प्रयोगः — प्र०, ३२६०
३. घटिकाफलम् — ज्यौ०, ४८५२
४. घेरण्डसंहिता — यो०, ४२३५ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

च

१. चक्रपाणिस्तोत्रम् — शंकराचार्यः, स्तो०, ५६५३, ४५३६, ६२८७
२. चक्रानुष्ठानपद्धतिः — प्र०, ६६६०
३. चक्रानुष्ठानपद्धतिः — प्र०, ७६६५ (अ०)
४. चण्डिकारहस्यम् — नीलकण्ठदीक्षितः, स्तो०, ४६६५, ७५६८
५. चण्डिकाहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ३८७७ (अ०)
६. चण्डीपद्धतिः — म०, ११२११ (अ०)
७. चण्डीप्रयोगविधिः — प्र०, ६६४७, ५०२५
८. चण्डीपूजा — पु०, ७५६६ (अ०)
९. चण्डीविधानम् (मार्कण्डेय पुराणगत) — स्तो०, ८१५३ (अ०)
१०. चण्डीविधिः — म०
११. चण्डीस्तोत्रविधिः — नागेश, स्तो०, १२४५४
१२. चतुर्वर्गचिन्तामणिः — हेमाद्रिः, ध०, १२६८५,
१३. चतुष्षष्ठी योगिनी यात्रा — व्यासः, पु० ८६१९, (अ०)
१४. चन्देश्वरप्रश्नविद्या — चन्देश्वराचार्य, ज्यो०, ५६९१
१५. चन्द्रकलानलचक्रम् — ज्यौ०, ३८८९ (अ०)
१६. चन्द्रग्रहणउदाहरणम् — ज्यौ०, ३३२५
१७. चन्द्रचिन्तामणिः — ज्यौ०, ३७६९ (अ०)
१८. चन्द्रालोकः — जयदेवः, अलं०, ६९३१, ४७१३, ७४५८, ६८४७,
६३९९, ७३६९, ७७७१
१९. चन्द्रेष्टिप्रयोगः, प्र०, ७४३२, ७६३०
२०. चन्द्रोन्मीलनम् — का०, ५५७१
२१. चमत्कारचिन्तामणिः — नारायणभट्ट, ज्यौ०, ४२७४, (अ०)
६३८३, ५९८८, ४०३९, सं० — १७५४,
२८९९, २९६३, ८७०५, सम्वत् —
१८१२
२२. चमत्कारशासन — ज्यौ०, ३७१७ (अ०)
२३. चम्पाषष्ठीव्रतम् — व्र०, ८७६२, सम्वत् — १५२२

२४. चरणव्यूह — वै०, ८१४४, ४६४७
२५. चरकसंहिता — पतञ्जलिः, वै०, ४२२७ (अ०)
२६. चर्पटमञ्जरी — शंकराचार्य, स्तो०, ४४११ (अ०)
२७. चाक्षुषोपनिषद् — उ०, ५४६०, ४८४१, ७३६४, ७५९०, ५१४८,
२७४९, सं० — १९४६, ३०८७, ४०१८
२८. चाटुपुष्पाञ्जलिः — रूपगोस्वामी, स्तो०, ७९८१, ५८२१ (अ०)
२९. चाटुश्राद्धप्रयोगः — प्र०, ६४९५,
३०. चाणक्यनीतिः — चाणक्यः, नी०, ५१६८, ४८९७, ६२०१,
४२०१, २८६६, सं० — १७७१, ५८००
३१. चातुर्मास्यपद्धतिः — ध०, ४३८९ (अ०)
३२. चातुर्मास्यप्रयोगः — प्र०, ६६८७, ६८९८, ७१०७,
सं० — १७८१
३३. चातुर्मास्यहौत्रप्रयोगः — प्र०, ६९०८, ६९५६, ६९०४, ६९५९,
५२४७
३४. चारुपिण्डप्रदानविधिः — प्र०, ८६१८, सम्वत् — १९०६ (अ०)
३५. चार्वण — प्र०, ४१५६ (अ०)
३६. चित्रकूटमाहात्म्यम् — पु०, ४८६६
३७. चित्रगुप्तकथा — व्यास, पु०, ३१२३, ६६५९
३८. चित्रदीप (पञ्चदशीगत) — भारतीतीर्थ विद्यारण्य, वेदा० ८८०६,
(अ०) ३९०६
३९. चित्रमीमांसाखण्डनम् — जगन्नाथ पंडित, अलं० ६९९९
४०. चिन्तामणिः — न्या०, ५३४१, ६६४८, १३१०, ४५८३, ९३०८
४१. चिन्तामणिमन्त्र — म०, ३०९६
४२. चिन्तामणिप्रश्न — ज्यो०, ४३९३, सम्वत् — १९८४ (अ०)
४३. चिन्तामणिस्तोत्रम् (विश्वतन्त्रे) — स्तो०, ७८५८, (अ०)
४४. चिकित्साप्रयोग — वै०, १११६१
४५. चिकित्सासंकेत — वै०, ३१८६
४६. चितिकाण्डब्राह्मण (चतुर्थपञ्चिका) — वे० (ब्राह्मण), ८९३० (अ०),

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४७. चूडाकर्मसंस्कार — प्र०, ८६१७ (अ०)
४८. चैतन्यचरितामृत — कृष्णदास, का०, — ६११८, ७९६४
४९. चैतन्यप्रकाश — श्रीलभट्टाचार्य, का० ४६२२, सम्वत् — १९७६
५०. चैतन्यसहस्रनाम — रूपगोस्वामी, स्तो०, ४८४०
५१. चैत्रकृष्णचतुर्थीव्रतकथा — व्र०, ३५०९
५२. चैत्रमाहात्म्यम् (स्कन्द पुराणगत) व्यासः, पु० (अ०)
५३. चोरज्ञान — ज्यो०, ३१०९
५४. चौरपंचाशिका — बिल्हण, का०, ७१२७, ४३०२, ३८३० (अ०)
५५. चौबीस गायत्री मन्त्र — म०, ४७८९

छ

१. छन्दशास्त्रम् — छ०, ७७४६, संवत् १८८९, ३६८९, ८८५१, ९२२२
२. छागलाबलिः — प्र०, ३६०१ (अ०)
३. छान्दोग्योपनिषत् — उ०, ६२६२, ३१४४, ८२४०, ८९०६, ८८५५, ९२२०, ११५६१, (सं० १९१२), ६८१६, ११५४५, (सं० — १८२९), ११५५० (सं० — १८२९) ६८८८, ५३४४, ६१४१, ६४६६
४. छान्दोग्योपनिषत् (भाष्य सहित) शंकराचार्य, उ०, ३२९०
५. छान्दोग्यसूत्र (सटीक) — उ०, ११५६०, ४६३३
६. छिन्नमस्तापञ्चाङ्ग (रुद्रयामलगत) — म०, (तन्त्र), १२६१५,
७. छिपकली विचार — ज्यो०, ३०६५
८. छायाज्योतिषप्रयोग — प्र०, ७४३४ (अ०)

ज

१. जगदम्बपादारविन्दाष्टकम्—स्तो०, ९९१२ (अ०)
२. जगदम्बा अपराधस्तोत्रम् — शंकराचार्य, स्तो०, ४५९५
३. जगन्नाथवासुदेवपूजा विधि :— स्तो०, १२६८७
४. जगन्नाथ स्तुतिः — स्तो०, ३६९७
लिपिकार—लक्ष्मीशंकर,
५. जगन्नाथाष्टकम् — शंकराचार्यः, स्तो०, ७८६२, ४१३३, (अ०)
६. जगन्नाथमंगलशासनम् — म०, ९३५८,
७. जगन्मंगलरामायणम् — पु०, ७२९५, (अ०)
८. जगन्मंगलकालिका कवचम् — म०, ५००२,
९. जन्मकालपद्धतिः — केशव दैवज्ञः, ज्यो०, ५१९९,
१०. जन्मरहस्यस्तोत्रम् — व्यास, स्तो०, १००२९,
१२. जन्मराशिफलम् — ज्यो०, ४०१७, (अ०)
१३. जन्माष्टमीव्रतकथा (भविष्योत्तरपुराणगत) — व्यास, पु०, ७८४४, (अ०) ६१२१, ५१००, ४९०८ ४९०२, ७१७८, ५३९५, ८१९१, ८८३०, ८८२८, ८८२९ ३११८, ८८६७
१४. जन्माष्टमीव्रतपूजा (व्र०) — ११२३३, (अ०)
१५. जपपद्धतिः— म०, ४३६२ (अ०)
१६. जपादिहोम—प्र०, ९८६५, (अ०)
१७. जम्बूकदर्शनम् — प्र० ४१४६, (अ०)
१८. जयसिंह कल्पद्रुम — रत्नाकर, पु० (ध०) ३११५
१९. जलयात्रा पद्धतिः — प्र०, ३२५४,
२०. जलाशय प्रतिष्ठा — प्र०, ४४४१, (अ०)
२१. जलाशयोत्सर्ग मयूरव — नीलकण्ठ भट्ट, ज्यो०, ४८०४,
२२. जलाशयोत्सर्ग विधिः — नारायण भट्ट, प्र०, ८५२६, २९२६, (अ०)
२३. जागदीशी — जगदीश, न्या०, ८१७९,

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२४. जातक कर्म पद्धति (व्याख्यासहित) — **श्रीपतिः**, ज्यो०, १०८३९,
११२४३, ४७०९ ३४३३

२५ जातकपद्धतिः — **केशव दैवज्ञः**, ज्यो०, ५७२३, ११२४३, ४७८७
सम्वत् — १८८४

२६. जातकपद्धतिः — **श्रीपतिः**, ज्यो०, ३३३४, (अ०) २८२६

२७. जातकपारिजातः — **वैद्यनाथः**, ज्यो०, ३४८२, ५६३०,

२८. जातकविचार — ज्यो०, ७३७६

२९. जातकविवरणन् — **महीधर**, ज्यो०, ४४१९ (अ०)

३०, जातकस्तोकाः — ज्यो०, ३७३३ (अ०)

३१. जातकादर्शः — ज्यो०, ५७२८

३२. जातकाभरणम् — **ढुंढिराज** ज्यो०, ११२४६, ६१२०, ५६२५
८४१८, ३६४८, संवत् — १८६२

३३. जातकालंकार — **गणेश दैवज्ञ**, ज्यो०, ३३२६, ६९९२, ३४७०,
३७९०, ६३६९, १०९०७, ३०७१, ४४३४, (अ०)

लिपिकार — राधाकृष्ण

३४. जातिमाला — **सोमनाथ**, जातिविषयक ४१४४ (अ०)

३५. जानकीनवमीव्रतविधिः — व्र०, २८७७,

३६. जानकीसहस्रनामस्तोत्र — **वाल्मीकिः**, स्तो०, ४९४७, ३५२५,
सम्वत् — १८५९, २९२२

३७. जानकीस्तवराज — स्तो०, ४९४२, ५६००

३८. जाबालोपनिषत् — उ०, ७१००, ४२७६, ६१४७

३९. जिनरक्षा आदिस्तोत्रसंग्रह — स्तो०, ३४२०

४०. जीर्णोद्धारविधिः — प्र०, ३१७४

४१. जीवनमुक्तिविवेक — **श्री परमहंससकलभारती**. ४०४६

४२ जीवन-मुक्तिविवेक — विद्यातीर्थ, वेदा०, ८७७०, शक-१८०९

४३. जीवब्रह्मत्व एकत्वम् — **शंकराचार्य**, वेदा०, ८४७३,
(अ०)

४४. जीवश्राद्धविधिः—ध०, ४८५८

४५. जुबिलीप्रमोदिका — **पं० लालचन्द्र**, **प्रशस्ति**, १२६२०

४६. जैमिनीयअश्वमेध(अश्वमेध पर्व) — प्र०, ६७९१ (अ०)

४७. जैमिनिजातकसूत्रवृत्तिः — जैमिनिः, ज्यो०, ५६९३
लिपिकार — भीष्मदेव पाठक

४८. जैमिनिसूत्रम् — जैमिनिः, ज्यो०, ५०८५, ३०१६

४९. ज्ञाननौका — **शंकराचार्यः**, वेदा०, ६५४६

५०. ज्ञानपञ्चमीदेववन्दन विधिः — प्र०, १०८०१

५१. ज्ञानप्रदीपिका—वेदा०, ५७३१

५२. ज्येष्ठाविधानम् — प्र०, ३३६८

५३. ज्येष्ठाशान्तिः — प्र०, २९८४

५४. ज्येष्ठाशुद्धत्रिदशी व्रतम् — व्र०, ८९०१ (अ०)

५५. ज्योतिर्निबन्धसर्वस्वम् — **शिवदास** ज्यो०, ३४२१
लिपिकार — रामप्रसाद ।

५६. ज्योतिर्विदाभरणम् — **कालिदासः**, ज्यो०, ११५२९, सं० —
१८८३

५७. ज्योतिर्विवरणम् — **बलभद्रसूरिः**, ज्यो०, ३४४२, (अ०)

५८. ज्योतिषविवरणम् — ज्यो०, ८५०७ (अ०)
८३३९, ४७९३, ४६८१, ८४२४, ८४३६,
८४९८, ८४९६, ८४९४, ८४९५, ८५४०,
४१४८, ३९३७, ३८८४, ३९७६, ३४८१,
३४६९, ३६८५, ३४८०, ३४५०, ३३२८,
३६४७, ३३८२, ३३५०, ३३९२, ३३३०,
२६५५, २८९३, २८२७, २८१९, ४२६८,
४२७५, ४२३७, ४२५८, ४२१२ ४३४५,
४३८८, ४५२७, ४६८९, ४५७३, ८२६४,
४७५४, ८५३९, ८५४३, ८५०२, ८५४७
८५०१, ८५४६, ८५४२, १०७७३
११२३७, ४२१२, १२४६८, १२४५७,
९९९१, ९९१६, १२८११, १०८३६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८५४८, २८४४, १०७७४, ३३२७,
७६६०, ६६७८,
५५०४, ५२६३, ५१५८, ५३२६, ५८०७,
४८८१, ४८६०, ४१६४, ६०११, ८२२५,
५७६२, ५६८२, ६०४२, ७७५०, ८२१०,
५८४६, ५५२१, ७१६१, ५७८७, ५१६३,
५७७६, ५८२८, (अ०)

५९. ज्योतिषप्रश्नग्रन्थ — **विघ्नराज**, ज्यो०, ७००४, (अ०)
६०. ज्योतिषपारिजात — ज्यो०, २८३२
६१. ज्योतिषरत्नसंग्रह — **गोविन्दपण्डितः**, ज्यो०, ६४४८, सं० — १६११, ६०२८, ३४५३ (अ०)
६२. ज्योतिषरत्नमाला — **श्रीपतिः**, ज्यो०, ५७३६, ६७३४, ६००३, ५५५८, ५७५४, ५५१७, ५३२५, ५८१५, ५६८७, ५६८५, ६५७२, ५८६१, ५६६५, ५७८५, ५७२०, ५७०८, ५६३१, ५५६५

त

१. तडागोत्सर्गपद्धतिः — प्र०, ६६६८, २८५६ (अ०)
२. तत्त्वप्रदीप — **श्रीपति**, ज्यो०, ९०१६, ५८५७, (अ०)
३. तत्त्वबोधः अथवा तत्वावबोधः — **वासुदेवयोगीन्द्र**, वेदा०, ५७२२, ६३९७, (अ०)
४. तत्त्वबोधः — **मुकुन्दः**, वेदा०, ७१३१, (अ०)
५. तत्त्वबोधपरिचयः — वेदा०, ७६३६, (अ०)
६. तत्त्वबोधप्रकरणम् — अ०, ६७५२,
७. तत्त्वबोधिनी (व्याख्या सहित) — शंकराचार्य, वेदा, ७२८३,
८. तत्त्वबोधिनी टीका — **भट्टोजि दीक्षित**, व्या०, ४७२७, वेदा० ४५११, ६८६५, (अ०)

९. तत्त्वमसिस्तोत्रम् — **कृष्ण सरस्वती**, स्तो०, ९९५२
१०. तत्त्वरूपबोध — **शंकराचार्यः**, वेदा०, ७९३३, (अ०)
११. तत्त्वविवेक (पञ्चदशी) — भारतीतीर्थ विद्यारण्य, ८८०८, ६२०९, (अ०)।
१२. तत्वविवेक — **विद्यारण्य**, वेदा० ३९४०, (अ०)
टीकाकार — **रामकृष्ण**
१३. तत्त्वसार (वेदान्त प्रकरण) — **शंकराचार्य**, वेदा० ४५५३,
१४. तत्त्वसारः — **वरदाचार्यः**, वेदा० ७५०८,
१५. तत्त्वसारप्रकाशिनी (दशश्लोकी) — वेदा०, ९०८५,
टीकाकार — **नन्ददास**
१६. तत्त्वानुसन्धि ग्रन्थ — वेदा०, ३६६५,
१७. तत्त्वानुसन्धानम् — **महादेव सरस्वती**, वेदा०, ९२?५
१८. तत्त्वार्थ सूत्रम् — वेदा०, ८४९२, (अ०)
१९. तत्त्वोपनिषत् — उ०, १००९०
२०. तन्त्रविषयक संकलन — म०, (तन्त्र), ७०४३, ९४२५, ३५०४, ८५०३, ४१९२, ४२६०, ९८८८, ९८८९, ९५००, ९९३७, ६३९९, ४६९८, ४६२७, ४५३८, ४६२६, ५२०२, ७६१०, ७६६४, ७६०९, ७३७७, ४९८३, ३५०१, ४७५९,
२१. तन्त्रजयपटल — म०, ८३९२ (अ०)
२२. तन्त्रराज (शारदातिलक भाष्य) — तन्त्र, १२४६२,
२३. तन्त्रसाज — **कृष्णानन्द वागीश**, म० (तं०), ४७६९, ४७६१ (अ०)
२४. तर्कप्रकाशः — न्या०, ६२४७, ७७५५
२५. तर्कभाषा — **केशव मिश्रः**, न्या०, ६८८३, ३१५७, (अ०)
२६. तर्क संग्रहः — **अन्नं भट्ट**, न्या०, ६४७१, ४२४८, ४२३४, ४०२८, ३९०८, ३८१६, ३६८४, ३७२५, ३४२७, ३०६०, ३०४७, ६६१९, ७६०२, ६६९६, ७१७३, ६८९७, ६४०७, ६३११, ६२७६, ९९९०, ४६२१, ४७३८, १०७७१

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८५४८, २८४४, १०७७४, ३३२७,
७६६०, ६९७८,
५५०४, ५२९३, ५१५८, ५३२६, ५००७,
४८८१, ४८९०, ४१९४, ६०११, ८२२५,
५७६२, ५९८२, ६०४२, ७७५०, ८२१०,
५८४६, ५५२१, ७१९१, ५७८७, ५१६३,
५७७६, ५८२८, (अ०)

५९. ज्योतिषप्रश्नग्रन्थ — **विप्रराज**, ज्यौ०, ७००४, (अ०)
६०. ज्योतिषपारिजात — ज्यो०, २८३२
६१. ज्योतिषरत्नसंग्रह — **गोविन्दपण्डित:**, ज्यो०, ६४४८, सं० — १९११, ९०२८, ३४५३ (अ०)
६२. ज्योतिषरत्नमाला — **श्रीपति:**, ज्यो०, ५७३९, ६७३४, ६००३,
५५५-, ५७५४, ५५१७, ५३२५, ५८१५
५६८७, ५९८५, ६५७२, ५८९१, ५६६५
५७८५, ५७२०, ५७०८, ५६३१, ५५६५

त

१. तडागोत्सर्गपद्धति: — प्र०, ६६६८, २८५९ (अ०)
२. तत्त्वप्रदीप — **श्रीपति**, ज्यो०, ९०१६, ५८५७, (अ०)
३. तत्वबोध: अथवा तत्वावबोध: — **वासुदेवयोगीन्द्र**, वेदा०, ५७२२, ६३९७, (अ०)
४. तत्त्वबोध: — **मुकुन्द:**, वेदा०, ७१३१, (अ०)
५. तत्त्वबोधपरिचय: — वेदा०, ७६३६, (अ०)
६. तत्त्वबोधप्रकरणम् — अ०, ६७५२,
७. तत्त्वबोधिनी (व्याख्या सहित) — शंकराचार्य, वेदा, ७२८३,
८. तत्त्वबोधिनी टीका — **भट्टोजि दीक्षित**, व्या०, ४७२७, वेदा० ४५११, ६८६५, (अ०)

९. तत्त्वमसिस्तोत्रम् — **कृष्ण सरस्वती**, स्तो०, ९९५२
१०. तत्त्वरूपबोध — **शंकराचार्य:**, वेदा०, ७९३३, (अ०)
११. तत्त्वविवेक (पञ्चदशी)— भारतीतीर्थं विद्यारण्य, ८८०८, ६२०९, (अ०) ।
१२. तत्वविवेक — **विद्यारण्य**, वेदा० ३९४०, (अ०)
टीकाकार — **रामकृष्ण**
१३. तत्त्वसार (वेदान्त प्रकरण) — **शंकराचार्य**, वेदा० ४५५३,
१४. तत्त्वसार: — **वरदाचार्य:**, वेदा० ७५०८,
१५. तत्त्वसारप्रकाशिनी (दशश्लोकी) — वेदा०, ९०८५,
टीकाकार — **नन्ददास**
१६. तत्त्वानुसन्धि ग्रन्थ — वेदा०, ३६६५,
१७. तत्त्वानुसन्धानम् — **महादेव सरस्वती**, वेदा०, ९२१५
१८. तत्त्वार्थ सूत्रम् — वेदा०, ८४९२, (अ०)
१९. तत्त्वोपनिषत् — उ०, १००९०
२०. तन्त्रविषयक संकलन — म०, (तन्त्र), ७०४३, ९४२५, ३५०४,
८५०३, ४१९२, ४२६०, ९८८८, ९८८९,
९५००, ९९३७, ६३९९, ४६९८, ४६९७,
४५३८, ४६२६, ५२०२, ७६१०, ७६६४,
७६०९, ७३७७, ४९८३, ३५०१, ४७५९,
२१. तन्त्रजयपटल — म०, ८३९२ (अ०)
२२. तन्त्रराज(शारदातिलक भाष्य) — तन्त्र, १२४६२,
२३. तन्त्रसाज — **कृष्णानन्द वागीश**, म० (तं०), ४७६९, ४७६१ (अ०)
२४. तर्कप्रकाश: — न्या०, ६२४७, ७७५५
२५. तर्कभाषा — **केशव मिश्र:**, न्या०, ६८८३, ३१५७, (अ०)
२६. तर्कसंग्रह: — **अन्नं भट्ट**, न्या०, ६४७१, ४२४८, ४२३४, ४०२८,
३९०८, ३८१६, ३६८४, ३७२५, ३४२७, ३०६०,
३०४७, ६६१९, ७६०२, ६६९६, ७१७३, ६८९७,
६४०७, ६३११, ६२७६, ९९९०, ४६२१, ४७३८,
१०७७१

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२७. तर्कामृतम् — जगदीश भट्टाचार्य, न्या०, १२०८३, ६३८१, ८४३८
३४३०, ६३५१

२८. तर्कामृततरंगिणी-जगदीश भट्टाचार्य, न्या०, १२४७०
२९. तर्पणप्रयोग: — प्र०, ७८३३, ४५६१ (अ०)
३०. तर्पणविधि: — ध०, ४०६१ (अ०)
५८३६, ६८३७, ६३५१, ३१११, २९८९,
२९३४, ३८०८, ३९५५

३१. ताजिकनीलकण्ठी — नीलकण्ठ:, ज्यो०, ७२९०,
३००८, ५७६८, ५६८४ (अ०)

३२. ताजिकसार — (व्याख्या सहित) — हरिभट्ट, ज्यो० ४८०९
३३. पञ्चविंशब्राह्मण अथवा ताण्ड्य ब्राह्मणम् — वे० (ब्राह्मण), ११५४६
३४. तात्पर्यचन्द्रिका — व्यास तीर्थ, वेदान्त, २९०८
३५. तांत्रिकहोमविधि: — प्र०, ३०३३
३६. तान्त्रिकनित्यक्रिया — म०, ७५७२ (अ०)
३७. तापिनीयोपनिषत् — उ०, ७३९०
३८. तारकाष्टकम् — स्तो०, ९१३२, ४४९३, २४३२
३९. तिथिचिन्तामणि: — गणेश देवज्ञ:, ज्यो०, ४२६२, ४१८९, ५१७३
४०. तिथितत्त्व — रघुनन्दन भट्टाचार्य, ज्यो०, ३४०७
४१. तिथिनिर्णयोद्धार: — ध०, ६६८८ (अ०)
४२. तिथिनिर्णय: — भट्टोजि दीक्षित:, ध०, ५८६८, ४२००, ११००९
२८८२, ६९३६

४३. तिथिनिर्णय: — इन्द्रदत्त, ज्यो०, ५५८८
४४. तिथिनिर्णयप्रदीप — रामसेवक:, ज्यो०, ५०१९
४५. तिथिभाषानिर्णय — ज्यो० ३२४९, ३९७०
४६. तिथिविचार — ज्यो०, ३७३० (अ०)
४७. तिलकपुरश्चरणम् — म०, ३२७३
४८. तीर्थकुण्डनामावलि: — ध०, ५३०२
४९. तीर्थयात्रा प्रकाश — ध० ४२५४ (अ०)

५०. तीर्थविधि: — प्र०, ६७४६ (अ०)
लिपिकार — रामचन्द्र भट्ट
५१. तीर्थश्राद्ध — ध०, ४३९० (अ०)
५२. तीर्थस्नानपद्धति: — प्र०, ८९१२
५३. तुलसीमाहात्म्यम् — व्यास:, पु०, ६५३१ (अ०),
४४४५, ९३६६
५४. तुलसीमाहात्म्यम् (स्कन्दपुराणगत) — व्यास:, पु०, ११२०१, सम्वत्
— १८८१
५५. तुलसीव्रतकथा — व्यास, पु०, ४७२१ (अ०),
८४८४, ८४८३, ८८३३
५६. तुलसीविवाह पद्धति: — प्र०, ६४४३, २९४८, ३८५७, ३८५५
५७. तुलसीविष्णु पूजा — पू०, ४९३३
५८. तुलसीस्तोत्रम् — स्तो०, ५८१८
५९. तुलादानपद्धति: — प्र० ३१०५, ३०२०, ८९१६, ३४८८
६०. तुलादानविधि: — प्र०, ५६०४, ५०३८
६१. तैत्तिरीयोपनिषद् — उ०, ८८९३
६२. तैत्तिरीयसंहिता — ६०९४, ६०६०
६३. तृप्तिदीप — भारतीतीर्थविद्यारण्य, वेदा०, ८८०७ (अ०)
६४. अम्बकेश्वर विलास — अम्बाशंकर, का० ३८०१, सम्वत् — १८७५
६५. त्रयोदशदीपदानम् — ध०, ५२९१
६६. त्रयोदशाहपाथेयश्राद्ध — ध० ३७९३ (अ०)
६७. त्रिकालसन्ध्यावन्दनविधि: — प्र०, ६४८७, ३१९८, ३५७७,
३२६२, ४८४४

६८. त्रिकूटभवानी पटल — म०, २९७२
६९. त्रिपादाक्षरटीका — वरणदास, ध० ८२३४, सं० — १९३९ (अ०)
७०. त्रिपिण्डश्राद्धविधि: — प्र०, ३७७४, ६०५९ (अ०
७१. त्रिपिण्डकासूत्र — प्र० ४३८२ (अ०)
७२. त्रिपुरसुन्दरी मानस पूजा — (शंकराचार्य:) — पू०, ६२९६, ५३१० (अ०)
७३. त्रिपुराकवचम् — म०, ९३३६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

७४. त्रिपुरास्तोत्रम् — स्तो०, ८१८०, ४९३२, ३४७९
७५. त्रिपुरासुन्दरीसहस्रनाम — स्तो०, ९३४८, ३१०४, (अ०)
७६. त्रिवर्गबन्धनिरूपणम् — म०, ८१६८ (अ०)
७७. त्रिशत्श्लोकी — (त्रिशच्छ्लोकी) — न्या०, ६४३०, ३७७५, (अ०)
व्याख्याकार — **भट्टाचार्यः**
७८. त्रिशत्श्लोकी — (हारीत), **श्रीरामः**, न्या०, ७१३८, ६२६५ (अ०)
७९. त्रिशत्श्लोकी वृत्तिः — **रघुनाथः**, न्या०, ७२६९
८०. त्रिस्थलीसेतुः — **भट्टोजि दोक्षित**, ध०, ३६८६, (अ०)
८१. त्रैलोक्यमोहनकवचम् (रुद्रयामलगत) — म०, ७५८९, ८६२३, ८२७८,
८२. त्रैलोक्यमोहनयन्त्रम् — म०, ६८००, ६६६४, ६४३२, ६५११, ७५११, ५४७१, ६५१६

द

१. दक्षिणाकालिका पटल—म०, ६८०३ (अ०)
२. दक्षिणापूजापटलः —पू०, ७००७, ५६४५ (अ०)
३. दक्षिणामूर्ति अष्टक — **शंकराचार्यः**, स्तो०, ६४७४ (अ०)
४. दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् — **मार्कण्डेय**, स्तो०, ७३१०, ८७७७, ९१७९, ३८०४ (अ०)
५. दण्डकमन्त्र संग्रह — म०, ९९७७, (सम्वत् — १९३१), ९९७८ (अ०)
६. दण्डविधानम् — ध०, ७९२४ (अ०)
७. दत्तकपुत्रग्रहण विधिः — प्र०, ३०३२ (अ०)
८. दत्तगीता (दत्तात्रेयगीता)— **दत्तात्रेय**, वेदा०, ७६२७ (अ०)
९. दत्तात्रेयतन्त्रम् — **दत्तात्रेय**, म० । त०, ३८९० (अ०)
१०. दत्तात्रेयसम्वादपटल — म०, ३८९८ (अ०)
११. दत्तात्रेयस्तोत्रम् (नारदपुराणगत) — स्तो०, ७९५०, ६२०४, ९८३०, ९४०८ (अ०)

१२. दमयन्तीकथा (दमयन्तीचम्पू अथवा नलचम्पू) — **त्रिविक्रम भट्ट**, का०, ६०६२ (अ०)
१३. दयाशतकम् — **वेदान्तदेशिक**, स्तो०, ७६८२
१४. दर्शनविषयक संग्रह — द०, ७०४०, ४३१७, ९८५८ ५९४४, ५१५३, ५३३३, ७४८५, ६६७८, ५१०६, ४९५०, ५००४ (अ०)
१५. दर्शपौर्णमास — (दर्शपौर्णमास प्रयोग) —श्रौ० प्र०, ६८३६, १२०६३
१६. दर्शपौर्णमास हौत्र — प्र०, ३३४८, ३००९, ४१७३, (अ०)
१७. दशकर्मपद्धतिः — प्र०, १२४५२, ३०४३, २९९७, २८५१ ६३८४, ६५८४
१८. दशकुमारकथासारः — **दण्डी**, का०, १२६१७, ८८०२ (अ०)
१९. दशकुमारचरितम् — **दण्डी**, का०, ६७००, ८८३७, ४६५९ (अ०)
२०. दशगात्र प्रयोग — **दाल्भ्य**, प्र०, ३०१७
२१. दशदानप्रकार विधिः — (दशदानप्रकरण,) प्र० १०१०२, १२४३४,
२२. दशवर्णाविधिः — प्र०, ४८३५
२३. दशहरास्तोत्रम् — **व्यासः**, स्तो०, ७९०८, ६६७७, ७९१५, ८६६२, ८३६६, ३१३३, २९८३, ३९५७ (अ०)
२४. दशादिप्रकाशिका — **चिरञ्जीव भट्टाचार्य**, ज्यो०, ५६२९
२५. दशाफलम् — ज्यो०, सम्वत् — १९८०
२६. दशाफलव्रत — व्र०, ८८६२, ८७५६ (अ०)
२७. दशाशान्ति प्रयोग — प्र०, ४४८१ (अ०)
२८. दशासारिणी — ज्यो०, २९६४, ३८४८ (अ०)
२९. दानचन्द्रिका — **दिवाकरभट्ट**, ध०, १२०८४
३०. दानफलव्रतम् — व्र०, ८७६३
३१. दानमयूरवः (भगवन्तभास्कर नामक ग्रन्थ का सप्तम भाग) — **नीलकण्ठ**, ध०, ६८९२, ५५४३ (अ०)
३२. दानमन्त्रवलय — म०, ४४२५, ४०९० (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३३. दानवाक्यसमुच्चयः — **योगीश्वरः**, ध०, ५५७५ ६६५७, ६२६३, ५६६८, ५७७२, ४९४९, ५०७७, ५९३९, ५९१५, ५६२४ (अं०)
३४. दानसंकल्पविधिः — प्र०, १००११ (अ०), ४२८१
३५. दानहारावली (धर्मशास्त्रसुधानिधि से) — **दिवाकर**, ध०, ८४४४ (अ०)
३६. दारिद्र्यहरस्तोत्रम् — स्तो०, ८९६७, ४१०२ (अ०)
३७ दायभागः (धर्मरत्न का एक भाग) — **जीमूतवाहनः**, ध०, ६९२६, सं० — १८४१,

३८. दालभ्यस्तोत्रम् — स्तो०, ११५६
३९. द्वादशमहावाक्यनिर्णयसिद्धान्त — **शंकराचार्य**, वेदा० ९९३६
४०. द्वादशीव्रतम् (नारद उपपुराणे) — **व्यासः**, पु०, ६४८४ (अ०)
४१. द्वारकाखण्डम् — पु०, ९०५८
४२. द्वारकानिर्माण (ब्रह्मवैवर्त्त पुराणे) — **व्यासः**, पु०, ४८३९
४३. दिनचर्याफलम् — प्र०, ५१२२ (अ०)
४४. दिनसाधनगणित — ज्यो०, ३१५२
४५. दिव्यविधिः — प्र०, २९४०, ४१३५ (अ०)
४६. दीक्षाविधानम् — **दयाशंकर**, तन्त्र, १२६८३,
४७. दीपदानविधिः — **कमलाकर भट्ट**, प्र०, ७०७७, (अ०) ८०९१
४८. दीपमालिकार्चनविधिः — प्र०, ३००४
४९. दीपव्रतमाहात्म्य — **व्यासः**, व्र०, ८७५९, सम्वत् — १६९०
५०. दीपावली पद्धतिः — प्र०, ३१९१
५१ दुर्गा अष्टोत्तरशतनाम — **व्यास**, स्तो०, ८९६८
५२. दुर्गाकवचम् — म०, ७५१९, ४१००, ४६५४, ३९०२, ३६१२, ६५४०, ३११२ (अ०)
५३. दुर्गापूजापद्धतिः — प्र०, ३४०८, ३४१०, ६४२४, ४२६१, ४३१५, ४१३८, ३८४९, ४३४८ (अ०)
५४. दुर्गास्तोत्रम् — स्तो०, ६३३३, (अ०) ५४३८, ८११९, ८९६९
५५. दुर्गासप्तशती (मार्कण्डेय पुराणगत) — **व्यासः**, पु०, ४४८०, ३८७०, ३४०४, ४५८७, ६९८८, ४१५०,

३६५३, ३५६२, ३३३७, ३३१८, ४०९९, ४४८२, ४४६०, ४६९३, ४६५६, ४६३९, ४६०१, ४५१५, ४७०४, ८४५०, ६९८९, ५२७८, ७८८९, ५०८२, ५१३१, ५२९६, ५३००, ७०५५, ७५३१, ७४५३, ५०६६, ६८४६, ६९१३, ९८५१, ९८९०, ९९२१, ९९२२, १००३७, १००३९, १२०६७ — सम्वत्— १९४३
५६. दुर्घटकाव्यम् (सटीक) — **आशाधर**, का०, ११५४२
५७. दुर्जनमुखचपेटिका — **श्रीरामाश्रम** — (भागवतपुराण के मत का समर्थन), १२६३६
५८. दूतांगदनाटकम् — **सुभट कवि**, ना०, ८८५० (अ०)
५९. द्रव्यगुणशतश्लोकी — **त्रिमल्लभट्ट**, वेदा०, ८६३२, सम्वत् — १८७५ (अ०)

६०. द्रव्यत्वप्रकारक — न्या०, ९३८१ (अ०)
६१. देवस्थापनविधिः — प्र०, २९६२
६२. देवपूजनम् — पू०, ३०२३,
६३. देवेप्रारम्भ — **माधव शर्मा**, प्र०, ३५९९, सम्वत् — १९३० (अ०)
६४. देवतार्चनविधिः — प्र०, ६७२१ (अ०)
६५. देवीभागवतपुराण — **व्यासः**, पु०, ६४३७, ७८०१, १२६१८, ३७०३ (अ०)

६६. देवीमानसपूजा — **शंकराचार्य**, पू०, ८०७२, (अ०)
६७. देशिक स्तोत्रम् — स्तो०, ४२८६ (अ०)
६८. देहस्वरोदयम्—ज्यो०, ७२७३ (अ०)
६९. **देवी अथर्वशीर्ष उपनिषद्** — उ०, ८९५९,
७०. **देवीकवचम्** — म०, (पु०), ७१७२, ३१९७, ३२९५ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

७१. देवी पञ्चाङ्ग — म०, ७०२४ (अ०)
७२. देवीमानसपूजापद्धतिः — प्र०, ६४०४, ७६४३
७३. देवीमाहात्म्यम् (मार्कण्डेय पुराणगत, पु०, ७६४३, ४१०१ (अ०)
७४. देवीरहस्यतन्त्रम् — म०, ६८८० (अ०)
७५. देवीसूक्तम् — वे०, ७७५६, ५०४७, ५८०५, ८०३६, ५४५४, ७७०८ (अ०)
७६. देवीस्तोत्रम् — स्तो०, ४४३१ (अ०), ३६८०, ३७६२, ४०७२, ३६२२, ३६७६, ८३४१, ६५६०
७७. द्वैताभक्तिनिरूपणम् — **शंकराचार्य** वेदा०, ४०२३ (अ०)
७८. द्वैतविवेक (रामकृष्ण कृत तात्पर्य व्याख्या सहित) — वेदा० ३६४१, ७०६६ (अ०)
७९. द्वैतसिद्धान्त — वेदा०, ६००६ (अ०)

ध

१. ध्यानदीप — स्तो० ८८०५
२. ध्रुवस्तुतिः — स्तो०, ८०६७ (अ०)
३. धर्मप्रदीपप्रकार — ध० ८६१३, ७६८६
४. धर्मप्रवृत्तिः — **नारायण** ध०, ५७४७ (अ०)
५. धर्मवती सन्ध्या (प्रातः सायं सन्ध्या) — प्र०, ६५१५ (अ०)
६. धर्मशास्त्र विषयक संग्रह — ध०, ७७३७ ७६२५, ८०८७, ५६५७, ७४३५ ७३७६ ७५२६, ७१६८ ७७५२, ७५६२, ७७४२, ७२५०, ७२०२, ५३०५, ७२०६, ११६६८, ७६७२, ७२२१, ७२४७, ८२६६, ४४६४, ४३८६, ४२४१ ८५२६, ८५१८ ८५१५, ८४६०, ८४५३, ८४६१, ८४६६, ८४१३, ८४४७, ८३०८, ८३२०, ४६६६, ४७१६, ४८२६,

७. धर्मसिन्धुः — **काशीनाथ,** ध० ७६५६ (अ०)
८. धर्मसिन्धुसार — **काशीनाथ,** ध० ६६६४ (अ०)
९. धर्मानुरञ्जिका — ध०, ७०६७ (अ०)
१०. धनुर्मासमाहात्म्यम् (अग्निपुराणान्तर्गत) — **व्यासः,** पु०, ६५४८, (अ०) २८६१ (अ०)
११. धनुर्विद्या — **शार्ङ्गधर,** ध० वि०, १२६३७
१२. धातुपाठ — पाणिनिः व्या०, ६१६३ (अ०)
१३. धातुरूपावलिः — व्या०, ७४४६, ३०८३, ६१६३ (अ०)
१४. धूर्जटिस्तोत्रम् — प्रशस्त्य, स्तो०, ३८०२ (अ०)

न

१. नक्षत्रस्थापनविधिः — ध०, ३८०५ (अ०)
२. नक्षत्रसाधनम् (आदिज्योतिषग्रन्थ) — ज्यौ०, ५५६३
३. नक्षत्रसारावलिः — ज्यौ०, ६८३२, ६१७७, (अ०)
४. नक्षत्रेष्टिहौत्रप्रयोगः — प्र०, ६६१४, (अ०) ५६४७, ४८७६, ७५४६ ५५५० ७६६०, ५५२३, ५३६०, ६६२६
५. नमस्कारजपग्रन्थ — पू०, ६८८४
६. नरपतिजयचर्या — **नरपतिः,** ज्यौ०, ३५२०, ३६६६, ४७६३ ५७४६
७. नर्मदातिथिः — ज्यौ०, ३७०५ (अ०)
८. नर्मदाष्टकम् — **शंकराचार्य,** स्तो०, ७६३० (अ०) ६४४७
९. नलोदयः — **कालिदासः,** का०, ११२४४, (अ०)
१०. नलोदयटीका (सारग्राहिणी नामक टीका) — टीकाकार रविदेव, का०, ८७११ (अ०)
११. नवग्रहपुरश्चरणम् (शौनकस्मृतिः) — ध०, ६६१०, (अ०) ५३०१, ४७७८
१२. नवग्रहपुरश्चरणफलम् — प्र० ४२२३, सम्वत् — १७६३ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१३. नवग्रहपूजाविधानम् — पू०, ३६६०, ३४५२, (अ०) ३४५५
१४. नवग्रहमन्त्र — म०, ३६६३, (सम्वत् — १८१४), ४४७१, ८४६१,
४२०७, २६४४
१५. नवग्रहफलावली — ज्यो०, ३०७७
१६. नवग्रहशान्तिः — म०, ८२७७ (अ०)
१७. नवग्रहस्तोत्रम् — स्तो०, ४६१०, ३३२६
१८. नवपदीपूजा — पू०, १०८०३
१९. नवरत्नकाव्यम् — का०, ४३२१
२०. नवरत्नपूजाविधिः — पू०, ८५२२ (अ०)
२१. नवरत्नमालिकास्तोत्रम् अथवा नवरत्नस्तोत्रम् — **वल्लभाचार्यः**, स्तो०,
७७१६ (अ०) ७६५०
२२. नवराशिपूजाविधिः — **भट्टाचार्यः**, पू०, ३२३१, ७१४१, ६८७६
६८८२ लिपिकार — किशारे मिश्र
२३. नवराशिविधिः — प्र०, ७१४१ (अ०)
२४. नवान्नप्राशनम् — प्र०, ८६१६
२५. नष्टजातकम् — ज्यो०, ३७०२, २६६६
२६. नागार्जुनविवृत्तिः — **नागार्जुन**, यो०, १०८५३ (अ०)
२७. नाटकदीप व्याख्या — **रामकृष्ण**, ना०, ३८८८, ६६०५
२८. नाट्यशास्त्रम् — **भरतमुनि**, नाट्य०, ४६६७, ४७०७, ५१६१
२९. नाथगुरुपूजापटल — पू०, ७४४४ (अ०)
३०. नानकचन्द्रिका — का०, ६८६८ (अ०)
३१. नानकचन्द्रोदयः — **देवराज**, का०, ७५४१, १००२३
३२. नानदत्तपञ्चाशीबालविवेचिनी — का०, ६६६०
३३. नान्दीश्राद्धविधिः — प्र०, ५६४४, (अ०) २६८८, ३०६७, ४८१२
३४. नामप्रक्रियाबालबोधिनी — व्या०, ७१२१ (अ०)
३५. नामावलिः (नामावली) — **गोवर्धन**, को०, ६७६६, १२१०५
३६. नामावलीसंग्रह — को०, ८४६६ (अ०)
३७. नायिकादर्श — का० शा०, ७७६० (अ०)
३८. नायिकाभेद — का० शा०, १२०६५

३९. नारदगीता — ध०, ७२२३
४०. नारदपुराणम् (नारदीय पुराण) — **व्यासः**, पु०, ७११६
४१. नारदीयशिक्षा — **नारद**, ध०, ११५५५, सम्वत् — १८५३
४२. नारदसंहिता — **नारद**, ध० सं०—४५४०, सम्वत् — १८६२
४३. नारीनाशहेतु तथा रत्यभिलाषाचिह्न — काम०, ५३८१
४४. नारायण अथर्वण — **शंकराचार्य**, म०, ३७३८, सम्वत् — १८६२
४५. नारायणकवचम् — म०, ४२६५, ६२८६ (अ०)
४६. नारायणतरंगिणीमानप्रसाद — **नारायणदीक्षित**, प्र०, ८६३३ (अ०)
४७. नारायणपद्धतिः — **नारायण**, प्र०, ५७८१ (अ०)
४८ नारायणबलिप्रयोग — प्र०, ३०२६ ३३१३
४९. नारायणवर्म्म (भागवत पु० गत) — **व्यास**, पु०, ४७६० (अ०)
५०. नारायणस्तोत्रम् — स्तो०, ३३४१, ४४४७, ४१६८
५१. नारायणस्तोत्रम् (रुद्रयामलगत) — स्तो०, ५०३६
५२. नारायणहृदयस्तोत्रम् (अथर्वणरहस्य) — स्तो०, ७८६६, (अ०) ७२८५,
६१३१, ७५२०, ५२२२
५३. नारायणोपनिषत् — उ०, ६४८६, (अ०) ६१०५, ८६००, ८२८६,
३८६०, ४८६६, ५७६२, ७५०५, ५२५१,
६१५४, ६७३८
५४. नासिकेतोपाख्यानम् (नासिकेतुपुराण) — पु०, ५६२१, ३०२१,
६६४७, (अ०) ७७४१, ७१८७
५५. निकुञ्जविलासिनी — **केशवकाश्मीर**, का०, १२६६८
५६. निगमतत्त्वसारपरमरहस्य — म०, ८६८६ (अ०)
५७. निग्रहाष्टकविधानम् — प्र०, ४७५३
५८. निघण्टु (आयुर्वेदकोष) — **धन्वन्तरिः**, वै०-(कोष), ६१६५, ७३२२,
३०८६, ६३०६, ६११६, ५०६१, ३१४६
५९. नित्यकर्मपूजाग्रन्थ — पू०, ३५४२ (अ०)
६०. नित्यकृत्यजपविधिः — प्र०, ६६१७, (अ०) ७६७७
६१. नित्यानुष्ठानविधिः — प्र०, ४१२२
६२. नित्यार्चनापद्धतिः — प्र०, ५८७८ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

६३. नित्योत्सव ग्रन्तोल्लासः — म०, ६८६० (ग्र०)
६४. निदानाञ्जनम् — अग्निवेशः, वै०, ६२६२
६५. निरालम्बोपनिषत् — उ०, ७११७, (ग्र०) ८८६१, ४३३८, ६७२८, ७२२५, ६८७२
६६. निरुक्तम् — यास्क, वे० (व्या०) ११५२४, सम्वत् — १९०९ ११५५८, ११५२२, ११५२०, ११५५६, १७११, ४४६१, ४५२४, ३७८१, ७८१२, ७५७७, ७७२४, ७४०३
६७. निरुक्तम् — यास्क, वे० (व्या०) ६८६६, ७७२१
६८. निरूढपशुबन्धप्रयोगः — प्र०, ६८५३, (ग्र०) ६३४१, ६४२७
६९. निर्णयसिन्धुः — कमलाकरभट्ट, ध०, ६३७०, (ग्र०) ८४१०, ३६२७, ३९२७, १२०६२, ३९१२, ८१०४, ६०९७, ७१०८, ७०२१
७०. निर्णयसिन्धु अमृत — सूर्यसेन, ध०, ३८१०
७१. निर्णयामृतम् — गोपीनारायण, ध०, १२६५४
७२. नीलकण्ठस्तोत्रम् — स्तो०, ७४९०, ४७९९, ३९६१, ३९३८, ३९३४ (ग्र०)
७३. नीलकण्ठी — नीलकण्ठ ज्यौ०, ५५२८, १२४३०
७४. नीलकण्ठी (व्याख्यासहित) — नीलकण्ठ, ज्यौ०, ६८५६, ८२५६, १०१०३, ४८०१, ४७९८
७५. नीलतन्त्रम् — म०, ७६६३, ८१५१ (ग्र०)
७६. नीतिशतकम् — भर्तृहरि, नी०, १२१०१, संवत् — १८९९, ८५२५
७७. नीतिशास्त्रम् — चाणक्य, नी०, ८१८८, (ग्र०) २८९०, ३९८८, ८२९५
७८. नूतनगृह्यशिलान्यास: — प्र०, ८०७८, ८०२२ (ग्र०)
७९. नेत्रोपनिषद् — उ०, ५७४८, (ग्र०) ३२५९
८०. नैगेयानांऋक्ष दैवतम् — वै०, ११५६२
८१. नैषधमहाकाव्यम् — श्रीहर्ष, का०, ९३२८, ३१४७, ३६३७, ३६१८, ३६३८, ३६३५, ३६३६, ८५०९, ९२५३,

९२५४, ९२५५, ९२५७, ९४१४, ८२६५, ९४१५, ९४१६, ९४१७, ९४१८, ९४२०, ७३७४, ७२८९, ८१६६, ६८५०, ६६८२, १११८९, १२४५९, ११२०९
८२. न्यायकौस्तुभः — महादेवः, न्या०, ४९२६
८३. न्यायविषयकसंग्रह — न्या०, ६४४७, ९४६३, ९४७२, ५९०२, ७५४०, ५८९६, ५८९४, ५८८८, ७३६४, ७४१६, ६०४५, ५४३३, ५४७०, ६००४, ८१५६, ६९५०, ६९६२, ५०९६, ७२३२, ७३८७, ५३९२, ५४१३, ५४१७, ५४४३ ६९२१, ६९४१, ७६५६, ७८४५, ५३५१, ५१०३, ५१७०, ५३५४, ५३७४, ५४४८, ४९७६, ४९०६, ७२२७, ७७१९, ४२६७, ४५०६, ४५१४, ४५५१, ४७३१, ८४२१ ८४४५, ८४३१, ८३३४, ८३२८, ८३७८, ८३७२, ८७३२, ८७१९, ८३८५, ८३८६, ८३८७, ९३२५, ९२७५, ९३०९, ९३९२, ९३९३, ९३९४, ९३९५, ९३९६, १००७१, १००७२, ९८५३, ९८५४, १०१११, ९३७९, ९३८०
८४. न्यायतत्त्वविचारः — न्या०, ७४४७ (ग्र०)
८५. न्यायप्रकाश — आपदेव, न्या०, ३४२२, ३४६१ (ग्र०)
८६. न्यायप्रकाशभाष्यम् — अनन्तदेव, न्या०, ६१२४ (ग्र०)
८७. न्यायमाला — जयराम, न्या०, ५३९१
८८. न्यायरत्नम् — न्या०, ९१९८ (ग्र०)
८९. न्यायवार्तिकव्याख्या — न्या०, ४४९८ (ग्र०)
९०. न्यायसिद्धान्तमञ्जरी — चूडामणिभट्टाचार्य, न्या०, ६६६९
९१. न्यायसिद्धान्तमुक्तावलिः — विश्वनाथपञ्चानन, न्या०, ६२२८ (ग्र०) ६७४४, ४९९८, ५१२४, ३३२, ९०८६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

९२. न्यायामृत — न्या०, ९२७८
९३. न्यासविधानम् — ध०, ४३६० (अ०) ४६१०, ४७४६
९४. नृसिंह उत्तरतापिनीयोपनिषत् — उ०, ७४२९, (अ०) ५१९८, ५७९३
९५. नृसिंहकवचम् — म०, ९१३५, (अ०) ९४५२, ७४९५, ३५६३
९६. नृसिंहचतुर्थी — म०, ८७३८ (अ०)
९७. नृसिंहतापिनी — उ०, ३६१९ (अ०)
९८. नृसिंहपटल — म०, ४१५८, सम्वत् — १९८०
९९. नृसिंहपद्धतिः — त०, ८६७१ (अ०)
१००. नृसिंहविज्ञापनपद्यव्याख्या — प्र०, ८९३२ (अ०)

प

१. पक्षता — **मथुरानाथ भट्टाचार्य**, न्या०, ९३१६, ९३१७, ९३१९, ९३२१ (अ०)
२. पक्षतारहस्यार्थ प्रकाशिका — न्या०, ९४१३
३. पक्षादिकर्म — प्र०, ८९१८
४. पक्षिराजकवचम् — म०, ७७००, ७४२१ (अ०)
५. पञ्चकादिपद्धतिः — **शिवानन्ददीक्षित**, प्र०, ४९३७, ४९४१
६. पञ्चकूटरुद्रीय (अद्वैतानन्द प्रकरण), — **रामकृष्ण**, वेदा०, ३९३१
७. पञ्चकोशकोष्ठकम् — प्र०, ९८४९ (अ०)
८. पञ्चकोशी माहात्म्यम् (ब्रह्म वैवर्त्त पुराणगत) (काशी खण्डेऽपि) — **व्यास**; पु०, ६४७८ (अ०)
९. पञ्चकोशयात्रा — प्र० ७५१४, सं० — १८३५ (अ०)
१०. पञ्चकोशविवेक — **शङ्करानन्द**, पु०, ८१४८, ६५०८, ७७८०, ७१०२, ७३३५
११ पञ्चमकोशविवेक — **रामकृष्ण**, वेदा०, ३९४२, ३८६९ (अ०)
१२ पञ्चकोशविवेक — **श्री विद्यारण्य**, वेदा० ३९६०
१३. पञ्चकोशविवेकव्याख्या — वेदा०, ८७४९ (अ०)

१४. पञ्चगव्यप्राश — प्र०, ४१५९ (अ०)
१५. पञ्चदश्यंकयन्त्रविधिः — प्र०, २९११
१६. पञ्चदशयन्त्रविधिः — **गोविन्दराम**, प्र०, ३२०८
१७. पञ्चदशी — **विद्यारण्य**, वेदा०, ८६९७, ६७३५ (अ०) ९९४२
१८. पञ्चदशी — टीकाकार — रामकृष्ण वेदा०, ८७१२, ३९३० (अ)
१९. पञ्चदेवतापूजनम् — पू०, ४११७
२०. पञ्चपदार्थी — प्र०, ८६९०
२१, पञ्चपक्षीप्रकरणम् — ज्यो०, ७६४६ (अ०)
२२. पञ्चपक्षीप्रश्न — ज्यो०, ३४६०, सं० — १९३८, ३२९८, ३४४५
२३. पञ्चपक्षीविचार — ज्यो०, ३०४५, २९६८
२४. पञ्चपूजा — पू०, ३२७९ (अ०)
२५. पञ्चप्रयोगी — प्र०, ६१९२ (अ०)
२६. पञ्चमीव्रतकथा — पु०, ७८१७ (अ०)
२७. पञ्चमीस्तवराज — स्तो०, ३१३०
२८. पञ्चमुखीहनुमत्कवचम् — म०, ७९२९, (अ०) ४६४४, ८८६४, ३३०८, ७५५२, ५१८४, ५२७०, ५८८४
२९. पञ्चमूर्तिहनुमत्कवचस्तोत्रम् — स्तो०, ६५१७, (अ०) ५३९९, ५४०७, ५०७१, ८२०५, ८१८४, ५२०८, ७५७८
३०. पञ्चभूतविवेकव्याख्यानम् — **भारतीतीर्थ**, वेदा०, ७३०५ (अ०)
३१. पञ्चभूसंस्कारः — ध०, ६६३४, ५६०९ (अ०)
३२. पञ्चयज्ञम् — प्र०, ९९०१
३३. पञ्चरत्नस्तोत्रम् — स्तो०, ४९७३
३४. पञ्चरत्नसुन्दरी — **शंकराचार्यः**, वेदा०, ८०८४ (अ०)
३५. पञ्चरत्नावली — **शंकराचार्य**, वेदा०, ४४८४
३६. पञ्चराज्यागमस्तोत्रम् — स्तो०, ९०५०
३७. पञ्चरुद्रप्रयोगः — प्र०, ७२५१ (अ०)
३८. पञ्चसन्धिप्रकरणम् — व्या०, ४२४६ (अ०)
३९. पञ्चसंस्कारविधिः — प्र०, २९२४

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४०. पञ्चस्वरा – **प्रजापतिदास**, ज्यौ०, ५८२६ (अ०)
४१. पञ्चविंशब्राह्मणम् — वे०, ११५४८
४२. पञ्चाक्षरस्तोत्रम् — **शंकराचार्य**, स्तो०, ७६१६, ५५१०, ५०६५
४३. पञ्चाक्षरानिर्णय: — **प्रजापतिदास:**, ज्यौ० ५५८२, (अ०) १०८३६, (सं० — १८७५), ८५४४, ८५३६, ८५००, ८५४५, ८५४१, ८५३७, ८५३८, ८५३५, ४६९५
४४. पञ्चाङ्ग — ज्यौ०, ८५४६, ८५०४, ८५५०, ८५५१, ८५५२, ८५५३, ८५५४, ८५५५, ८५५६, ८५५७, ८५५८, ८५५९, ८५६०, ८५६१, ८५६२, ८५६३, ८५६४, ८५६५, ८५६६, ८५६७, ८५६८, ८५६९, ८५७०, ८५७१, ८५७२, ८५७३, ८५७४, ८५७५, ८५७६, ८५७८, ८५७९, ८५८०, ८५८१, ८५८२, ८५८३, ८५८४, ८५८५, ८५८६, ८५८७, ८५८८, ८५८९, ८५९०, ८५९१, ८६०१, १००२१ (अ०)
४५. पञ्चाङ्गपुरश्चरणविधि: — म०, ४६०७
४६. पञ्चाङ्गभैरव — म०, ३१३१
४७. पञ्चाङ्गसंग्रह — ज्यौ०, १०८३७, १०८२७
४८. पञ्चायतनप्रात:स्मरण — स्तो०, ८६३८ (अ०)
४९. पञ्चायतनस्तोत्रम् — स्तो०, ८५१९ (अ०)
५०. पञ्चीकरणम् — **शंङ्कराचार्य**, वेदा०, ७५६६, (अ०) ९३६४, ९३९९, ७४८८, ७८२९
५१. पञ्चीकरणवार्तिकम् — **सुरेश्वराचार्य**, वेदा०, ६४२३, (अ०) ६१३०, ६९६०, ६६५६, ६६६०, ६२३९, ६३५३
५२. पञ्चरिकास्तोत्रम् — **शंकराचार्य**, स्तो०, ४६४५ (अ०)
५३. पत्रवदनस्तोत्रम् — स्तो०, ९४५४
५४. पत्रावलम् — **वल्लभाचार्य**, वेदा०, ३००७
५५. पथ्यापथ्यविचार — वै०, ३१४८
५६. पदगाढ — म०, १२१०३

५७. पदवाक्यरत्नाकर: — मी०, ७३११
५८. पदार्थदीपिका — **कोण्डभट्ट**, न्या०, ६६३७
५९. पदार्थमाला — **जयराम:**, न्या०, ७०५८, ४६१५ (अ०)
६०. पद्धति: — **केशव**, ज्यौ०, ११५५६,
६१. पद्धतिप्रकाश: — **केशव**, ज्यौ०, ५८१२, ८०७१
६२. पद्मकोश — ज्यौ०, ९९८०, (सम्वत् — १९४०)
६३. पद्मकोश — **पं० पूर्णमिश्र**, ज्यौ० ३१५३
६४. पद्मपुराणम् — **व्यास:**, पु०, ६२७४, ४३३३, (अ०) १२६८९
६५. पद्मावतीस्तोत्रम् — स्तो०, (म०), १०८४९
६६. पद्यत्रयीव्याख्या — **व्यास**, का०, ३९२४, ३६३४
६७. पद्यपञ्चाशिका तथा आशीर्वादविंशति: — का०, ६८६६
६८. पद्यपुष्पाञ्जलि: — **शंकराचार्य:**, स्तो० ६४९१, (अ० ६३८७, ६४६१, ७४६३, ७५२१, ६७१०, ५०५३, ७९९९, ५२८४
६९. पद्यामृततरंगिणी — **हरिभास्कर**, का०, ३९१३, ५८६२(अ०)
७०. पद्यामृतसरोवर — का०, ७४०५ (अ०)
७१. परमहंसकवचम् (रुद्रयामलगत) — म०, ८७६६ (अ०)
७२. परमहंससहस्रस्तोत्रम् — स्तो०, ६४१३, ६७६८ (अ०)
७३. पराशरस्मृति: — **पराशर:**, ध०, १२६४१, ६१४४, १२०८१
७४. परिभाषापरिच्छेद — **सिद्धान्तपञ्चाननभट्टाचार्य**, न्या०, १२०९६, (सम्वत् — १९०१), ३८४४, ४६०४
७५. परिभाषार्थसंग्रह — **वैद्यनाथ**, व्या०, ५७७९
७६. परिभाषेन्दुशेखर: — **नागेश:**, व्या०, ७०८१, (अ०) ६४६७, ६८९३, ९३११, ३९२८, ४७६७, ६४४७, ६८९३, ८१०३, ७४१९, ७६१६, ६०४८
७७. परिस्तुति: — **शंकराचार्य:**, स्तो०, ३५७५ (अ०)
७८. पर्जन्यसूक्तम् — वे०, ७७२२ (अ०)
७९. परमार्थसार — वेदा०, ४१०४
८०. पवनविजय — त०, ५६३६, (अ०) १२०८८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८१. पवनविजय (स्वरोदय) — ज्यौ०, ८२३६, ३३८८ (अ०)

८२. पवमानसूक्तम् — वे०, ६३४४, ७२४८, ९९१४, ९८९४, ९८३६,
६९७५, ७२६७ (अ०)

८३. पवित्रारोपणविधिः — प्र०, ३३५१ (अ०)

८४. पशुबन्धप्रयोगः — श्रौ०, प्र०, ६२६४, ६१०५ (अ०)

८५. पाकशासनम् — गङ्गाधर, ज्यौ०, १११९०, सम्वत् — १९३९

८६. पाण्डवगीता — पु०, ६९६९, सं० — १९०७, (अ०) ६९८३,
७७३९, ६६६७, ८२१६, ८०१९, ५८२४, ६३३६,
८९४८, ९८४४, ४६४२, १२०६८, ११२१०,
३८६२ (सम्वत् — १९६०)

८७. पाण्डुरंगस्तोत्रम् — स्तो०, ९३९७

८८. प्राणप्रतिष्ठा — म०, ७९४७, ६६२३ (अ०)

८९. प्राणसुखम् — कविपरवेश, का०, ५१८८

९०. पाणिनीयशिक्षा — व्या०, ३१६७

९१. पातञ्जलयोगसूत्रम् — पतञ्जलिः, यो० (अ०)

९२. पातालखण्डम् (स्कन्द पुराणगत) — व्यास, पु०, ४००७, सम्वत् —
१८३१

९३. प्रातिशाख्यम् — वे०, ७०६४, ६९७४

९४. पारस्करगृह्यसूत्रम् — पारस्करः, गृ०—सू०, ६९०६, स० — १८८७

९५. पारस्करगृह्यसूत्रव्याख्या (प्रयोगपद्धतिः), — २८५२, २८५३,
व्याख्याकार — हरिहर

९६. पाराशरधर्मशास्त्रम् —ध०, ६१५१ (अ०)

९७. पाराशरीहोरा (सटीक) — पराशर ज्यौ०, ४८५४, ५०७२, ५५१५,
५०८८, लिपिकार — शङ्करपाठक

९८. पाराशरीजातक (सव्याख्य:) — पराशर ज्यौ० २८७१

९९. पाराशर्यधर्मशास्त्रम् — पराशरः, ध०, ३६७२

१००. पार्थिवपूजापद्धतिः — ध०, ४४६८, ४७५१

१०१. पार्थिवपूजा — पू०, ३६३१, ९४०२, ३०२८, २९९०, २१९०
४८५०, ९९११, (अ०)

१०२. पार्थिवेश्वरपूजनम् — पू०, ३५४८ (अ०)

१०३. पार्थिवेश्वरचिन्तामणिः — म०, ३३१६, ३२७७

१०४. पार्थिवोद्यापनप्रयोगः — प्र०, ६२४१ (अ०)

१०५. पार्वणश्राद्ध — प्र०, ३४६३,
लिपिकार — गिरिधारी मिश्र

१०६. पार्वणश्राद्धप्रयोग — अङ्कोलकर, ४३७०, शक-१७३३, २९१५, २९२७

१०७. पार्वणश्राद्धविधिः — प्र०, ५९३६, ३४६३, ८०९३, ५६४३,
६२३४, ४८१४, ४८११, ६९८२, ६०५३

१०८. पार्श्व अष्टोत्तरशतनाम — स्तो०, १०७९७

१०९. पार्वतीस्तोत्रम् — स्तो०, ४६७८

११०. पांसुलावृत्तिप्रकाशाष्टकम् — प्र०. ९९९५, सं० — १९४५

१११. पिंगलविवृत्तिः — छ०, ३५८२, सम्वत् — १७९१ (अ०)

११२. पिण्डदानप्रक्रिया — ध०, (प्र०), ६३८० (अ०)
४८४९

११३. पिण्डश्राद्धविधिः — प्र०, ३०३७

११४. पितृतर्पणम् — प्र०, १००९९, १०१००

११५. पिथोरापूजा — पू०, ७५९१ (अ०)

११६. पिथोराव्रतकथा — व्र०, ८४०२

११७. पीठपूजनम् — पू०, ३२६५

११८. पुण्याहवाचनपद्धतिः — प्र०, ३०९५

११९. पुण्याहवाचनम् — म०, ४६७४ (अ०)

१२०. पुनराध्या हौत्रम् — पू०, ८३४७ (अ०)

१२१. पुत्तलविधिः — प्र०, २९२०

१२२. पुत्तलविधानम् — प्र०, २९६१

१२३. पुत्रकाम्येष्टि — प्र०, ३०२५

१२४. पुरश्चरणप्रयोग — प्र०, ८२६३, (अ०)
३९७७

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१२५. पुरश्चरण (वाराहतन्त्रकेश्रन्तर्गत) — म० (प्रयोग), ३४०६, ६४६२,
८४०५, ३२६४

१२६. पुराणकथा — व्यासः, पु०, ३७०१, १००००, १०००१
१२७. पुराणसमासः — पु०, ६६३२, सं० — १६७८ (अ०)
१२८. पुरुषसूक्तम् — वे०, ४५७५, ५५६५, ६८३५, ६६०६, ३०२६ (अ०)
१२९. पुरुषोत्तममाहात्म्यम् — (स्कन्दपुराणगत) व्यासः, पु०, १२६८८,
१२६८६, १२१०६, ६२६६, ३४३४, ६६२४ (अ०)
६४४२, ८०६५, ६८७०

१३०. पुरुषोत्तमसिद्धान्त — पु०, २८६६, लिपिकार — कृष्णदास
१३१. पुष्करमाहात्म्य — व्यासः, पु०, १११७८
१३२. पुष्पचरित्रम् — का०, ११०११,
१३३. पुष्पाञ्जलिस्तोत्रम् — स्तो०, ७२८६ (अ०)
१३४. पूजापटल — पू०, ७२७४ (अ०)
१३५. पूजारत्नम् — पू०, ३३४५, २४६५, ३६०२, ३८४३, ३८१६,
२६४६, ४४८८, १११८३, ६८८५, ६८६६

१३६. पूजाविधिः — प्र०, ६५६६, ७२७४ (अ०)
१३७. पूजाविधानम् — पू०, ३८३३ (अ०)
१३८. पूर्णबोधाष्टकस्तोत्रम् — स्तो०, ६१०८
१३९. पूर्णिमाव्रतपूजा — पू०, ४४३३, ८८६० (अ०)
१४०. पूर्तप्रकाशः — रुद्रदेव, प्र०, ६८६१ (अ०)
१४१. पूर्वतापिनीयोपनिषत् — उ०, ६१६७, ३२२७, ३८६१ (अ०)
व्याख्याकार — शंकराचार्यः।

१४२. पूर्वमीमांसाप्रकरणम् — मी०, ६६२१ (अ०)
१४३. पैंगलोपनिषत् — उ०, ६७५६, सं० — १६१० (अ०)
१४४. पौण्डरीकहौत्रप्रयोगः — श्रौ० प्र०, ७०५०
१४५. प्रौढमनोरमा — **भट्टोजिदीक्षित**, व्या०, ६८५४, (अ०) ६५०८,
६३१३, ६००८, ५६३४, ५८५१, ६४५२, ६५२५,
७४०६, ६६५३, ५६६८, ५६६५, ६६७०, ६३३४

१४६. पौषीशुक्लाएकादशी — व्यास, पु०, ३३८३ (अ०)
१४७. प्रक्रियाकौमुदी — **रामचन्द्राचार्य**, व्या०, ३६४०, १०७६८ (अ०)
१४८. प्रज्ञावर्द्धनस्तोत्रम् (स्कन्दपुराणगत) — **व्यास**, स्तो०, ८६७६,
५६०३, सम्वत् — १८८४

१४९. प्रणवकल्पप्रकाशः — **गदाधरसरस्वती**, वेदा०, ७२३७, ६१३६,
६४६८, ६६६७, ६५००, ६६३८, ७०१८, ५१५७

१५०. प्रणवोपनिषत् — उ०, ७२३५
१५१. प्रतापनारसिंह अथवा संस्कार प्रकाश — **रुद्रदेव**, ध० ७४२२, (अ०)
१५२. प्रतिष्ठाकल्पविधिः — **स्थापनाचार्य**, प्र०, १०८०२
१५३. प्रतिष्ठापद्धतिः — प्र०, ३२५२
१५४. प्रतिष्ठामयूख — (भगवन्त भास्कर नामक ग्रन्थ का नवम भाग)
नीलकण्ठ, ज्यो०, ३५११, सम्वत् — १८५३,
(अ०) ३४६०, ८६२५, ७०४५

१५५. प्रतिसारबन्ध — प्र० ४२६६
१५६. प्रत्यक्षचिन्तान्याय — न्या०, ६३२६
१५७. प्रत्यंगिरापद्धतिः — प्र०, ११२४२
१५८. प्रत्यंगिराप्रयोग — प्र०, ३२२१
१५९. प्रत्यंगिरासिद्धि — **चण्डोग्र शूलपाणिः**, प्र०, १०७७२, सं० — १६५६
१६०. प्रत्यंगिरासूक्तम् — वे०, ७४६८ (अ०)
१६१. प्रत्यंगिरास्तोत्रम् (रुद्रयामलगत) — स्तो०, ११२१५, सम्वत् — १८८६
(अ०)
५४४४, ८६७१, ३०११, ३२५८, ३२३४,
३७२८, ३६८६, ६३५६

१६२. प्रत्यंगिराविधानम् — प्र०, ६४५१
१६३. प्रदोषपूजनविधि — प्र०, ८६८४
१६४. प्रदोषस्तोत्रम् — स्तो०, ४२६२, ३८००
१६५. प्रपञ्चार्थसारसहस्रनामस्तोत्रम् — **शंकराचार्यः**, स्तो०, ६६३६
१६६. प्रबोधचन्द्रिका — **राजा बैजलभूपतिः**, व्या०, ५५५४, ३६६३,
३४३६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२१०. प्रातःकृत्य — प्र०, ४७४७
२११. प्रातः सन्ध्या — प्र०, ६२७१
लिपिकार — केशवः
२१२. प्रातः सन्ध्योपासना — ध०, ५१९०, ७९३१, ५९७८, ७३६३
२१३. प्रातः स्नानसंकल्प — प्र०, १००७०
२१४. प्रामाण्यविचार — **महादेव**, न्या०, ४५०९ (अ०)
२१५. प्रार्थनापद्धतिः — प्र०, ३०९१
२१६. प्रार्थनाश्लोकसंग्रह — स्तो०, ८२९६ (अ०) ९८६०
२१७. प्रायश्चित्तधेनुदानम् — ध०, २९३१
२१८. प्रायश्चित्तप्रकरणम् — **भट्टोजि दीक्षित**, ध०, ८०१७, १२१००,
सम्वत् — १८३१
२१९. प्रायश्चित्तप्रकाश — **श्रीधराचार्य**, ध०, ४२४५ (अ०)
२२०. प्रायश्चित्तप्रदीपः — ध०, ७७०९ (अ०)
२२१. प्रायश्चित्तभाष्यम् — प्र०, ७२३०, ३६६०, ३४७७ (अ०)
२२२. प्रायश्चित्तविधि. — प्र०, ६३८५, (अ०)
२२३. प्रायश्चित्तविवरणम् — प्र०, ३९९८ (अ०)
२२४. प्रायश्चित्तसंकल्प — ध०, ४२९१

फ

१. फलचन्द्रिका — **यशोधरमिश्र**, ज्यो०, ९०३१, सम्वत् — १८२०
२. फलविचार — ज्यो०, ३०५९
३. फिरंगचिकित्सा — **निधिराम**, वै०, ३१८१

ब

१ बगलापञ्चाङ्ग (रुद्रयामलगत) — म० एवं तन्त्र, १२६६९
२. बगलामुखीकवचम् — म०, ३२८९, (अ०) ७८३१, ४१२८

३. बगलामुखीस्तुतिः — स्तो०, ११२२८ (अ०) ४२९३, ११२२७
४. बगलाष्टकम् — स्तो०, ८००९ (अ०)
५. वटसावित्रीव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ७५७०, (अ०) ८८८६, ८८८९,
४४२३
६. बटुकदीपदानम् — **रामचन्द्राचार्यः**, प्र०, ७३१२, ३८५३ (अ०)
७. बटुकभैरवदीपदानम् — **हरिराय**, प्र०, ११२३२ (अ०)
८. बटुकभैरवपूजापद्धतिः — प्र०, ९३८३
९. बटुकभैरवस्तोत्रम् — स्तो०, ९३६१, ९३५७, (अ०) ८४७४,
४२५६, ४१०७, ३२०७, ३७८३, ३८५१,
३८६५, ३९०७, ७४९९, ६४७३, ६३५५,
५९००, ७०३३, ५८१४, ६३७७, ५१३७
१०. बटुकभैरवसहस्रनाम — स्तो०, ५९२३, सम्वत् — १८६४
११. बदरीमाहात्म्यम् — **व्यास**, पु०, १२०८०
१२. बिन्दुद्वादशीव्रतकथा — पु०, ८८८१
१३. बलिदानप्रयोग — प्र०, ३२५५
१४. बलिदानविधिः — प्र०, ११२४० (अ०)
१५. बलिवैश्यकर्मविधिः — प्र०, २९२१, ४३३०
१६. बहुरूपगर्भस्तोत्रम् — स्तो०, ५८७७ (अ०)
१७. बहुलाचतुर्थीव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ८६४५, ८७५५, सम्वत् —
१८३१ (अ०)
१८. बहुलाव्याघ्रसम्वादः — पु०, ६१८७ (अ०)
१९. बाधविचार — **महादेव**, न्या०, ४५९१ (अ०)
२०. बार्हस्पत्यसंहिता — **बृहस्पतिः**, ध०, ३६३९ (अ०)
२१. बालकचिकित्सा — **भावमिश्र**, वै०, ३८७३ (अ०) ३९४६
२२. बालखिल्यशास्त्रम् — वै०, ८१४९, ६१२८, ६२६६ (अ०)
२३. बालचीवृद्धि — प्र०, ४३०३ (अ०)
२४. बालबोधः — **मुञ्जादित्यः**, ज्यो०, ६६६७, (अ०) ५०७६, ७८६५,
६६८०, ५६०१

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२५ बालबोध — **मुञ्जादिसेन**, व्या०, ३७१६, ४७८५, सम्वत् — १८५३

२६. बालबोध — व्या०, ९०३३, ९०३४, ९०३५

२७ बालबोधिनी — **शंकराचार्य**, वेदा०, ९८२७

२८. बालबोधिनी — **बालसूरिः**, व्या०, ६७०३ (अ०)

२९. बालबोधिनी — **वासुदेव**, ज्यो०, ११९५, सं० — १८७९

३० बालबोधिनीबीजोदाहरणम् — **रामदैवज्ञः**, ज्यो०, ६८३८ शक सं० — १७४९

३१. बालासुन्दरीकवचम् — म०, ३२४३, ३२०४ (अ०)

३२. बालात्रिपुरापद्धतिः — म०, ४२६४ (अ०)

३३. बालादित्यव्रतकथा — **व्यास**, व्र०, ८६७७ (अ०)

३४. बालासुन्दरोपूजा - पू०, १२४५३

३५. बीजकोश (उद्धारकोश) — **दक्षिणामूर्ति**, तं० ९९५९, ८०११, ४८१६ (अ०)

३६ बुद्धिविलास — **गणेशदैवज्ञ**, ज्यो० ९०२५ (अ०)

३७. बुधाष्टमीव्रतोद्यापनम्—व्र०, ३३५२, ६३८८, ६३०९, ८११२ (अ०)

३८. बृहज्जातकम् — **वराहमिहिर**, ज्यो०, १११८८, ४४०८, ४४०७, ४४१०, २९०६, ४२८०, ४३४६, ४५५९, ८२६०, ७०१३, ४२०५

३९. बृहज्जातकम् — **वराहमिहिर**, ज्यो०, १२०६६, सम्वत् — १८४४

४०. बृहज्जालोपनिषत् — उ०, ३८२९ (अ०)

४१. बृहदारण्यकोपनिषद् सभाष्यम् — उ०, ७६०७ (अ०)

४२. बृहदारण्यकोपनिषद् — उ०, ८९४६ (अ०) टीकाकार — **आनन्द ज्ञान** ८९०७, ८८६९, ११५०९, ८७६९, ८७६७, ६७१३, ६८१९, १२४३२

४३. बृहदारण्यकटीका — उ०, ९१४४ (आनन्दज्ञानकृतटीकासहित)

४४. बृहन्नारदीयपुराणम् — पु०, ९३६५

४५. बृहत्पाराशरी — **पराशरः**, ध०, १२६५९

४६. बृहस्पतिस्तोत्रम् — स्तो०, ८३४२ (अ०)

४७. बोधायनअग्न्याधानप्रयोगः — प्र०, ६५३०, (अ०) ८१५०, ८२०८

४८. बोधायन गृह्यसूत्रम्—गृ० सू०, ७१३४ (अ०)

४९. ब्रजभक्तिविलास — **नारायण भट्ट**, का०, १२७०२

५०. ब्रजविहार — **व्यास**, पु०, ३१६२

५१. ब्रह्मगायत्रीमन्त्रम् — म०, ५०४५

५२. ब्रह्मगीता (स्कन्द पुराणगत) — **व्यासः**, पु०, ११२०३

५३. ब्रह्मचिन्तनिका — **शंकराचार्य**, वेदा०, ९४०६, ९२२५

५४. ब्रह्मतर्कस्तवः — **अप्पयदीक्षित**, स्तो०, ७०३४ (अ०)

५५. ब्रह्मनिरूपण — वेदा०, ९१४३

५६. ब्रह्मयज्ञ — ध०, ३११३, ८२९०

५७. ब्रह्मयोगनिर्णय — यो०, २९४१

५८. ब्रह्मविन्दूपनिषत् — उ०, ६२७२, ७२२४, ७९१६ (अ०) लिपिकार — सखाराम गोखले

५९. ब्रह्मवैवर्त्तप्रायश्चित्तप्रसंग — **व्यास**, ध०, ५०१६

६०. ब्रह्मवैवर्त्तपुराणम् — **व्यासः**, पु०, १२६३१, ४१९८, (सम्वत् — १८८५)

६१. ब्रह्मशापविमोचन — वेदा०, ४७४२ (अ०)

६२. ब्रह्मसूत्रम् (वृत्तिसहित) — **व्यासः**, वेदा० ६९०५, सं० — १७४१ (अ०) ५०३२, ६३७२

६३. ब्रह्माण्डपुराणम् — **व्यास**, पु०, ८४८०; ४२३२, ४२२६ (अ०)

६४. ब्रह्माण्डोपनिषत् — उ०, ७६७० (अ०)

६५. ब्रह्मानन्द — **रामकृष्ण**, वेदा० ८७ ६, ८७१३, ८७२१, ८७२२, ८७२३, ८७२४, ८७२५, ८७२६, ८७२७, ८७२८, ८७२९, ८७३०, ८७३६, ८७३८, ८७४०, ८७४१, ८७४५, ८७४६, ८७४७, ८७४८, ८७५०, ८७६०, ८७७३ (अ०)

६६ ब्रह्मावर्त्तमाहात्म्य **व्यासः**, पु०, १२६९४

६७. ब्रह्मकावृत्तिस्तोत्रम् — स्तो०, ९१०९, ८९४९

६८. ब्रह्मोत्तरखण्ड (स्कन्दपुराण) — **व्यासः**, पु०, ७१०९ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

६६. ब्राह्मणग्रन्थ (शतपथ आदि) — वे०, (ब्राह्मण), ७७१७, ५४२६, ७६१६,
८२२३, ६२२२, ५४२८, ८०८१,
७५५४, ७४४२, ८२२२, ६६०३,
७२११, ७८१५, ७८११, ७८१४,
७८१६, ७८१३, ४२०६, ७५६७,
४५२८, ४५६८, ४७०३, ४७०२,
८२६२, ८४३७, ८६१५, ८६१४,
४५२०, ४१४६, ३७८७, ४०७८,
४१५२, ४१५१, ४४०३, ४६२४ (अ०)

भ

१. भक्तचिन्तामणिः — ध०, ७६७३
२. भक्तामरस्तोत्रम् — **मानतुंगाचार्य**, स्तो०, ६१७०, (अ०) ७८०८
३. भक्तिरत्नावली (भागवतपुराणसेसंग्रहीत) — **विष्णुपुरी**, स्तो०, ७०००,
(अ०) ४०५१, (सम्वत् —
१७५३), ७०८४, ५३१२,
१२६७७
४. भक्तिवर्द्धिनीविवृत्ति — **बल्लभ**, स्तो०, ३००६
५. भक्तिस्तोत्रम् — **ब्रजराज**, स्तो०, ३०१३
६. भगवानुपटल — म०, ९३६२, सम्वत्, —१८९१
७. भगवतीकीलकस्तोत्रम् — स्तो०, ९९५१ (अ०)
८. भगवद्गीता — व्यास, वेदा०, ९०४९, सम्वत् — १८३८, ९०२१,
८७११, ८७९३, १००१६, ३९९६, ४०८६,
४६१२, ४२१७, ४२२५, ४१२५, ३१३६, ३४००,
३४१४, ४६७५, ७०१२, ७१३२, ५७४४, ५२०९,
६९९६, ४९१५, ५६७३, ६३६०, ५४३६, ५३८३,
५२९२, ५११३, ७३१९, ७५५५, ७६०१, ६४३६,
६७०९, ६७२२, ६११७, ५९३१, ६००७, ८१२६,

१००१४, १००८५, १०११५, १०११६, १०००९,
९८४०, ९८९२, ११७९२, १२६१२, १२६४२,
११०१२, ३९७८, २८५८, ३५६७, ३६०८,
३५८४, ३६५२, ४०८६, ४०५१, ४६१२,
४२१७, ४२२५, ४१२५, ३१३६ ३४००, ३४१४,
३५६९, ३६२८, ३९९६, ३९७८, ४००६, ३६०८,
(सम्वत् — १९०९), ९०११, ८७९२, ८७८९,
६८५२, ७५७९, ७२२९, ३५६७, ३५८४, ३६५२,
४०५९, १०९९२, ११०१२, ३६२८, ८५२८,
९०४४,
९. भजगोविन्दाष्टकम् — **शंकराचार्य**, स्तो०, ४८२३, ५२४५
१०. भट्टिकाध्यान — म०, ४६८०, (अ०)
११. भट्टोत्पली — **भट्टोत्पल**, ज्यो०, ४१०९ (अ०)
१२. भद्रमण्डलपूजनम् — पू०, ३०१८
१३. भद्राशान्ति प्रयोग — प्र०, ८४६४ (अ०)
१४. भर्तृहरिशतकत्रयम् — भर्तृहरि, नीति, वैराग्य तथा श्रृंगार),
३२१२, १००७७, ११५०८, १११५४,
६९०१, १२०९४, ७०३९, ६८४२,
४३२३, ३३२३,
१५. भवानन्दी — **भवानन्द**, न्या०, ११५०७, ७५४४, ७६५७, ७०७८,
७०५३ (अ०)
तत्वचिन्तामणिदीधितिपरव्याख्या
१६. भवानीसहस्रनाम (भवानीसहस्रनामस्तोत्रम्) — स्तो०, ३०८९, ४०८९,
६७६०, ५८७१, ५६१८,
६९९९, ५१५५,
१७. भविष्योत्तरचन्दनषष्ठी — प्र०, ३१२०,
लिपिकार — नारायण
१८. भविष्योत्तरपुराणम् — **व्यास**, पु०, २८४२, ५२४३
१९. भस्मधारणरहस्यम् — प्र०, ९४६६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२०. भागवतकथासंग्रह — व्यास, पु०, ६४३५ (ग्र०)

२१. भागवतधर्म (ब्रह्माण्डपुराणतः) — व्यास, पु०, सम्वत् — १८५१

२२. भागवतपुराणम् — व्यास, पु०, ५९९९, ५९७७, ४७७०, ६००२,
९८७९, ९९१८, ९४४२, ९४४४, ९४४५,
९४८४, ९४८५, ९४८६, ९४८७, ९४८८,
९४८९, १११५७, ९०९६, ९०७१० ९०६७,
९०६८, ९२८३, ९३००, ९१३६, ९१६०,
९१६१, ९१६३, ९१६७, ९१६९, ९१६८,
९१७०, ९२७०, ९१७२, ९१७३, ९१७४,
९१८०, ९१८१, ९१८२, ९१८३, ९१८४,
९१८७, ९२७२, ९०७२, ९०९५, ९०७०,
९०७३, ९४७९, ९४८०, ९४८१, ९४८२,
९४७५, ९४७६, ९४७७, ९४७८, ९४८३,
९४५९, ८७८८, ९०६६, ३६८३, ३६७१,
३७८६, ३८१४, ३८८१, ३८८५, ३९९१,
३९७२, ४०००, ४१८१, ४१७९, ३६७४,
३५३७, २९१२, ३२००, ३२६७, ३२५१,
३२४८, २९८१, ४१५७, ४१८१, ४१८४,
४२१०, ३९६६, ४६२८, ४५१३, ४६०९,
४४८६, ४३७५, ४२४०, ४७१७, ४७१८,
८३५७, ८३५८, १०८४०, १०८४३, १०९०५,
४७७१, ५९९४, ४७७२, ४७७३, ४७७४,
४७७५, ४७७६, ४७७७, ४७७८, ६३९६,
४००८, १००४३, ४७७९, १००४४, १००४५,
१००४६, १००४७, १००४८, १००४९,
१००५०, १००५१, १००५२, १००५३,
१००५४, १००५५, १००५६, १००५७,
१००५८, १००५९, १००६०, ९९३३, ९९३४,
९९३५, १००६१, १००६२, १००६३,

१००६४, १००६५, १००६६, १००६७,
१००६८, १००६९, १०९१०, ४७८१, ६०८४,
५३०३, ५३७९, ७०९५, ५६८२, ७०७३,
७२४५, ७७९२, ७५७५, ८१८६, ७७७४,
६४३८, ५९९३, ५७८८, ४९२१, ७८१०,
५९८७, ९०४७, ३५३८, ६४३३, ४२३३,
४०३३, ४०३४, ९४९५, ९५०१, ९५०२,
९४९६, (सम्वत्-१८५०), ७८२७, ७०६६,
७८२८, ३५५८, ४६२८, ३९६६, ४७७०,
४७७४, ४७७८, ४७७१, ४७७५, ४७७९,
४७७३, ४७७७, ४७८१, ४७७२, ४७७६,
४७८९, ४७१८, ४७१७, ३५३८, ४५३५,
४०५३, ४०३४, ४०३३, ४०३५, ४०१९,
४०१२, ४०७६, ४०९५, ४००८, ४०००,
३९७२, ३९९१, ३८८५, ३८८१, ३८४१,
३७८६, ३६७१, ३६८३, ३५३५, ३५३७,
३६७४, ४१७९, ४१८१, २९८१, ३२४८,
३२५१, ३२६७, ३२००, २९१२, ४१७९,
४१५७, ४१८१, ४२२२, ४२१०, ४१८४,
४५१३, ४२३३, ४२४०, ४३७५, ४४८६,
४६०९, ४०७६, ४७८०, ६४३४, १०९०४,
१०९०५, १११५७, १०८४०, ४०९५, ७१८०,
१०९१०

२३. भागवतमाहात्म्य (पद्मपुराणगत) — व्यास, पु०, ३५३५, (सम्वत्-१९७३) ६८८७, ५३२० (ग्र०)

२४. भागवतीकीलकम् — म०, ८३२१

२५. भागवतीरहस्यम् — पु०, ७७१५ (ग्र०)

२६. भागवतस्तवराजः — व्यास, स्तो०, ५८७३ (ग्र०)

२७. भाद्रतर्पणम् — प्र०, ४१७४ (ग्र०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२८. भामती — **वाचस्पति मिश्र**, वेदा०, ६३२३ ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या
२९. भामिनीविलासः — **पं० राजजगन्नाथ**, का०, ७७४७ (अ०)
५२८९, ५४८०, ६७०१
३०. भारतचम्पू — **अनन्तभट्ट**, का०, ९०८७, संवत् १९५६
३१. भारतसावित्रीव्रतम् — व्यास, व्र०, ६१७४, (अ०) ३३९९
३२. भारद्वाजगृह्यसूत्रम् — **भारद्वाज**, गृ-सू०, ६१९९ (अ०)
३३. भारद्वाजधर्मशास्त्रम् — **भारद्वाज**, ध०, ८४६५ (अ०)
३४. भावचूडामणि — ज्यो०, ६४६३ (अ०)
३५. भावप्रकाशः — **भावमिश्र**, वै०, ७८४८ (अ०)
३६. भावफलम् — ज्यो०, ८५०५ (अ०)
३७. भावार्थरामायण — पु०, (हि०), ४२४४
३८. भाष्यत्रिशत्श्लोकी — **रामचन्द्र**, वेदा०, ३१०२
३९. भाष्यप्रदीपः — व्या०, ६६३०, ५६५२, ७६२३, ६९९४ (अ०)
४०. भाष्यप्रदीपनिर्णय — **सत्यानन्द**, व्या०, ९३७४
४१. भाषापरिच्छेदः — **विश्वनाथपञ्चानन**, न्या०, ६५७३, (अ०) ६९८५
४२. भास्करनिबन्ध — नीलकण्ठ ज्यो०, ७१६६ (अ०)
४३. भास्वती (भास्वतीकरण) — **शतानन्द**, ज्यो०, ११२२४
४४. भास्वती — **शतानन्द**, वेदा०, ६३९३, (अ०) ३९३३, ३७१३, ४८१५,
५०९०, ५७१७, ६५५०, ७६१४, ७५३९, ५८६०, ५२१६
४५. भास्वतीउदाहरणम् — **शतानन्द**, ज्यो०, ११२२० (अ०)
४६. भास्वतीविजयस्तोत्रम् — स्तो०, ४४७८ (अ०)
४७. भीष्मदेहोत्सर्ग (महाभारतगत) — **व्यास**, पु०, ३६२७ (अ०)
४८. भीष्मस्तवराज — (महाभारतगत) स्तो०, ३५६९, (अ०) ३२८८,
७९४२, ३१२९, ४४९० (अ०)
४९. भुवनदीपक — **पद्मप्रभासूरि**, ज्यो०, ३५०७, सम्वत्—१८३४, (अ०)
५९२४, ४८३७, ८०२४
५०. भुवनप्रदीप — **सार्वभौममिश्र**, को०, ३११७ (अ०)
५१. भुवनेश्वरीस्तोत्रम् — स्तो०, २८४३, ३३८६
लिपिकार— **रङ्गीलाल**

५२. भूतशुद्धि मन्त्र — म०, ११२३१, (अ०) ४१९९
५३. भेदधिक्कारः — **नृसिंहाश्रम**, वेदा०, ६८०८, (अ०) ७८५९
५४. भैरवकवचम् — म०, ४४५९, ३३०४, ४६४८ (अ०)
५५. भैरवस्तवपुरश्चर्याविधिः — स्तो०, ११२१६ (अ०)
५६. भैरवस्तोत्रम् (भैरवस्तव) — स्तो०, १२०९१, ३२२९, ४३१८,
७८६१, ३७५१, २९९१
५७. भोजनविधिः — प्र०, ६७४७ (अ०)
५८. भौमपञ्चाङ्ग — त० । म०, ३२१४
५९. भौमपूजाविधिः — प्र०, ३१६६, ५७००
६०. भौममंगलस्तोत्रम् — स्तो०, ३२१६ (अ०)
६१. भौमव्रतकथा (भविष्यपुराणगत) — **व्यास**, पु०, १०७९८, ८६८७,
४८९४, ५३५७, ७१७६
६२. भ्रमरगीत (भागवतगत) — **व्यास**, पु०, ९१२८, ६०२०
६३. भ्रमरगीतम् — **वेङ्कटकृष्ण**, पु०, ११५४०
६४. भ्रमरगीत — नन्ददास, का०, ३४९२ (अ०)
६५. भ्रमरदूतकाव्यम् — **खण्डेरायभट्ट**, का०, ३८२५ (अ०)
६६. भ्रमरिकाव्रतम् — व्र०, १२१११
६७. भृङ्गीग्रहण विधिः — प्र०, ४४७३
६८. भृगुवल्ली — वे०, ६८१८, संवत्-१८१८, ८०९८ (अ०)
६९. भृगुसंहिता (प्रश्नाध्याय, कर्मविपाक) — भृगु, ज्यो०, ३३३६, (अ०)

म

१. मकरन्दउदाहरणम् — **कृपाराम**, ज्यो०, ६८३५, (अ०) ४५४५ (अ०)
२. मकरन्दविवरणम् — **दिवाकर**, ज्यो०, ३९२० (अ०)
३. मंगलावाद — प्र०, ३५२६ (अ०)
४. मंगलागौरीपूजा — पू०, ८३७४ (अ०)
५. मंगलाष्टकम् — **कालिदास**, स्तो०, ३३००, ५८२०, ४६८७,
८४७३ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

६. मंगलाष्टकस्तोत्रम् — **वाजिराजकवि**, स्तो०, १२६१४
७. मञ्जुलताभरणम् — का०, ७६६७ (अ०)
८. मठादिप्रतिष्ठा — प्र०, ३२५३
९. मठाम्नाय — वे०, ३७०० (अ०)
१०. मण्डपपूजाविधि: — पू०, ४०४१ (अ०)
११. मण्डलदेवता — वे०, ६४२६ (अ०)
१२. मण्डलब्राह्मणम् — वे०, ४१४७ (अ०)
१३. मणिकर्णिकाष्टम् — **विश्वेश्वराश्रम**, स्तो०, ८२९२
१४. मणिकर्णिकामाहात्म्य — **शंकराचार्य**, स्तो० ४४३९ (पू०)
१५. मणिकर्णिकाशतकम् — स्तो०, ४४४० (पू०)
१६. मणिकर्णिकास्तोत्रम् — **शंकराचार्य**, स्तो०, ८०४१ (अ०)
१७. मत्स्यपुराणम् (दण्डप्रणयम्) — **व्यास**, पु०, ६२३१ (अ०)
१८. मथुरातीर्थप्रकाशः — **वल्लभाचार्य**, घ०, १२६६७
१९. मथुरामाहात्म्य — **व्यास**, पु०, ३५३६, ६८५७ (अ०)
२०. मदनपालनिघण्टुः — **मदनपाल**, वै०, ६२३२, २८३९, ७७३५, संवत् — १९१६ (अ०)
२१. मधुपर्क — प्र० ८२३१ (अ०)
२२. मध्यकौमुदी (तिङन्त) — **वरदराज**, व्या०, ३२८३ (अ०)
२३. मध्यचन्द्रिका — **रामाश्रम** व्या०, — १०१०७, १०१०९, १०७६९, १०७७० (अ०)
२४. मध्यसिद्धान्तकौमुदी — **वरदराजाचार्य**, व्या०, १०७६४, २८८५, १०११९
२५. मन्त्रकोशपटल — म०, ३९९५, सम्वत् — १८८५
२६. मन्त्रमहोदधि: — **महीधर**, म०, ६५६२, ८१७१, ६६२९, ७४५९, ६४७९, ५३५२, ६९१५, ७९४८, ८१७०, ६७५४, ६९१४, (अ०) १०८३२, ३३७८, ३९८२, ९३८४, ८३१२, ३७९७, ३८०७, ४५७१, ४५५६, ४४९५, ४५२६, ४४४४, ४२७३, ४१७६, ३२६६, ३७६८, ३७६३, ४१७६ (अ०)

२७. मंत्रमुक्तावलि: — म०, ३२३३, ३५०५, ३९५१, ३३९७, ३९६८ (अ०)
२८. मन्त्रराजचिन्तामणिस्तोत्रम् — **व्यास**, स्तो०, ८९८८, सम्वत् — १९१८
२९- मन्त्ररामायणम् (रामानन्दमयूरेश्वर) — **नीलकण्ठ** पु०, ७०६२, ६९४९ (अ०)
३०. मन्त्रविद्या — म०, १२४६७,
३१. मन्त्रसंहिता — म०, ६४२२, ७३२४, ७१९२, ७६७९, ८१६९, ७९९१, ३९६८, ६१८६, ७१९०, ७२४९, ६८८९, ७४३९, ३५१७, ४०८४, ५३४३
३२. मन्त्रसार — **नित्यनार्थसिंह**, म०, ४७६३
३३. मन्त्राराधनदीपिका — **यशोधरमिश्र**, म० ३५१२, सम्वत् — १८९४
३४. मन्मथसंहिता — काम०, ८७१७, ४५६९ (अ०)
३५. मन्युसूक्तम् — वे०, ७९२१ (अ०)
३६. मन्युसूक्तभाष्यम् — वे०, ९८२९, ९८३३ (अ०)
३७. मन्युसूक्तविधानम् — वे०, ६४१४, ५२१५, ५२५५, ५३०८, ५३५६, ५४३४, ५०९२, ७९३२, ८०५६, ८१२८, ७५४३, ५५३४, ५२३३, ५१४६, ५२३७, ५३९८, ५४५२, ५५४८, ५५९८, ५७६०, ४९५७, ७८१९, ७८८१, ५३०७, ५३११, ७८४२, ५१८२, ५४१५, ५४६१, ५६५९, ६३१०, ६४०६, ६४३५, ४९८७, ५०४८, ७००५, ६५६९, ६५८९, ५६५७, ७७२७, ७६९८, ५१२०
३८. मनीषापञ्चकव्याख्या — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ८७७५
३९. मनुष्यादिद्विपदविचार — प्र०, ३६२१ (अ०)
४०. मनुस्मृतिः — मनु, घ०, ११२००, ४६६८, ७३३८ (अ०)
४१. मनोविनायकव्रतोद्यापनम् — व्यास, प्र०, ६५०१, ८६४१ (अ०)
४२. मनोविनायककथनोद्यापनविधिः — **व्यास**, प्र०, ७६५२
४३. मयूरकेतोपाख्यानम् — पु०, ७६५३ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४४. मयूरचित्रकम् — नारद, ज्यो०, ५१६२
लिपिकार — सदाराम पाठक

४५. मयूरचित्रकम् — (मयूरचित्रम्), मेघमाला, रत्नमाला, —नारद, ज्यो० १२०६१

४६. मलमासदानपूजनम् — पू०, ८८७६, ३००१

४७. मलमासमाहात्म्यम् (ब्रह्माण्डपुराणगत) — व्यास, पु०, ११९७७, सम्वत् —१८७१, ६५८६, ८१९५, ५०४९, ४९२५

४८. मल्हारिकवचमाहात्म्यम् — व्यास, स्तो०, ९०७८

४९. मल्लारिसहस्रनाम — स्तो०, ९४६५, ४४३८

५०. मल्लारिस्तोत्रम् — स्तो०, ७९१८ (अ०)

५१. महाकालभैरव — स्तो०, ५३७०

५२. महाकालसंहिता — आदिनाथ, मं०, ७२२२, संवत् — १७९८ (अ०)

५३. महाकालीस्वरूपाख्यानम् — पु०, ८१२३ (अ०)

५४. महाकालीसहस्रनाम — स्तो०, ४१६७ (अ०)

५५. महागणपतिः (सहस्रनाम स्तोत्रम्) — स्तो०, ६९०० (अ०)

५६. महातन्त्रपरमानन्द — त० । मं०, ९२८१

५७. महात्रिपुरसुन्दरीस्तव — स्तो०, १००२८ (अ०)

५८. महादेवसहस्रनाम — स्तो०, ६३४७ (अ०)

५९. महादेवहंसप्रयोग — प्र०, ३८१५ (अ०)

६०. महान्यास — ध०, ३८११, सम्वत् — १८६१ (अ०)

६१. महानारायणमन्त्रराज — मं०, ३३११
लिपिकार — नारायण

६२. महाभारतम् — व्यास, पु०, ८५३० (अ०)

६३. महाभारतम् — व्यास, पु०, (इतिहास,) ८९३४, ९१७७, ८९४०, ९०८३, ९०६३, सम्वत् — १७०२, ३२७०, ३६७३. सम्वत् — १८४०, ४६४१, ३९०१, ८७०९, ९१३७, ९०६१, १०१०४, १००३६, सम्वत् — १८८०, ७२८४, १२६२५, ७८४९,

७८९२, ६२०५, ६०६९, ६५६६, ७३६७, १११७९, ४०४९, ३२९९, ४१५५, ४९४२, ४५२९ (अ०)

६४. महाभाष्य — पतञ्जलि, व्या०, ७७६५, ५१३२, ६४९६ (अ०)

६५. महाभाष्यप्रदीपः — कैयट, व्या०, ६०९८ (अ०)

६६. महालक्ष्मीपूजा — पू०, ८६६९, सम्वत् — १९१४ (अ०)

६७. महालक्ष्मीमानसपूजा — शङ्कराचार्य, पू०, ८२५४ (अ०)

६८. महामालास्तोत्रम् — स्तो०, ९९१० (अ०)

६९. महामृत्युञ्जयविधिः — प्र०, ३०५३,

७०. महामृत्युञ्जयतन्त्र — मं०, ८२७३, सम्वत् — १९१३, ४२७०, ४४८७, ८९७४, ८९६६

७१. महामृत्युञ्जयस्तोत्रम् — स्तो०, ७६०० (अ०)

७२. महारामायण (वाशिष्ठ तात्पर्य टीका सहित)— वाल्मीकि पु०

७३. महार्णवकर्मविपाक — प्र०, ६०६५ (अ०)

७४. महालक्ष्मीमन्त्र—मं०, ८७१५, (अ०)

७५. महालक्ष्मीव्रतकथा (भविष्योत्तरपुराणगत) — व्यास, पु०, ११२०७, ३०९७ (अ०)

७६. महालक्ष्मीशतनामस्तोत्रम् (पद्मपुराणगत) — स्तो०, ११२४१ (अ०)

७७. महालक्ष्मीस्तोत्रम् — स्तो०, ७८६७, ४२९४, ९८६६, ७७४९, ६०७८, ६७०८, ५६०८ (अ०)

७८. महालक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ६६२४, ४८५५, ४९३०, ५०५१, ५२७६, ५६५१, ६३४८, ५८५५, ६४१४, ६३५१, ७२४३, ६५५३, ५२२३, ५२८७,

७९. महावाक्यरत्नावली (उत्तरपीठिका) — शङ्कर, वेदा०, ९९७६, सम्वत् — १९४०, (अ०)

८०. महावाक्यार्थ — शङ्कराचार्य, वेदा० ४९२७, १००८८ (अ०)

८१. महाविद्यापञ्चाङ्ग — मं०, ३३७७

८२. महाविद्यास्तोत्रम् — स्तो०, ७८६३ (अ०)

८३. महाविन्ध्यस्तोत्रम् — स्तो०, ७४२६ (अ०)

८४. महाविश्वजित्मन्त्र — मं०, ७४२५ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८५. महाव्रतहौत्रप्रयोगः — प्र०, (श्रौ०-प्र०), ६१३५, (ग्र०)
८६. महासौरमन्त्रम् — म०, ८९५६, ३९११, ८२५१, ३७५६, ३४७१,
३६५४, ३३०७, ३२२८, २८४१, २८३४,
३१३२, ३३२१, ८८५२, २८२२,
८७. महिम्नस्तोत्रम् — पुष्पदन्ताचार्य, स्तो०,
५९१६, ३१३२, २८२२, २८४१, २८८४,
३२२८, ३३०७, ३३२१, ३६५४, ३४७१
३९११, ३७५६, ५४१६, ५६८१, ५९१७
७३०८
८८. महिषासुरमर्दिनीस्तोत्रम् — शङ्कराचार्य, स्तो०, ८३८०
८९. महेश्वरमलिमुचव्रतकथा — व्यास, पु०, ९२९७
९०. महोपनिषद् — उ०, ४८२५
९१. माघकाव्यम् — माघकवि, का०, ३६१५, ३७४८, ८५३४ (ग्र०)
९२. माघमासमाहात्म्यम् (वायुपुराण) — व्यास, पु०, ७२०५, ४२२८,
७३६२, ७२०१, ७३०४, ७८०५, ९९७३
९३. माण्डूक्योपनिषत् — उ०, ३८०९, ८८९८, ८७७४, ४४२६,
३७४० ६८२१ ७६३२
९४. मातृकाध्याय — ज्यौ०, २९४२,
९५. मातृकान्यासपूजा — पू०, ७४५१, ८००७, ५४१४, ४१४०,
७८६०, (ग्र०)
९६. मातृकानान्दीश्राद्ध — प्र०, २९६०
९७. मातृकानिघण्टुः — महीदास, को०, ७६७४, सं० — १८२२,
८३०२, ४७२६, ५१३० (ग्र०)
९८. मातृकाप्रश्नावलिः — ज्यौ०, ८२८५
९९. मातृश्राद्धप्रयोग — प्र०, ३०३९
१००. माधवनिदानम् (व्याख्या सहित) — माधव, वै०, ७५३४, ४५६२
(ग्र०)
१०१. माधवविजयकल्प — का०, ७४४१, (ग्र०)
१०२. माधवस्तवराज — व्यास, स्तो०, ८०८०, ९३७६, (ग्र०)
१०३. माधवीयधातुवृत्तिः — माधव, व्या०, ७१४६

१०४. माध्यन्दिनीयशिक्षा — वेदाङ्ग, ४१३१
१०५. मानसपूजा — शङ्कराचार्य, पू०, ५७९६, ३९८४ (ग्र०)
१०६. मानसपूजापद्धतिः — शङ्कराचार्य, पू०, ७२७१, (ग्र०)
१०७. मानसस्नान — हरिहर ब्रह्म, वेदा०, ४१४२
१०८. मानसीकामस्नानम् (वामनपुराणगत) — व्यास, पु०, ७९८६, (ग्र०)
१०९ मारणप्रयोगः — प्र०, ७१२८ (ग्र०)
११०. मालतीमाधवम् — भवभूति, ना०, ६४५९, ६२५० (ग्र०)
१११. मालामन्त्रविधिः — म०, ४७६४, सम्वत् — १८९४
११२. मालासंस्कारविधिः — प्र०, ४६६९ (ग्र०)
११३. मासप्रवेशसाधनम् (दशाफल सहित) — ज्यौ०, ५८६३, (ग्र०)
११४. मासिकश्राद्धप्रयोग — प्र०, ८३९७ (ग्र०)
११५. मार्कण्डेयपुराण — व्यास, पु०, ४८०० लिपिकार — संगमलाल
११६. मार्कण्डेयपूजाविधिः — पू०, ३१६५
११७. मार्कण्डेयपूजनम् — पू०, ३३८७ (ग्र०)
११८. मार्गशीर्षमाहात्म्य — व्यास, पु० ७०३५, ३४२९, ३५३४, सम्वत्
— १९०५ (ग्र०)

११९. मालाविद्यामन्त्र — म०, ३३८९, ३५५२
१२०. मालासंस्कार — म०, ३२६३,
१२१. मिताक्षराकोश — रामेश्वरभट्ट, को०, ७७९४, ५३९४, ४७२८,
(ग्र०)

१२२. मीमांसाधिकरणमाला — मी०, ७८४६, (ग्र०)
१२३. मीमांसाभाष्यम् — कुमारिल भट्ट, मी०, ७४५६ (ग्र०)
१२४. मीमांसावार्तिक — कुमारिल भट्ट, मी०, ७४५७, सं० — १६७५,
७४५५ (ग्र०)

१२५. मीनाक्षीस्तोत्रम् — शङ्कराचार्य, स्तो०, ३५७९ (ग्र०)
१२६. मीनेसूक्तम् — वे०, ३७१२ (ग्र०)
१२७. मुकुन्दमाला — कुलशेखर, स्तो०, ८९५४
१२८. मुकुन्दविजयः — परम, ज्यो०, ७६०३ (ग्र०)
१२९. मुक्ताफलम् — वोपदेव, वेदा० ९३०१,

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१३०. मुक्ताभरणसप्तमीव्रतकथा (मुक्ताभरण व्रतम्) — **व्यास**, व्र०, ५४५७
७४६२,
१३१. मुक्तावलीव्याख्या — **विश्वनाथपञ्चानन**, न्या० ६५४६, (अ०)
१३२. मुक्तावलीप्रकाशः — **महादेव भट्ट**, न्या०, ६१५८
१३३. मुक्तिस्वयम्बरकाव्यम् — **रामचन्द्रपण्डित**, का०, ८८५३, सम्वत् —
१८२४
१३४. मुण्डकोपनिषत् — उ०, ६८२०, ७७६५, ६८९९, ८८९५ (अ०)
१३५. मुद्राप्रकाशः — म०, ७३००, ८४०३ ।(अ०)
१३६. मुहूर्तकल्पद्रुम — **विठ्ठलदीक्षित**, ज्यौ०, २८८७
१३७. मुहूर्त्तगणपतिः — **गणपति**, ज्यौ०, ५५६१, २८४०, ९९५४,
९९५६, ३४८६, ५७६५, ७०३७, ५६४८,
(अ०)
१३८. मुहूर्त्तचिन्तामणि — **रामदैवज्ञ**, ज्यौ०, ९१११, ४७८७ १२४५०,
३३७६, ४७८७, ६२२४, ८१०५ ५८३४,
५०७४, ४८२२, ५०१४, ५७०२, ९१२३,
९१२४, ८९४७, ९०२३, ९०३०, ९०३२,
९९४०, ९९५५, ९१५६, ९१५८, संवत् —
१८९९, ९१६२, ९१६५ ९१६६, ९१७१,
९१७८, ९१९५ ९२००, ९२०१, ९२०२,
९२०३ ४३५३, ४१९१, ४२४२ ५६९७,
४७८७, ४३५३, ४१९१, ४२४२ ३२९७,
२८५४, ३३७४, ३७१० ३९३५, ३९४३,
३३७६, ३८४७ ५९९५, ६६०४, ७५८४,
५८९७ ५८९९, ५८९५, ५९५१, ३२९७,
२८५४ ३३७४, ३३७४, ३७१०, ३९४३,
३९४७ (अ०)
१३९. मुहूर्तदर्पण —**विल्लालमणि**, ज्यौ० ४०७०, सम्वत् — १८७४ लिपिकार
— रामप्रसाद ।
१४०. मुहूर्त्तदीपकम् — **रामसेवक त्रिवेदी**, ज्यौ०, ८७०४
१४१. मुहूर्त्तमञ्जरी — **पं० यदुनन्दन**, ज्यौ०, ३१५०, ३४४४, २९००

१४२. मुहूर्त्तमाला (वास्तुप्रकरण) — **रघुनाथ**, ज्यौ०, ४७८२
१४३. मुहूर्त्तमालिका — ज्यौ०, ३०६१,
१४४. मुहूर्त्तमुक्तावलिः — ज्यौ०, ७५२० (अ०)
१४५. मुहूर्त्तमार्तण्ड — **नारायणदैवज्ञ**, ज्यौ०, ५५१६, ४४१२, ३१८०
३८९७, ९०१३, ३८९७, ६३२८, ६०९६,
६२२०, ५६१६, ५७१३, १११८० (अ०)
१४६. मुहूर्त्तराशिफलम् — ज्यौ०, ७५७१ (अ०)
१४७. मुहूर्त्तसरस्वती — **रघुवीर**, ज्यौ०, ९११६
१४८. मुहूर्त्तसर्वस्वम् — **रघुवीरदीक्षित**, ज्यौ०, ११८६
१४९. मूर्खशतकम् — प्र०, ३२८० (अ०)
१५०. मूर्तिरहस्यम् — **व्यास**, पु०, ६५३३ (अ०)
१५१. मूलतर्पणविधिः — प्र०, ९०३८
१५२. मूलरामायणम् — इ०, ५२८०, ६५९७, सम्वत् — १९३४
१५३. मूलशान्तिप्रयोगः — प्र०, ६४६४, ४८५१ (अ०)
१५४. मूलशान्तिविधिः — प्र०, २९८५
१५५. मूलशान्तिविधानम् — **कामदेव दीक्षित**, प्र०, ३५६४, सम्वत् —
१८८७ (अ०)
१५६. मूलाध्याय (विवरण सहित) — **कात्यायन**, प्र० ८६१६ (अ०)
१५७. मूलाश्लेषाशान्तिः — म०, प्र०, ६१३१ (अ०)
१५८. मृगारेष्टिप्रयोगः — श्रौ०, प्र०, ६९२८ (अ०)
१५९. मृगारेष्टिहोत्र — श्रौ०, प्र०, ७४२४, ३८२३, ६०६३ (अ०)
१६०. मृतदाहविधिः — **नारायण**, प्र०, ८६२०, ८६२१, ८६२८, ८६४६,
८६४७ ८६५०, ८६५१, ८६५२, ८६५३, ८६५४,
८६६३, ८६६४, ८६६५, ८६६७, ८६७२, ८६७३,
८६७४, ८६७५. ८६७६, ८६७८, ८६७९, ८६८१,
८६८२, ८६८४, ८६८५, ८६८९, ८६९३,,
८६९४, ८६९६, ८७०१, ८७०२ (अ०)
१६१. मृतसञ्जीवनविधि — प्र०, ७९८९ (अ०)
१६२. मृत्तिकास्नानम् — प्र०, ६१३२
१६३. मृत्युञ्जयकल्पविधिः — **शुक्राचार्य**, प्र०, ४८६८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१६४. मृत्युञ्जयजप — म०, ११०५ (ग्र०)
१६५. मृत्युञ्जयप्रयोग — प्र०, ८३१३
१६६. मृत्युञ्जयमन्त्रप्रयोग — **शङ्कर भट्ट**, प्र०, २३३३
१६७. मृत्युञ्जयमानसपूजा — **शङ्कराचार्य**, पू०, ७६०३ (ग्र०)
१६८. मृत्युञ्जयमालामन्त्र — म०, ३८०४, (ग्र०)
१६९. मृत्युञ्जयविधानम् — मं०, ४७५२, सम्वत् — १८६२
१७०. मृत्युञ्जयस्तोत्रम् — स्तो०, ६५१८, ५६२०. ८०४६, ५२३१,
७७०६, ५८४१ (ग्र०)
१७१. मृत्युलाङ्गूलस्तोत्रम् — स्तो०, ५२६६
१७२. मेघदूतम् — **कालिदास**, का०, ८८०१, ८८०३, ४१६४, ४००४,
१७३. मेघमाला — **नारद**, ज्यो०
१७४. मेदिनीकोश — **मेदिनीकर**, को०, ६६६२, ७७७० (ग्र०)
१७५. मेषसंक्रान्तिजलकुम्भदानविधि: — प्र०, २८५७
१७६. मैत्रावरुणप्रयोग: (अग्निष्टोम) — प्र०, ८३७६, ६६३२, (ग्र०)
७६६१
१७७. मैत्रायणी उपनिषत् — उ०, ४०६८, शक — १५००
१७८. मैत्रेय उपनिषत् — उ०, ४२८२
१७९. मोक्षखण्ड — **व्यास**, पु०, ७१७०, ५६२७ (ग्र०)
१८०. मोक्ष-धर्म — (महाभारते) — **व्यास**, ध०, ४६३८, ४६५४
१८१. मोक्ष-धर्मशान्ति — **बौधायनीय**, प्र०, ६६२५ (ग्र०)
१८२. मोक्षदाएकादशीमाहात्म्य — **व्यास**, पु०, ३३५५
१८३. मोहमुद्गर — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ५६५२, संवत् — १९२५, (ग्र०)
१८४. मोहिनीएकादशीमाहात्म्य — व्र०, ४३१३

य

१. यक्षिणीनामस्तोत्रम् — स्तो०, ३८२२ (ग्र०)
२. यक्षिणीपटल — म०, ६१३७, संवत् — १९३६, ८४५८
३. यजुर्वेदसंहिता — वै०, ६१६८, २८८३, ७३२१

४. यजुर्ब्राह्मण — वै०, ६७३६, ६६१८, ८२०१
५. यज्ञोपवीतलक्षणम् — वै०, १००७८, १००७९, ८३४५
६. यतिधर्मसमुच्चय: — **यादव प्रकाश**, ध०, ६१३४, ६८७४
७. यतिराजविंशति: — रामानुजप्रशंसा, प्रशस्ति ६२१२
८. यतिसंस्कार: (संस्कारप्रकाशगत:) — **रुद्रदेव**, प्र०, ५६५० ६८२६,
४११३
९. यन्त्रचिन्तामणि: — **चक्रधर**, ज्यो०, ५८८५, ३१७९ २८३७,
६०७५
१०. यन्त्ररचना (यन्त्रपरिभाषा)—म०, ५१३६
लिपिकार—उमाकान्त
११. यन्त्रराजरचनोपपत्तिप्रक्रिया (यंत्रराजरचनाप्रकार) — **सवाई जयसिंह**,
ज्यो०, ५१६२
१२. यन्त्रावलि: — **नीलकण्ठ**, म०, १०८५१, ४७६५, ३२२६, ३३६७,
३५५०
१३. यमगीता (स्कन्दपुराणगत)— **व्यास**, पु०, ८१२१ (ग्र०)
१४. यमद्वितीयाकथा (भविष्योत्तरपुराणे) — **व्यास**, पु०, ३०५५
१५. यमलोकवर्णनम् — पु०, ८४६६
१६. यमुनापूजा — **व्यास**, पू०, ८६०२, (सं० १८४०), ३७२२,
६०२०
१७. यमुनाशेषानन्तपूजातन्त्र — म०, ८६८५
१८. यमुनाष्टकम् — **वल्लभाचार्य**, स्तो०, ७६५८ (ग्र०)
१९. याज्ञवल्क्यस्मृति: — **याज्ञवल्क्य**, ध०, ६१५३, ६२१६, ६०८२,
६२७९, ६२८३, ६१४२, ८८४१, ४१७१,
४६८३, ८३३२
२०. याज्ञवल्क्यस्तोत्रम् — स्तो०, ६४२१
२१. यात्रालग्नवाराही — ज्यो०, २६०६
२२. युगलकिशोरसहस्रनाम — स्तो०, ४८६०. ७१५८, ३२७५
२३. युगलाष्टकम् — स्तो०, ७२६८
२४. युधिष्ठिरधर्मसम्वाद — ध०, ३७३७
२५. युद्धजयोपाय — म० त०, ६०२३

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२६. युद्धजयोत्सव — गंगाराम, ज्यो०, ५७६४
२७. युद्धप्रकार — ज्यो०, ३१६३, **टीकाधर गुसाईं**
२८. युद्धदीपिका — का०, ५४९६
२९. युद्धावर्त्त — ज्यो०, ४८७४, ३५२७
लिपिकार — विश्रामशर्माशुक्ल
३०. योगफलगाव (वैद्यसारोद्धार) — **हर्षकीर्ति**, वै०, ३४०१
३१. योगचिन्तामणिः — **हर्षकीर्ति**, वै०, ३४०२, ७५३५ (अ०)
३२. योगतरंगिणी — **त्रिमल्ल**, वै०, ६७०२, १११६०
३३. योगदर्पण — यो०, ३२७८ (अ०)
३४. योगफलम् — यो०, ९०२२ (अ०)
३५. योगयात्रा — **वराहमिहिर**, ज्यो०, ५५६६
३६. योगवासिष्ठसार — यो०, ९२१७, ४०९६, ७०११
३७. योगशतकम् — **वररुचि**, वै०, १०८४६
३८. योगशतकम् — **बलभद्र**, ज्यो०; ११५४१, (सं०-१८१८); ३३७३, ३१५१
३९. योगसंग्रह — **चक्रदत्त**, वै०, १११५९
४०. योगसूत्रम् — **पतञ्जलि**, यो०, ११५१५, ७१९५, ९२२१, ८३५६
४१. योगार्णव — **वराहमिहिर**, ज्यो०, ४२७८, ३२४६ (अ०)
४२. योगिनीदशा — ज्यो०, ३३७०, ९८५६ (अ०)
४३. योगिनीदशाप्रकार — ज्यो०, ३१४३
४४. योगिनीपरिचर्या — तं०, ३२१९

र

१. रकारादिरामसहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ९९६७, (संवत् १८७४), ६८०२, ३८३४
२. रघुवंशमहाकाव्यम् — **कालिदास**, का०, १०८४४, १११७५, ६६४०, १००९२, १००९५, १००९६, ८९९१, ८९९२, ८९९३, ८९९७, ९३६८, ९३६९, ९३७०, ९३७१,

९३७२, ९३७३, ९३७५, ९४१९, ९४५७, ९३३४, ९३३५, ९२०६, ९२५६, ९२३२, ९२३३, ९२३४, ९२३५, ९२३६, ९२३७, ९२३८, ९२३९, ९२४०, ९२४१, ८५३२, ८४२२, ८४४३, ८३३६, ८३१८, ४४६५, ४५५०, ४५५४, ४४६९, ४४६३, ४०३६, ४००५
३. रजोदर्शनशान्तिः — प्र०, ४४१६ (अ०)
४. रणकग्रन्थ — वै०, ६९८७ (अ०)
५. रतिरहस्यम् — **कोक्कोक**, काम०, ४६६५ (अ०)
६. रतिशास्त्रम् — काम०, ४६६७ (अ०)
७. रत्नत्रयपरीक्षा (अष्टश्लोकी) — **अप्पयदीक्षित**, वेदा०, (अ०)
८. रत्नदीपकम् — ज्यो०, ७५७६ (अ०)
९. रत्नधारणम् — म०, ८४७९ (अ०)
१०. रत्नसंग्रह — **गोविन्दपण्डित**, ज्यो०, ११७८७, सं०-१७६४
११. रथसप्तमीव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ८०७० (अ०)
१२. रमल चिन्तामणिः — **चिन्तामणि**, ज्यो०, ५८७२, ५७४६ (अ०)
१३. रमलज्ञानप्रश्नविचार — **चिन्तामणि**, ज्यो०, ९०२७ (अ०)
१४. रमलनवरत्नम् — **परमसुखोपाध्याय**, ज्यो०, ९९५८
१५. रमलप्रश्नसंग्रह — ज्यो०, ९१४७
१६. रमलरहस्य — **भट्टोत्पल**, ज्यो०, २८१६
१७. रमलरहस्यसारसंग्रह — **भयभञ्जनशर्मा**, ज्यो० ५०३९
१८. रमलशास्त्रम् — **यामुनाचार्य**, ज्यो०, ३४१८, संम्वत् — १९०२
१९. रमलशास्त्रम् — **दैवज्ञ चिन्तामणि**, ज्यो०, ४२५९, ४२५७ (अ०)
२०. रमलसारः — **श्रीपति**, ज्यो०, ५८०७
२१. रमलेन्दुप्रकाशः — **वाल्मीकि कवि**, ज्यो०, ५७५३ (अ०)
२२. रसकल्लोल — **कविकर्ण**, अलं०, १२६४९
२३. रसगङ्गाधर — **पं० राजजगन्नाथ**, अलं०, ६६६२ (अ०)
२४. रसतन्त्र — **युगलकिशोर**, अलं० ७९७६ (अ०)
२५. रसतरंगिणी — **भानुदत्त**, अलं०, १२६४०, ३५१८, ७७६४, ७४६०

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२६. रसतरङ्गिणी (भोकाव्याख्यासहित) — भानुदत्त, अलं०, ३२८, ३२७
टीकाकार — गङ्गाराम जडी
२७. रसमञ्जरी — शालिनाथ, वै०, ११५२५
२८. रसमञ्जरी — भानुदत्त, अलं०, ३५१६, (सम्वत्—१६००) (अ०)
७१११, ८८१३, ८८१४, ६३२७, ३५१५
२९. रसमीमांसा — गङ्गारामजडी, अलं०, ३२६ (अ०)
३०. रसरत्नसमुच्चयः — वै०, ११५८, सं० १६२५
३१. रसरत्नाकर — वै०, ४२५५ (अ०)
३२. रसराज — वै०, ४६२७ (अ०)
३३. रसविद्यासारोद्धार — वै०, ६३८६ (अ०)
३४. रससंग्रहसिद्धान्त — वै० (अ०)
३५. रसामृतकलम् — वै०, १२६३६
३६. रसायनप्रदीप — वै०, ३२५६
३७. रसेन्द्रचिन्तामणिः — वै०, ७७४३ (अ०)
३८. रहस्यभाष्यम् — वै०, ७०३८ (अ०)
३९. राक्षसकाव्यम् — कालिदास, का०, १२६३३, ३३८४
४०. रागकल्पद्रुम — सं०, १२७०१
४१. राघवशतकम् — स्तो०, ८६५१
४२. राजतरंगिणी — कल्हण, इ०, ५८५३ (अ०)
४३. राजधर्मस्तवराज — स्तो०, ६०८२
४४. राजयोग — यो०, ३१७३
४५. राजराजेश्वरीस्तोत्रम् — स्तो०, ३४७५
४६. राजविजय (स्वरोदय) — रणहस्ती, ज्यो०, ५८३५
४७. राज्याभिषेकदीधितिः (राजधर्म कौस्तुभ) — अनन्त देव, ध०
— स्मृति खण्ड
४८. राज्याभिषेक विधिः — प्र०, ८६६४ (अ०)
४९. रात्रिसूक्तम् -- वै०, ७६६६, (अ०)
४८४३, ७८२५, ३५१४, ४०८३
५०. राधाकवचम् — म०, ६३०५
५१. राधागोपाल पञ्चाङ्ग — म०, ३२३८

५२. राधाजन्माष्टमीव्रतकथा — पु०, ३४६१ (अ०)
५३. राधातापिनी — म०, ३४५६ (अ०)
५४. राधारमणस्तोत्राष्टकम् — स्तो०, ५५०७ (अ०)
५५. राधाविनोदकाव्यम् — रामचन्द्रकवि, का०, १२७०४, ६८५८,
८८०६, ८८१०
५६. राधासहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ८०२८, सम्वत्—१६०६, स्तो० (अ०)
५७. राधासुधानिधिः — हरिवंशगोस्वामी, का०, ११०२४, १२६८२
५८. राधिकाप्राणप्रतिष्ठा —प्र०, २६१६
५९. रामकवचम् — म०, ६३०६ (अ०)
६०. रामकृष्णकाव्यम् — पण्डितसूर्य, का०, ४८८६ (अ०)
६१. रामगीता — व्यास, पु०, ६२६५, ८१८२, ६७८१, ६७२४,
७१५६, ८०१८, ६२१४, ७८७६, ८७७१, ८७६१,
६२६३, ६२६४, ८६६२, ८३५०, ८३४६, ४३४२,
४११६
६२. रामचन्द्रकीर्तिरत्नावलिः — स्तो०, ६१२६
६३. रामचन्द्रपञ्चरत्नम् — विश्वेश्वरदत्त, स्तो०, ६६८५, ६६८६, ६८८
६४. रामचन्द्रस्तवराज — स्तो०, ६१४५, ६८२८, ६४७७, ७३६५,
५८१०, ३८५६, ६०७७
६५. रामचरणपरिचय — स्तो०, ६०५३
६६. रामजन्माष्टमीकथा — व्यास, पु०, ३१२१
६७. रामतापिनीयोपनिषत् — उ०, ७४७५, ४८२८ (अ०)
६८. रामत्रैलोक्यमोहनकवचम् — म०, ५१२६
६९. रामदुर्गास्तोत्रम् — स्तो०, २६३२, १०११७
७०. रामनवमीव्रतकथा — व्यास, पु०, ७६३७, ४२५१ (अ०)
७१. रामनाममाहात्म्य — अच्युताश्रम, स्तो०, ७३५४ (अ०)
७२. रामनामलेखनविधिः — इन्द्रेश्वराचार्य, प्र०, ६४६५, ३३६२,
२६६२
७३. रामनामोद्यापनविधिः — प्र०, ७५०३
७४. रामपद्धतिः — प्र०, ७५०७, ५२१२, ५१२५, ६३०४, ४७६१, २६२५
७५. रामबालचरितामृतम् — का०, ७७६१ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

७६. रामभासुरकसम्वाद — का०, ८०१६ (अ०)
७७. राममन्त्रपटलविधिः —प्र०, ६५१२, २६२३ (अ०)
७८. राममन्त्रराजार्थ — म०, ६१६०
७९. राममानसिकपूजा — पू०, ९२९६, ३५४७
८०. राममाहात्म्य —पु०, ६६८२ (अ०)
८१. रामरक्षाकवचम् — **विश्वामित्र**, म०, ६२६०
८२. रामरक्षामन्त्र — म०, ३८५० (अ०)
८३. रामरक्षास्तोत्रम् — स्तो०, ७३४०, ७८७५, ७६४०, ७६५२,
७६२२, ७८२१, ४६८६, ७८३२, ७८६४,
४६१२, ४६६६, १००६१, १०००४, ६०६२,
६२८८, ४६१७
८४. रामवज्रकवचम् — म०, ५५३०, ५२६६ (अ०)
८५. रामविनोद — **रामचन्द्र**, वै०, १११७४
८६. रामव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ८८*२
८७. रामसहस्रनाम — स्तो०, ६८५१, (अ०) ७७०५, ७२६६, ७८५७,
५४६८, ८२८१, ४६८८, ४६३५, ४१६१, ३१३७,
३७६५, ४०४४, ४०५४ (अ०)
८८. रामसिद्धान्तचन्द्रिका — व्या०, ३०८२
८९. रामस्तोत्रम् (अध्यात्मरामायण) — स्तो०, ८३४४, ८६५२
९०. रामस्तवराज (सनत्कुमारसंहितायाम्) — स्तो०, ११५३६, ११२४५,
४०५६, ३१२७ ३६५६ ४६२८, ५५७६
९१. रामहृदयम् (ब्रह्माण्डपुराणगत) — स्तो०, (म०), १२६७०, ३८७५
९२. रामानुजस्तोत्रम् — स्तो०, ८०४० (अ०)
९३. रामार्यास्तव (पदार्थदीपिकासहित) — **मुद्गल भट्ट**, स्तो०, ५८३३
व्याख्याकार — **महामुद्गल भट्ट**
९४. रामायण — **वाल्मीकि**, पु०, (इ०) ११५३१, ११२३८, ४०७५,
४७३५, ४७४१, ३१२२, ८७३३, ११२३८, ५५५३,
५२१४, ६१८९
९५ रामायणम् — (चतुःश्लोकी) — स्तो०, ७२५२ (अ०)
९६. रामायणम् — **अग्निवेश**, का०, ४७४०, सम्वत् — १६०५

९७. रामायणनाटकम् — का०, ५४५१
९८. रामायणसारसंग्रह — **अप्पयदीक्षित**, का०, ९०५२, ६०८८
९९. रामाष्टकराजस्तोत्रम् — स्तो०, ७७०४, सम्वत् — १८८८, (अ०)
८०४६, ८०३३, ५१०५, ५८३८, ७७५१
१००. रामाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् — स्तो०, ६६७३
१०१. रामोत्तरतापिनीयोपनिषत् — उ०, ६३५२, ४८४५ (अ०)
१०२. रायविधानम् — प्र०, ३२४०
१०३. रावणवध — **भट्टि**, का०, ४४५७, ८४४२, ५२४२ (अ०)
१०४. राशिफलविचार — ज्यो०, ७४४८, २८७३, संवत् — १७६८
१०५. रासपञ्चाध्यायी — **व्यास**, पु०, ३८६६, (अ०) १२०७०
१०६. रासपञ्चाध्यायी — (भागवतपुराण के दशमस्कन्ध से) व्यास, पु०,
७६७४, (अ०)
(वल्लभाचार्य कृत विवरणसहित)
१०७. राहुदानविधिः —प्र०, ८४६३ (अ०)
१०८. रुचिग्रन्थ — प्र०, ३६२६ (अ)
१०९. रुद्रचण्डीमन्त्रयन्त्रविधानम् — म०, ६८४७
११०. रुद्रजाप — म०, ६५४६, संवत् — १६१५, (अ०)
६७६७, ३३४७, ६८३८

१११. रुद्रन्यास — म०, ३५६७, ४५४७ (अ०)
११२. रुद्रमन्त्रजपविधिः — म०, ३४८७ (अ०)
११३. रुद्रमन्त्र — वे०, ६८६६, संवत् — १८७२ (अ०)
११४. रुद्रयामलतंत्रम् — म०, ७६६२, ६८११ (अ०)
११५. रुद्रयामलबगलामुखीकवचम् — म०, ३६१३ (अ०)
११६. रुद्रविधिः — म०, ८२६६
११७. रुद्रविधानपद्धतिः — प्र०, ७८३०, संवत् — १८३२, ४१२१
(अ०)

११८. रुद्राक्षधारणमन्त्र — म०, ४४३६
११९. रुद्राक्षमुखनिर्णय — म०, ८२४३, ६१६० (अ०)
१२०. रुद्राभिषेकः — स्तो०, ७४६१, संवत् — १६१२ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१२१. रुद्राथर्वशीर्षम् — म०, ७१२१ (प्र०)
१२२. रुद्राष्टकम् — स्तो०, ८३१८, सम्वत् — १९०८
१२३. रुद्राष्टाध्यायी — स्तो०, ४५३१, ३८२६, ४३६६, ३१८८, ४०६१ (प्र०)
१२४. रुद्रोपस्थान — प्र०, ४६५८ (प्र०)
१२५. रुद्रोपनिषद् — उ०, ८४६७
१२६. रुद्रचिन्तामणिः — **शिवनाथ**, का०, ७५८६, ६७९३, ४९१८, ७६१३, ८१८९, ५९९७, ६५१४, ६७६४, ६७५७, ६७९३, ४९१८, ७६१३, ५९९७, ६५१४, ६८११, ८१३२, ५२७९, ६३६२
१२७. रूपमण्डन — वास्तुशास्त्रम् — **सूत्रधार मण्डन**, शिल्प, ६२८१ (प्र०)
१२८. रूपावलिः — **हरिदासविट्ठल**, व्या०, ४०५२
१२९. रेणुकासहस्रनाम एवं कवच (पद्मपुराणगत) — **व्यास**, स्तो०, १२२३५
१३०. रोगप्रतीकार — **केशवदास**, वै०, २९७०
१३१. रोगवायुनिवारणविधिः — प्र०, ३२९३
१३२. रोगशान्तिविधिः — प्र०, २९८२
१३३. रोटकव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ८६८८ (प्र०)

ल

१. लक्षणसूत्रटीका — ४०५७ (प्र०)
२. लक्षपुष्पोद्यापनविधिः — प्र०, ८७५२ (प्र०)
३. लक्षहोमपद्धतिः — **नारायणभट्ट**, प्र०, ६१९१ (प्र०)
४. लक्षहोमपद्धतिः — **मुरलीराजशर्मा**, प्र०, ४०३७, सम्वत् — **१९६७**
५. लक्ष्मी अष्टोत्तरी — स्तो०, ३२५७
६. लक्ष्मीनारायणपद्धतिः — प्र०, ६४७५, (प्र०)
७. लक्ष्मीनारायणहृदयम् — **राधावल्लभ**, म०, ७६४४, (प्र०) ६७०७ (प्र०)

८. लक्ष्मीनृसिंहपञ्चाङ्ग — म० तं०, ४२२०, ७८६०, (प्र०)
९. लक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम् — **वेङ्कटनाथ**, स्तो०, ५२६८
१०. लक्ष्मीव्रतपूजनम् — पू०, ६०१८, ४८७१, ३७६२, ३९५२, (प्र०)
११. लक्ष्मीसहस्रनामस्तोत्रम् (स्कन्दपुराण) — **व्यास**, स्तो०, ६७७९
१२. लक्ष्मीसूक्तम् — वे०, ३१००, ८४४०, ३०५० (प्र०)
१३. लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् — स्तो०, ७३५७, (प्र०) ३८७९, ४१६९, ९३५४, ९३०३, ८२७२, ४३५२, ४२९८, ४१६९, ३४०३, ३६४३, ८५११
१४. लग्नचन्द्रिका — **काशीनाथ**, ज्यो०, ६११२, ३०६८, ६११३, ६०५४, ११२२१ (प्र०)
१५. लग्नजातकम् — **काशीनाथ**, ज्यो०,
१६. लग्नप्रश्नकौतुक — ज्यो०, ३०६६, ३०७३ (प्र०)
१७. लग्नप्रश्नज्ञान — ज्यो०, ३१०१
१८. लग्नवाराही — ज्यो०, २८२९
१९. लग्नसारिणी — ज्यो०, ३९६७ (प्र०)
२०. लघ्वाचारचन्द्रिका — **नारायण**, ध०, १२६९०
२१. लघुगीता — ध०, ४६५३ (प्र०)
२२. लघुचाणक्यनीति — **चाणक्य**, नी०, ४३२६
२३. लघुजातकम् अथवा सूक्ष्मजातकम् — **वराहमिहिर**, ज्यो०, ३३३१, ३०७६, ५९८६, (प्र०) ५७४१, ७७७६, ५३३१, ९१४६, १०७६७
२४. लघुतिथिचिन्तामणिः — **गणेश दैवज्ञ**, ज्यो०, ७२७० (प्र०)
२५. लघुन्यास — म०, ८२४८ (प्र०)
२६. लघुवाक्यवृत्तिप्रकरणम् — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ६९२५, ९२८५
२७. लघुवाशिष्ठी — ध०, ३५००, ३८०६ (प्र०)
२८. लघुविन्ध्यमाहात्म्य — पु०, ९२८९
२९. लघुशब्देन्दुशेखर : — **नागेश**, व्या०, ७६५८ (प्र०)
३०. लघुशब्दरत्नम् (प्रौढमनोरमा), व्या०, ५७७४ (प्र०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३१. लघुसिद्धान्तकौमुदी — **वरदराजाचार्य**, व्या०, ७५२२ (प्र०) ४३५१, ३६६४, १००३८, ८९९५
३२. लघूपसर्गदीपिका — व्या०, ३९९७, सम्वत् — १८८५ (प्र०)
३३. लग्नाकम् (सव्याख्यानम्) — **पद्मनाभ**, ज्यो०, ६०८० (प्र०)
३४. ललिताविंशतीस्तव (ब्रह्माण्डपुराणगत) — **व्यास**, स्तो०, ६८८० (प्र०)
३५. ललितापूजा — पू०, ४१०५, सम्वत् — १६७०
३६. ललितासहस्रनाम — स्तो०, ३०१०, ७३७५ (प्र०), संवत्-१८३८
३७. लिङ्गादिसंग्रह — व्या०, १२१०४, संवत्-१९०२
३८. लिङ्गार्चनचन्द्रिका — **सदाशिव**, पू०, ६८४१, १२६६५, सं०-१८९५
३९. लिङ्गाष्टकम् —**शङ्कराचार्य**, स्तो०, ५०६४, १२४३ (प्र०)
४०. लिङ्गप्रतिष्ठा विधिः — प्र०, ६८०५, सं०-१९०९ (प्र०)
४१. लीलावती — **भास्कराचार्य**, ज्यो०, ३१७५, २८९७, ८४२३, ९०२४, ११२०४, ६३३१
४२. लोकव्यवायश्लोकटीका — **काशीनाथ**, प्र०, ९०९४

व

१. वंशब्राह्मणम् — वे०, ११५४९, संम्वत् — १८२९
२. वंशावलीवर्णनम् — इ०, ४१९३
३. वज्रसूचीउपनिषत् —उ०, ६२४२ (प्र०) **सुबोधिनी व्याख्यासहित — शङ्कराचार्य**, ७५९४, ९१२१, ९१००, २८९२
४. वज्राङ्गकवचन्यास — म०, ६५५१ (प्र०)
५. वटेश्वरमाहात्म्यम् (स्कन्द पुराणगत) — **व्यास**, पु०, ६९५३ (प्र०)
६. वत्सद्वादशीव्रतकथा — **व्यास**, व्र०, ८७५७
७. वन्दावलिः — स्तो०, ४३३१ (प्र०)
८. वन्दीस्तोत्रम् — स्तो०, ३२३६
९. वनदुर्गास्तोत्रम् — स्तो०, २९०४
१०. वनभोजनविधिः — प्र०, ८६३७ (प्र०)

११. वनोत्सर्गविधिः — प्र०, ६३१८, (प्र०) ४७४९, लिपिकार—देवीदयाल
१२. वरलक्ष्मीव्रतकथा — **व्यास**, व्र०, ८७५१ (प्र०)
१३. वराहसंहिता — **वराहमिहिर**, ज्यो०, ७२२० (प्र०)
१४. वरिच्छाकल्पलता — प्र० ३३९३ (प्र०)
१५. वरिवस्यारहस्यम् — प्र० ९२८०, ३६७७
१६. वर्षग्रन्थपूजनविधिः — प्र०, ३०५८
१७. वर्षतन्त्र — **नीलकण्ठ**, ज्यो०, ५४९५, (प्र०) ५९५६, २८३६, ३४९९, ९१४८, ९१५३
१८. वर्षपद्धतिः — **केशव**, ज्यो०, ५७१५ (प्र०)
१९. वर्षपत्रफलित — ज्यो०, ३०७८ लिपिकार — नारायण
२०. वर्षयोगावलिः — ज्यो०, ४८१८ (प्र०)
२१. वर्षसारिणी — ज्यो०, ४१९६ (प्र)
२२. वशीकरणमन्त्रएवंमहास्तोत्रम् — म०, ९०७५, ४६५०
२३. वसन्तराज (काकचरित, शिव चरित) — ज्यो०, ५०२१
२४. वाक्यसुधा — शङ्कराचार्य, वेदा०, १२४४८, ४५९९
२५. वाक् (सरस्वती) मन्त्र — म०, १००३४
२६. वाग्भटालङ्कार — **वाग्भट**, अलं०, ६०८७, ५१५४
२७. वाग्भूषणम् — **रामचन्द्र**, व्या०, ६४२८ (प्र०)
२८. वागीशनारायणमन्त्र — म०, ३९८१ (प्र०)
२९. वाजसनेयसंहिता — वे०, ७४०४, (प्र०) ४५८९ २९९६, ३२८१, ८३३०, १००८१ १००८२, १०१०१, ६९४३, ७११०, ५२१३, ५२८१, ६२०७, ५४६२, ५४६६, ७६४०, ५३२७, ७७२३, १२४२९, ११५१९
३०. वाणीभूषणम् — **दामोदर**, छ०, ६९२०, ७७४५ (प्र०)
३१. वादियन्त्रम् — म०, ९९२६
३२. वामनद्वादशीपूजा — पू०, ८४४६
३३. वामनपूजाविधि — प्र०, ४४७७
३४. वामनावतारमङ्गलमाला — **दामोदराचार्य**, पु० (स्तो०) ८७४४
३५. वाममार्ग (कौल धर्म) — द० ३८६८ (प्र०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३६. वायुपुराणम् — व्यास, पु०, १२६८०, ५३८८
३७. वायुशान्तिप्रयोग — प्र०, २९५६, लिपिकार — कृष्ण प्रसाद ।
३८. वायुस्तुतिः — त्रिविक्रमपण्डित, स्तो०, ७३४८ (प्र०)
३९. वाराहपुराण — व्यास, पु०, ८९३७, २८४५, १२६७९
४०. वाराहपुराण एकादशी — पु०, ३११९, २९३९
४१. वाराहीस्तोत्रम् — स्तो०, १२३५
४२. वार्तिकपञ्चीकरणम् — शङ्कराचार्य, वेदा० ४१८५ (प्र०)
४३. वार्षिककालतारिणी — ज्यौ०, ३९७१ (प्र०)
४४. वार्षिकसंग्रह — ज्यौ०, १२४७६
४५. वाल्मीकिरामायणम् — वाल्मीकि, इ०, ९४९८ (प्र०) ३४५८, ८७८६, ९४९३, ९३७७, ८४०८, ८३४६, ४०६९, ४०३१
४६. वाशिष्ठीशान्तिप्रयोग — प्र०, ३१८५
४७. वाशिष्ठीसंहिता — प्र०, २९५५
४८. वासुदेवपूजापद्धतिः — पू०, १२६९८
४९. वासुदेवस्तोत्रम् — व्यास, स्तो०, ५२३०
५०. वासुदेवोपनिषद् — उ०, ६१७१ (प्र०)
५१. वास्तुपूजनपद्धतिः — प्र०, ३०५१
५२. वास्तु (शान्ति) पूजा — पू०, ३०५१
५३. वास्तुप्रदीप — वासुदेव, ज्यौ०, ३९२५, १०११०
५४. वास्तुशान्तिप्रयोग — प्र०, ८९२६, ८३८५
५५. वास्तुशास्त्रम् — शिल्प, ७२९४, ६२५८, ६२५६, ६५२९ (प्र०)
५६. वास्तुशान्तिः — ध०, २९८६
५७. विक्रमाङ्कदेवचरितम् — बिल्हण, का०, १२६९३,
५८. विचारमाला — मरोलमपुरी, वेदा०, १२६४६
५९. विजयतर्पण — प्र०, ९३५२
६०. विजयादशमीपूजाविधिः — प्र०, ३०४८, ३३४२
६१. विज्ञाननौकास्तोत्रम् — शङ्कराचार्य, स्तो०, ३५३२ सम्वत् — १९०२ (प्र०)
६२. विज्ञानमयकोशस्तोत्रम्—शङ्कराचार्य, स्तो०, ९९०२

६३. विट्ठलीपद्धतिः (कल्पवल्ली) — प्र०, ५५२२ (प्र०)
६४. विदग्धमुखमण्डनम् — धर्मदासमूरि, का०, ५१९५ ७६६९, ३४४६
६५. विद्वन्मोदतरंगिणी — चिरञ्जीव भट्टाचार्य, न्या०, ३४४३, (प्र०) ५१४०, ८८५६, ५०३०, ५०२६
६६. विधानपरिजातः — अनन्तभट्ट, न्या०, ७१७१ (प्र०)
६७. विनयमाला—स्तो०, ८०९० (प्र०)
६८. विनायकचतुर्थीविधिः — प्र०, ३००३
६९. विनीतपद्यामृतम् — का०, ३०९०
७०. विन्ध्यमाहात्म्य — व्यासः, पू०, १२६७१
७१. विप्राख्यम् — प्र०, १२११२
७२. विमलापति — प्र०, ४६६३
७३. विलस्तवराजस्तोत्रम् — स्तो०, ३६२४ (प्र०)
७४. विल्वोपनिषत् — शङ्कराचार्य, उ०, ८३९८ (प्र०)
७५. विवाहपद्धतिः — प्र०, ३३५९, (प्र०) ६८०४, ५८००, ५७७५, ८४७१, २९५६, ३६६८
७६. विवाहप्रकरणम् — ध०, ३९१० (प्र०)
७७. विवाहपूजाविधानम् — पू०, ४०४८
७८. विवाहरत्नम् — ध०, ३०५४
७९. विविधकलिकाकवचसंग्रह — म०, १०८४७
८०. विविधविषयकसंग्रह — ३४१२, १०९११, ८५२७, ३४१७ ३४१५, ३४१६, ३४०५, ३४११, ३९४९ (प्र०)
८१. विवेकधैर्यनिरूपणम् — ध० ३८९५ (प्र०)
८२. विवेकमकरन्द — वामदेव, ध० ७६७६ (प्र०)
८३. विशोत्तरीदशाफलम् (दशाप्रकाश) — सीताराम मिश्र, ज्यौ०, ६२९९, ४७९२ (प्र०)
८४. विश्वजित्खण्डम् — गर्गाचार्य, ज्यौ०, ९०५९, सम्वत् — १९०९ (प्र०)
८५. विश्वप्रकाशकोश — परमेश्वर भट्ट, को०, १२६७८
८६. विश्वप्रकाशनिर्णय — ज्यौ० १०,०१०
८७. विश्वनाथाष्टकम् — व्यास, स्तो०, ८३६२ (प्र०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

८८. विश्वमंगलवाराह स्तोत्रम् — स्तो०, ३१५६
८९. विश्वविसर्जनतन्त्र — म०, ४७४३ (अ०)
९०. विश्वेश्वराष्टकम् — स्तो०, ९४६०, ९४६१, ८३०४
९१. विश्वेश्वरस्तोत्रम् (स्कन्द पुराणगत) — **व्यास**, स्तो०, ३६७८ ८४००, (अ०)
९२. विश्वसारतन्त्रम् — त०, ४७६४ (अ०)
९३. विषयताविचार (विषयतावाद) — **गदाधर भट्टाचार्य**, न्या०, ९९३१, ९९२७, ९९२८, ९९३१
९४. विष्णुकवचम् (मन्दाग्नि 'पुराण) — म० ८९३६, ९३६३
९५. विष्णुकरण विवृत्ति — **त्र्यम्बक भट्ट**, ज्यौ०, ३४३९ सम्वत् — १९३१ (अ०)
९६. विष्णुचन्द्रिका — ध०, ६९१२, (अ०)
९७. विष्णुधर्मोत्तर (गरुडपुराण का एक भाग) — **व्यास**, पु०, ८४२९, ४०९७, (अ०)
९८. विष्णुपञ्चकम् — स्तो०, ४७२२, ९०७६, (अ०)
९९. विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् — (ब्रह्माण्डपुराणगत) **व्यास**, स्तो०, ७०२८, (अ०) ७१५४, ६६९१, ९२८४, १००४२, ८९३९, ३८५२
१००. विष्णुपुराण — **व्यास**, पु०, ३६६७, सम्वत् — १८९७
१०२. विष्णुमानसपूजा — **शङ्कराचार्य** पू०, ६७२६ (अ०)
१०३. विष्णुप्रियामहालक्ष्मी — स्तो०, ४९२९ (अ०)
१०४. विष्णुशय्यादानविधिः — प्र०, २९९९
१०५. विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् — **व्यास** , स्तो० , ६९४२, (अ०) ४०७१ ८०१०, १००८६, १००३१, ९१४१, ८९४५, ८९४८, ४५८२, ४६१४, ४१३७, ३१९५, ३२९१, ३३१५, ३६९६, ३५६८, ३६०९, ३६३०, ३६३१, ३६२६, ३८५४, ३८२४, ४०१६, ७१६१, ६७८३, ३६०४, ४१४५, १२६२४, ११५३८

१०६. विष्णुसूक्तम् — वै०, ९८७१, (अ०) ९८७३
१०७. वीरभद्रतन्त्र — म०, ६०४०, ४८८७ ४५०३, (अ०)
१०८. वीरवदनस्तोत्रम् — स्तो०, ३३०२, सम्वत् — १८७४ (अ०)
१०९. वीरेश्वरस्तोत्रम् — स्तो०, ८२४२ (अ०)
११०. वृत्तरत्नाकरः — **केदारभट्ट**, छ०, १०९०८, ६३९१, ४७१२, ३१८३, ३३३
१११. वृत्तरत्नावली — **चिरञ्जीवभट्टाचार्य**, छ०, ८८४८
११२. वृन्दावनखण्डम् (गर्गसंहिता) — **गर्गाचार्य**, ज्यौ० ९०५६ (अ०)
११३. वृन्दावनमाहात्म्यम् (पद्म पुराणगत) — **व्यास**, पु०, ९९००
११४. वृन्दावनशतकम् — **प्रबोधानन्दसरस्वती**, स्तो०, ७८८७
११५. वृषणव्याधिहरण — वै०, ४७१०
११६. वृषोत्सर्ग — **नारायणभट्ट**, ध०, ३६६१, २८८१, ३०२७, ८६१५
११७. वेङ्कटेश्वररहस्यम्, — म०, ८४३९ (अ०)
११८. वेङ्कटेश्वरस्तोत्रम् — स्तो०, ७८०७, (अ०) ३७८२, ७९९६, ७३०७, ७९५३, ८०४७, ८१८१, ७२८७
११९. वेणीदानप्रयोग — प्र०, ८४०१
१२०. वेणीसंहार — नारायणभट्ट, ना०, ७७६३
१२१. वेतालपञ्चविंशतिका — **शिवदास**, कथा, ४०२४ (अ०)
१२२. वेदगायत्री — म०, ४३०५ (अ०)
१२३. वेदस्तुतिः—**व्यास**, स्तो०, ८१५२, ३९८३, (अ०) ९०९३
१२४. वेदसारसाहस्री — **व्यास**, स्तो०, ७९३४ (अ०)
१२५. वेदसाराख्यदिव्य सहस्रनाम — स्तो०, ९४६८, ४२८८
१२६. वेदान्ततत्त्वसार — **रामानुजाचार्य**, वेदा०, ८७०७, ८७८७
१२७. वेदान्त परिभाषा — **धर्मराज दीक्षित** वेदा०, ६१९३, ७८०३, १००७५, १००७६, ९८६३, १००९४, ४४९९
१२८. वेदान्तप्रकरणम् — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ४०९२, सम्वत् — १९४९
१२९. वेदान्तविमर्श — वेदा०, ८२५८ ८९४१ ८९०९, ९१८५, १००३३
१३०. वेदान्तविवेक — वेदा०, ९२१६

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१३१. वेदान्तसंज्ञाप्रक्रिया — वेदा०, ३६१६, ३५९८, सम्वत् — १९०३
लिपिकार — दीनदयाल सैंतपाल।

१३२. वेदान्तसंज्ञाप्रकरणम् — वेदा०, ६६२७, सम्वत् — १८९४ (अ०)

१३३. वेदान्तसार: — **सदानन्द सरस्वती**, वेदा०, ६२०६ (अ०) ८९१०, ९११०, ९२१८, ९९७५, ८४८६, ४३६४, ४३३९, २९७९, ८३५१, ३५८३, ३६६२, ३८९३, ६७९२, ५४३२, ८१२९, ६१८८, ७८०६, ६१५०, ५९६४, ६६३९, ७४३८, ७५९८, ६८८१, ६६३१, ७७३४, ६३८२, ६४०४, ६३२४, ३६१६, ६८९४, ५२११, ७६७८, ७५९७, ७१६५,

१३४. वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली (व्याख्या सहित) — **प्रकाशानन्दसरस्वती**, वेदा०, ७०८९, ४२४९, ४२८५, ४१९०, (अ०)

१३५. वेदार्थप्रकाशिका — **सायणाचार्य**, वे०, ९३९१

१३६. वेदाष्टकम् — वेदा०, ७२७५, (अ०)

१३७. वेदोक्तविधि: — **रामानुज**, प्र०, २९३७

१३८. वैदिकसंहिता — वे०, ७६८८, ७१८३, ७३८९, ६४८०, ६८२५, ६८१३, ६४१६, ४९६९, ४४६७, ८१९८, ८१०८, ७९२०, ७७३३, ८१०८, ८१९८, ५३२४, ५४६७, ६४१६, ७८९७, ७२४६, ७२६२, ७३१८, ७३३०, ५४७९, ५१६०, ५२३५, ७७२५, ७७२९, ७२७७, ७१९३, ६९९३, ७८५५, ७२०७, ७८२४, ४९७१, ४९९९, ४९३१, ६४०३, ६४१०, ६३१४, ६३०२, ६४१२, ५४६९, ५४१९, ५३६१, ५३२९, ५३२१, ५२२०, ५१७६, ५१५७,

५१०९, ६८२७, ६७१२, ६७३२, ६३२२, ४९५३, ७०३२, ७३८४, ६६९५, ७८८२, ७२७२, ७०८२, ६६९५, ७३८४, ७४०२, ८०८६, ८१३८, ८०३७, ५९४३, ५९७६, ६०२६, ६१०७, ६१०८, ६१३९, ६०८५, ६३८०, ५९४९, ५९६०, ७३३२, ७६०४, ७६९३, ५०३७, ४९९२, ४९८४, ४९६८, ४९६०, ५४७६, ५३१८, ५२६५, ७१५०, ७११४. ५९१२, ७८३८, ७८२६, ६९७९, ४९८२, ४९८५, ४८८३, ७६८९, ६७७१, ७३८३, ७३७८, ७३५०, ७७८१, ७६८७, ७६९५, ७७२८, ७६३४, ७०३६, ७०८६, ३७६१, (लिपिकार — मोरभट्ट) ४४०१, ४४००, ७१५१, १००७४, ९९०४, ९९०८, ७४४०, ७७१४, ७२६१, ७७३१, ७६९०, ७५७३, ९९३९, ९९९२, १०००३, ९९४९, ९२७१, ८९२९, ८५३१, ८४७२, ८४५२, ८४२६, ४६२७, ४६२५, ८४४८, ८४३३, ८४३४, ४६११, ४५६६, ४५८१, ८३१०, ८२३३, ८२६७, ८२४१, ८२८२, ४६४३, ४६५५, ४६८४, ४६६२, ४५७२, १०१०५, १००१२, १०११३, ४६९९, ४५३२, ४५२३, ४५३०, ४५२२, ४५२५, ४५३३, ४४६७,

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४४६६, ४४६२, ४४९२, ४३०८,
४२९७, ४३००, ८३८७, ८३२५,
८३२९, ८३६१, ८४०९, ८३९३,
८३२३, ८३३१, ३७१९, ३७७६,
९०६०, ९८५०, ९८६४

१३९. वैद्यजीवनम् — **लोलिम्बराज**, वै०, ६२३३ (अ०) ६९१९, ७७८३,
३९०५, ६६३३

१४०. वैद्यरत्नम् — **शिवानन्दभट्ट**, वै०. ८६३० (अ०)

१४१. वैद्यसर्वस्वम् — अर्जुन, वै०, ४०४५, सम्वत् — १९६७, (अ०)
४२११, ३४९८, १००८३, २८३१, ३१७१

१४२. वैयाकरणभूषण — **कौण्डभट्ट**, व्या०, ३४२५, ४६७२, ३६४५,
७५२५, ७३७३

१४३. वैयाकरणसिद्धान्तमञ्जरी — **नागेशभट्ट**, व्या०, ९००७, (अ०)

१४४. वैराग्यशतकम् — **भर्तृहरि**, का०, ६६६६ (अ०) ६४३१, २९६६,
७०७८, ७५६१, ८८४७, ८३३३

१४५. वैरीवारणकवचम् — म०, ४६५२ (अ०)

१४६. वैश्वदेव — वै०, ८६१७ (अ०) ४४०४, ९८६७, ९८७७, ९८७८

१४७. वैश्वदेवीहौत्रम् — हौ०, ८३८६ (अ०)

१४८. वैश्वरारेष्टिहौत्रप्रयोगः — **महादेव**, प्र०, ७०४७ (अ०)

१४९. वैशाखमाहात्म्यम् (स्कन्द पुराणगत) — **व्यास**, पु०, ७२०४, (अ०)
४८७०, ९०६५, ९९६८,
९९१६, ९२९२, ९०६४, २८६४

१५०. वैष्णवस्तोत्रम् — **व्यास**, स्तो०, ५२६३ (अ०)

१५१. व्यवहारमयूख — **नीलकण्ठ**, ज्यो०, ३५२४ (अ०)

१५२. व्यासपूजा — पू०, ७९२८, (अ०) ७५७३

१५३. व्यवहारव्यवस्था — प्र०, ७४०१ (अ०)

१५४. व्युत्पत्तिवादः — **गदाधर**, न्या०, ६२८८, ३४३२ (अ०)

१५५. व्यतीपात व्रत कथा — पु०, ८१३१ (अ०)

१५६. व्याप्त्यनुराग — न्या०, ९२७३

१५७. व्याकरणविषयकसंग्रह — व्या०, ७१४७, (अ०) ८३७६,
३७२०, ३६८१, ३७८५, ३८६४, ४४०५,
४४०९, ९९९७, ९८७२, ९८८३, १०००,८
१०००५, १०००७, १०००६, ४४१३,
९९४५, ९२६२, ९२६६, ९२६७, ९२६८,
८५१०, ८४९०, ८५०८, ८४८९, ४२७९,
४३५५, ४६७७, ४७३४, ८३१९, ४७३२,
४५८५, ८४१४, ३३९१, ३३९५, ९४९९,
९३७८, ९४५५, ९३७३, ८३३८, ८४०६,
८१४०, ५०८०, ५३६८, ७२१०, ७७५७,
७७६७, ७१८९, ७३६१ ६८५९, ४९००,
५४८१, ५३१७, ५१२३, ५०८३, ५२१७,
८१३४, ८०९४, ८००२, ६२०८, ६११४,
५२७४, ४९२२, ५६९५, ५६५४, ५३७८,
५२५३, ६१११, ६०९५, ६०५८, ५९२६,
७२९२, ५८९३, ६५९४, ७७९९, ७५५०,
७२०८, ७१४८, ७१२०, ६७३७, ९९०६,
९९०७, ६५६३, ६३६७, ८४५१, ४२२४,
६०७४, ८२९८, ४२२९, ९९१७, ८३९५,
१०७६९, ९९२०, ८४११, १०७७३

१५८. व्यङ्कटेशस्तोत्रम् — स्तो०, ३८७६, (अ०) ९३४९, ९४५८, ९१३३

१५९. व्रतप्रतिष्ठा — व्र०, २९१७, १००२०

लिपिकार — किशोरेमिश्र

१६०. व्रतराजव्रतकथा — व्र०, ८४२०

१६१. व्रतार्क — **शङ्कर भट्ट**, व्र०, ६०५७, (अ०) ७३८६, ८११४, ६६३८

१६२. व्रतोद्यापनकौमुदी (स्कन्द पुराणगत) — **रामकृष्ण**, व्र०

१६३. व्रतोद्यापनविधिः — प्र०, ७५८५, ३०६६, ६२४० (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

श

१. शङ्करदिग्विजयः — **माधवाचार्य**, का०, ७०९६, संवत् — १९०४ (प्र०)
२. शङ्करविजयः — **माधवाचार्य**, का०, ७०४८ (प्र०)
३. शङ्करव्रतचतुर्थी — व्र०, ४४४३ (प्र०)
४. शङ्करसंहिता (स्कान्दे) — पु०, १२६५५
५. शङ्करादिशिवसहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ७१६२
६. शक्तिवादः — **गदाधरभट्ट**, न्या०, ६२८७ (प्र०)
७. शकुनग्रन्थ — ज्यौ०, ४७९७
८. शकुनवसन्तराज — ज्यौ०, ३५७३ (प्र०)
९. शकुनशास्त्रम् — **वसन्तराज** ज्यौ०, ५२८८
१०. शतचण्डीविधानम् — स्तो०, ८३८४, ४३३७
११. शतनामस्तोत्रम् (विष्णुपुराणगत) — **व्यास**, स्तो०, ११००८
१२. शतपथब्राह्मण — (सायणाचार्य कृतटीकासहित), वे० (ब्राह्मण)
१३. शतपदीस्तोत्रम् — **शङ्कराचार्य**, स्तो०, ८९५३
१४. शतपिण्डविधिः — प्र०, २९३८
१५. शतकपूजा — **शङ्कराचार्य**, पू०, ४१४३
१६. शतरुद्री (शतरुद्रियशिवस्तोत्रम्) — **व्यास**, म०, १११९९, ११२१४, ४७९४, ९१४५
१७. शतश्लोकी (शतकम्) — **त्रिविक्रमभट्ट**, वेदा०, (**शङ्कराचार्यकृतटीका** सहित) ५९५९ (प्र०)
१८. शत्रुविध्वंसिनीमन्त्र — म०, ८९७०, सम्वत् — १८६५
१९. शत्रुञ्जयस्तोत्रम् — स्तो०, ३२२५
२०. शत्रुविध्वंसनस्तोत्रम् — स्तो०, ४४९६
२१. शनिकथाप्रयोग — प्र०, ३२२०
२२. शनिपूजाविधिः — प्र०, ९८४१
२३. शनिप्रदोषव्रतम् — **गौरीदत्त**, व्र०, ४१११, सम्वत् — १९०२
२४. शनैश्चरस्तोत्रम् — **व्यास**, स्तो०, ९३३८, (प्र०) ९३३९, ४५९२, ७८२०, ५११०, ५७१४

२५. शब्दकौस्तुभ — **भट्टोजिदीक्षित**, व्या०, ६३३०, (प्र०) ७७६६, ९०१०
२६. शब्दखण्डचिन्तामणि — न्या०, ९३२४
२७. शब्दपरिष्कारः — व्या०, ७४८६
२८. शब्दरूपावलिः — व्या०, १०७६५, १०७६६, ४६३७ (प्र०)
२९. शब्दशक्तिः — न्या०, ६३०३ (प्र०)
३०. शब्दार्थनिघण्टु — **धनञ्जय**, को०, ३१६०
३१. शब्दानुशासनम् — **शाकटायन**, व्या०, ६५४५
३२. शब्देन्दुशेखरः — **नागेशभट्ट**, व्या०, ७३६८, ४२३१, ३९३६, ४२३६, ७५४६, ६६७६, ७२७९ (प्र०)
३३. शम्भुहोराप्रकाशः — ज्यौ०, ६४५० (प्र०)
३४. शय्यादानविधिः — प्र०, ५६८६ (प्र०)
३५. शरभकवचम् — म० (तन्त्र), ६९९८, संवत् — १९५५ (प्र)
३६. शरत्विधानम् — **गयाशिरवैद्य**, प्र०, ४५९३
३७. शरभपद्धतिः — प्र०, ४३५८ (प्र०)
३८. शरभपूजनविधान — पू०, ४७६२
३९. शरभसहस्रनामस्तोत्रम् — स्तो०, ७००३, संवत् — १९६५ (प्र०)
४०. शरभस्तोत्रम् — स्तो०, ४७२४
४१. शरणागतस्तोत्रम् — स्तो०, ३३०१, सम्वत् — १९०२
४२. शाकलसंहिता — (शाकल्यसंहिता) — वे०, १२०६४, सम्वत् — १९५७
४३. शान्तिकमलाकर — **कमलाकरभट्ट**, ध०, १२६६३
४४. शान्तिक्रम (काव्यविलास) — **कमलाकरभट्ट**, ध० ४०२६
४५. शान्तिपद्धतिः — **शौनक**, प्र०, ७७४० (प्र०)
४६. शान्तिप्रयोगः — ६२७७, प्र० (प्र०)
४७. शान्तिपाठ — म०, ९८५२, ९८५५, ९८५७ (प्र०)
४८. शान्तिमयूख — **भट्टनीलकण्ठ**, ज्यौ०, ३५०८, ४८०५ (भगवन्त भास्कर नामक ग्रन्थ का १२ वाँ अध्याय) — लिपिकार — सीताराम सनाढ्य,

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

४९. शान्तिरत्नम् (शतचण्डी, सहस्रचण्डी) — **कमलाकरभट्ट**, प्र०, ६७९७, सम्वत् — १८३४

५०. शान्तिविधिः — प्र०, २८७८ लिपिकार — किशोरेमिश्र

५१. शान्तिसूक्तम् — वे०, ३७४३ (अ०)

५२. शाम्भवाचारकौमुदी — **काशीनाथ**, त०, ३७७०, ६०६०

५३. शारीरकप्रकरणवार्तिकम् — वेदा०, ८१०७ (अ०)

५४. शारीरकमीमांसाभाष्य — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ६०९१ (अ०)

५५. शारीरकमीमांसाभाष्य — **रामानुज**, वेदा०, ३८३६, ३९३९, ३८३५, ३८३७

५६. शारीरकव्याख्याभाष्य — **गोविन्दानन्द सरस्वती**, वेदा० (अ०)

५७. शार्ङ्गधरपद्धतिः — **शार्ङ्गधर**, का०, ७१८४ (अ०)

५८. शार्ङ्गधरसंहिता — **शार्ङ्गधर**, वै०, ११५२३, सम्वत् — १८५३

५९. शार्दूलछन्द — छ०, ४६१८ (अ०)

६०. शालिग्रामस्तोत्रम् — स्तो०, ७५१७, ७३४४ (अ०)

६१. शालिहोत्रम् (अश्वचिकित्साशास्त्रम्) — **शालिहोत्र**, अ० चि०

६२. शास्त्रदीपिका — **पार्थसारथिमिश्र**, मी० ६९३३ (अ०)

६३. शिक्षासमुच्चयः — वेदाङ्ग, ५११९, ७४०७

६४. शिरोमणि अनुमानखण्ड — **शिरोमणि**, न्या०, ९२७६

६५. शिरोमणिभाष्यम् — **शिरोमणि**, न्या०, ९५०४, ९५०५, ९५०७, ९५०६

६६. शिरोव्रतम् — व्र०, ४२०९ (अ०)

६७. शिलान्यासप्रयोग — प्र०, ४३१४ (अ०)

६८. शिलान्यासविधिः — प्र०, ३७४२, ३८१३ (अ०

६९. शिवकवचम् — म०, ५४६३, ५२३८, ५८९२, ५५३९, ५३८२, ५०२२, ५०८१, ६५३२, ५७५०, ३६९३, ३३४३, ४१३९, ४३६१, ४७५०, ४४६०, ५२७२, ५२७३, ८४७७, ८३२२, ७११८

७०. शिवगायत्री — म०, ५५९४

७१. शिवगीता (पद्म पुराणगत) — **व्यास**, पु०, १२६१५, ४१२०, ९४००, ९४४८, ५८७६

७२. शिवताण्डवस्तोत्रम् — स्तो०, ५०५५, ३६८२, ४५६५ (अ०)

७३. शिवदक्षिणासहस्रनाम — स्तो०, ३८७१ (अ०)

७४. शिवपुराणम् — **व्यास**, पु०, १२६८१

७५. शिवपूजापटल — पू०, ७३३७, १००९८ (अ०)

७६. शिवपूजनम् — पू०, ८०७५, (अ०) ८१७४, ८०६९, ८१२२, ८२१८

७७. शिवपूजाध्याय — पू०, ८२६१, ९३४४ (अ०

७८. शिवपूजासंग्रह — **वल्लभेन्द्र सरस्वती**, पू०, ४२३९ (अ०)

७९. शिवभक्तिविलास (स्कन्द पुराणगत) — **व्यास**, पु०, ९९६३

८०. शिवमयवर्म्म — म०, ३८८३ (अ०)

८१. शिवमहिम्नस्तोत्रम् — **पुष्पदन्ताचार्य**, स्तो०, ६०५०, ३८५६, ३८६२, ३६०५, ३६९८, ३९४४, ५२२९, ५२०५, ५०७०

८२. शिवमाहात्म्यम् — **व्यास**, पु०, ८१५५ (अ०)

८३. शिवरामस्तोत्रम् — **रामानन्दसरस्वती**, स्तो०, ३८६६

८४. शिवरात्रिमाहात्म्यम् — **व्यास**, पु०, ६१७८ (अ०)

८५. शिवरात्रिव्रतम् — व्र०, ५१४९

८६. शिवरात्रिव्रतकथा — **व्यास**, पु०, ८११७, (अ०) ७२१३, ६०७३, ५६३९, ५६८३, ८८७८, ३१०३, २९५७, ३३७९, ८७३४, ४६०६, ४५९०, ८६६०

८७. शिवरात्रिव्रतोद्यापनकथा — **व्यास**, पु०, ५३३२

८८. शिवलीलामृतम् — **ब्रह्मानन्द**, पु०, ८७१० (अ०)

८९. शिवलिङ्गपूजनम् — **व्यास**, पु०, ९४७०

९०. शिवलिङ्गस्थापनविधिः — **विश्वेश्वर**, पू०, ३७७१, २९१८

९१. शिवालिखितम् (शिवामुहूर्त्ताः) — ज्यौ०, ३३६०, ३३६१, ५५११ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

९२. शिववर्म्मकवचम् (स्कन्द पुराणगत) — **व्यास,** म०, ६८७४, ८१४५ (अ०)

९३. शिवशतनामस्तोत्रम् — स्तो०, ६५७७ (अ०)

९४. शिवसहस्रनाम — स्तो०, ७८४१, (अ०) ८५१२, ४१२४, ४४५६, १००३५, ४०७४, ३९८५, ३८२८, ४१६३

९५. शिवसहस्रनामस्तोत्रम् (रुद्रयामलतन्त्रे) — स्तो०, ५४७४

९६. शिवसहस्रनामस्तोत्रम् (पद्मपुराणगत) — स्तो०, ४१२४, ७०२०, ४४५६, ८५१२, ११२०६

९७. शिवसहस्रनामावलिः — स्तो०, ६२११ (अ०)

९८. शिवस्तोत्रम् — स्तो०, ७८८६, (अ०) १२६२९, ८४०४, ४६२३, ४५७८, ९३४०, ४६०३, ३५७६, ३६४२, ३६८०, ३८०३, ४१८६, ४४८३, ५१८९, ८५२०, ४३०६, ६२६९

९९. शिव अष्टोत्तरशतनाम — स्तो०, ८३४३, ४५९६ (अ०)

१००. शिवार्चनपद्धतिः — पू०, ८६६८ (अ०)

१०१. शिवोपनिषत् — **श्रीहरि,** उ०, ४५६८ (अ०)

१०२. शिशुपालवध (माघकाव्य) — **महाकविमाघ** का०, ११९९१, (अ०) ३३४, ८५०६, ९३३०, ९३३२, ९३३३, ९८८७, ४००१, ४०१०, ४००२, ३९०९, ८२५३, ८९९४, ८९९८, ९४३४, ९४३५, ९४२३, ९४२४, ९४२६, ९४३०, ७०४९, ७०४२, ६४४५, ६९४६, ७०१७, ६८३७, ६७८२, ५२२८, ७८९०, ६५०३, ९०८८, ७१४५, ४०८५

१०३. शीघ्रबोध — **काशीनाथभट्ट,** ज्यो०, ६२२३, ५९०९, ४०८८, ६१८५, ५७२७, ४७२९, ४३४४, ४४२०, २८९४, २८५०, २८२४, २८६८, ३१९२, ९९५७, ३९०३

१०४. शीतलाष्टकम् — स्तो०, ५८०९, ८१९३, ८१११, ५०५७, ८३६५, ९३४१, ३७५३

१०५. शीतलातन्त्रम् — म० । त०, ३०९९

१०६. शीतलाव्रतकथा — पु०, ३६९९

१०७. शीतलास्तवराज — स्तो०, ४२१५

१०८. शीतलास्तोत्रम् — (ब्रह्माण्डपुराणगत) — **व्यास,** पु०, १०८६०, (संवत्-१९३४), ८२४९, ४७५६, ३७५७, ४७३६, ३२९६, ३१९९

१०९. शुकरम्भासम्वाद — वेदा०, ९१४२

११०. शुकरहस्योपनिषत् — उ०, ९९८७, संवत्-१९०३

१११. शुक्लयजुर्वेद — वे०, ६८४५

११२. शुद्धिप्रभा — **वाचस्पति,** ध०, १२४५५

११३. शुद्धिविवेक — **रुद्रधर,** ध०, २९१४

११४. शूद्रतपर्णविधिः — ध०, ४६१९

११५. शेष आर्यापञ्चाशीति — **शेष,** का०, ८९०३

११६. श्यामाकवचम् (भैरवतन्त्रगत) — म०, ३१६९

११७. श्यामारहस्यम् (श्यामलारहस्यम्) — **पूर्णानन्द गिरि,** पू०, ५८७५, ७२३३ (अ०)

११८ श्लोकसंग्रह — सु०, १२६१६, ८४५६, ५९५८, ६०३०, ४२१९, ४२६३, ४२५५, ४२५२, ३७९९, ३८७२, ३८९४, ३९५३, ४०६०, ४५८८, ४६६४, ८२२९, ८२०२, ३७९४, ७३०२ (अ०)

११९. श्वेताश्वतरोपनिषत् -- उ०, ६३२९, ८४०७ (अ०)

१२०. श्रवणविधिः — प्र०, ३१४२

१२१. श्राद्धकर्म्म विषयक — ध०, ५१६७, ५१३३, ५४४१

१२२. श्राद्धकल्पना — ध०, ३८४५, ४३९४

१२३. श्राद्धकारिका — ध०, ४६०८ (अ०)

१२४. श्राद्धगणपतिः — **रामकृष्ण,** प्र०, ६६२८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१२५. श्राद्धचिन्तामणिः — **वाचस्पति**, प्र०, ६८८२, सम्वत्-१९१२ (अ०)
१२६. श्राद्धनिर्णय — ध०, ३९२२, ८२९७
१२७. श्राद्धपञ्चशान्तिः — प्र०, ३३७५ (अ०)
१२८. श्राद्धपद्धतिः — प्र०, ७७५४ (अ०)
१२९. श्राद्धपद्धतिः (तर्पणादि) — प्र०, १२४४७
१३०. श्राद्धपद्धति (प्रयोग) — प्र०, १००४०, ४३९८, ६४९२, ४७२५
१३१. श्राद्धमयूख — नीलकण्ठ, ज्यौ०, ३५१०, सम्वत्-१८५३ (अ०)
१३२. श्राद्धविधिः — प्र०, ८४८८, ३६३३, ४३७८ (अ०)
१३३. श्राद्धविवेकः — **रुद्रधरोपाध्याय**, प्र०, ३०४१
१३४. श्राद्धोपक प्रदीप — प्र०, (ध०), १२६५८
१३५. श्रावणकर्मनिर्णय — ध०, ७३२५ (अ०)
१३६ श्रावणद्वादशीव्रतकथा (भविष्योत्तरपुराणगत) — **व्यास**, पु०, ११११९६, संवत्-१८५७

१३७. श्रावणमहिमादानविधिः (महाभारतस्यवनपर्वंतः) — प्र०, ५१४७
१३८. श्रावणशुक्लाएकादशी — प्र०, ३३५४
१३९. श्रावणादित्यवारपूजा — **व्यास**, पू०, ८८६३
१४०. श्रावणी उपाक्रम – पु०, ११२०२, ४३६३
१४१. श्रीकृष्णकवचम् — म०, ८९५५
१४२. श्रीकृष्णकर्णामृतम् — **लीलाशुक**, का०, ६०९० (अ०)
१४३. श्रीहार्दिकसार — का०, ३२४५
१४४. श्रीपद्धतिः (राधा, कृष्ण एवं चैतन्य उपासना परक) — पू०, ३७४७
१४५. श्रीपरम्परा — पू०, ९१५८
१४६. श्रीसहस्रनाम — स्तो०, ४३५० (अ०)
१४७. श्रीसूक्तम् — वे०, ७१६३, ३७२७ (अ०)
१४८. श्रीसूक्तभाष्यम् — **सायणाचार्य**, वे०, ६३९४, संवत्-१६८९ (अ०)
१४९. शृङ्गारतिलकम् — **रुद्रट**, अलं०, ६५६८ (अ०)
१५०. शृङ्गारतिलकम् — **कालिदास**, का०, ६६४६, संवत्-१८८४ (अ०)
१५१. शृङ्गारविलासिनी — **देवदत्त**, का०, १२६३५
१५२. शृङ्गारशतकम् — **भर्तृहरि**, का०, ६७९०, ३९५४ (अ०)

१५३. श्रुतबोध — **कालिदास**, छ०, ८८५९, ६६००, ८२५७, ३५२२, २८७०, ३८९२
१५४. श्रुतिसारसहस्रनाम (पद्म पुराण) — **व्यास**, स्तो०, ६१५२
१५५. श्रुतिसार समुद्धरण — **त्रोटकाचार्य**, वेदा०, ६९१७, ७१०५
१५६. श्रौतपद्धतिः — **गर्गाचार्य**, श्रौ०, प्र०, ६९७७
१५७. श्रौतसूत्रमंत्र — मं०, ४०४३ (अ०)
१५८. श्रौतसूत्रम् — श्रौ०-प्र०, ६८६८, ३८१७, ८०६५ (अ०)

ष

१. षट्कारकविवरणम् — श्रीरत्नपाणि, व्या०, ४०९४, सम्वत्—१८८०
२. षट्पञ्चाशिका — **पृथुयशाः**, ज्यौ०, ७१८८, (अ०) ३३७२, २८७२, २८८९, २८९५, ३८३१, ४४१५, ४६००, ४५९७, ९१११९, ९१२०, ९९७९, ७२६३: ३४६४, ३५२३

३. षट्पदी मञ्जरी — **शङ्कर**, वेदा०, ८७१६ (अ०)
४. षट्पदीविवरणम् — वेदा०, ४२१३, सम्वत् — १९२२
५. षट्पदीस्तोत्रम् — **शङ्कराचार्य**, स्तो०, ५९३६, ९१७६ (अ०)
६. षडङ्गरुद्रन्यासः — प्र०, ५५३७
७. षड्विंशब्राह्मणम् — वे०, संवत् — १८२९, ११५४६, ११५४४
८. षष्ठीपूजा — पू०, ६४२५ (अ०)
९. षोडशमातृपूजाविधिः — पू०, ३६११, सम्वत् — १८७० (अ०)
१०. षोडशयात्रापद्धतिः — **व्यास**, प्र०, ५४८९
११. षोडशयोगाः — ज्यौ०, ५७३० (अ०)
१२. षोडशसोमवारव्रतकथा — **व्यास**, व्र०, ६१३८ (अ०)
१३. षोडशीपूजा — **सुकरपाण्डेय**, पू०, ४७४४, सम्वत् — १९९२
१४. षोडशोपचारपूजाविधिः — प्र०, ७९५१, (अ०) ३९६४
१५. श्रावणमाहात्म्य (स्कन्दपुराणगत) — **व्यास**, पु०, ४२१८
लिपिकार — नन्दरामदीक्षित।

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

स

१. सङ्कटचतुर्थीव्रतकथा — व्यास, पु०, ८६४२, ८२९४
२. सङ्कल्प (नवग्रहाराधना) — पू०, ३९७५ (अ०)
३. सङ्कल्पश्राद्धविधिः — प्र०, २८५६
४. सङ्कष्टचतुर्थीव्रतोद्यापन — व्यास, पु०, ४५७४ (अ०)
५. सङ्कटास्तोत्रम् — व्यास, स्तो०, ५०९७, ५४३०
६. संक्षिप्तसारः — प्र०, ६५७९ (अ०)
७. संक्रान्तिविचारएवंविवाहफलम् — ज्यौ०, १०८४१, सम्वत् —१८८८
८. संकेतकौमुदी — व्या०, ३१५९
९. संक्षेपशारीरकप्रकरणवार्तिकम् — सर्वज्ञात्ममहामुनि, वेदा० ७०१५ (अ०)
१०. संक्षेपरामायण — वाल्मीकि इ०, ७०२९, (अ०)
११. संख्याक्रम — अष्टावक्र, प्र०, ३१४६
१२. संगत्य — कालीशंकर, प्र०, ९१९६
१३. संगतिग्रन्थ — न्या०, ९३२०, (अ०)
१४. संगीतदर्पणम् — लक्ष्मीधर, सं०, ९९०३, ८४३२ (अ०)
१५. संगीतशास्त्रम् — सं०, ४२४३ (अ०)
१६. संग्रामदर्पण — का०, ३१५४
१७. संज्ञाप्रकरणम् — व्या०, ६७४३, ९१४५ (अ०)
१८. सन्तानगोपालमन्त्र — म०, ७८४०, ४८९२, ५०५८, ५००८, ४९८० (अ०)
१९. सन्तानगोपालपूजापद्धतिः — प्र०, ८०१४ (अ०)
२०. सन्ध्याजप — पू०, ८३७० (अ०)
२१. सन्ध्याप्रयोगः — प्र०, ३१९६, ३४८४, ३८४२, ६४६८ संवत् — १९१३, ७९०५, ७६२२, ५२५९, ६७७४, ५४१०, ५२३४, ६०४९, (अ०) ३१९६, ३४८४, ३८४२, ८३८१
२२. सन्ध्याविधिः — प्र०, ८१३३, ६५७६, ८०५१, ८३५४ (अ०)
२३. सन्ध्योपासनविधिः — प्र०, ५८३९, ४५७९, ३३६६, ७१८२, ५८४५, ६११९

२४. सन्यासपद्धतिः — रुद्रदेव, प्र० ४५४४, ४८०८, संवत् — १९०४
२५. सन्यासनिर्णय — सन्यास विधिः — प्र०, ३००५, ७८३५ (अ०)
२६. सन्याससन्ध्या — प्र०, ६५१३ (अ०)
२७. संस्कारमाला — ध०, ७६७१ (अ०)
२८. संस्कारप्रयोगः — नारायण भट्ट, प्र०, ७३१३ (अ०)
२९. संस्काररत्नमाला — गोपीनाथ दीक्षित, प्र०
३०. संहितापञ्चमाष्टकम् — वे०, ६११०, ५०१२, ५२८३ (अ०)
३१. सन्तानसुन्दरीपटल — म०, ४७५८
३२. सन्ध्याकालनिर्णय — प्र०, ३३६६
३३. सम्वत्सरपूजनम् — पू०, ३३८०
३४. संस्कारविधिः — प्र०, २८८६, ३०२२
३५. संस्कृतमञ्जरी — महादेव त्रिपाठी, (संस्कृत शिक्षापरक) ३०८०
३६. सकलैकादशी — ध०, ३३५६ (अ०)
३७. सत्यनाराणव्रतकथा — व्यास पु०, २९१३, ३२४०, ३४०६, ४३९२ (अ०)
३८. सत्योपाख्यानम् — व्यास, पु०, १२७००, १०८४५, ७०६७, ७२३९
३९. सदंगमन्त्रार्थं — काशीनाथ भट्ट, प्र०, ९४६४
४०. सद्योगसंग्रह — चक्रदत्त, यो०, ११११९
४१. सदाशिवकवचम् (भैरवी तन्त्रगत) — म०, ११२०५ (अ०)
४२. सदाशिवसन्मुखीस्तोत्रम् — स्तो०, ५११८
४३. सदाचारस्वरूपम् — रामकृष्णदीक्षित, ध०, ८३८३ (अ०)
४४. सनत्कुमारसंहिता — श्रा०, ६६५७ (अ०)
४५. सन्यासपद्धतिः — प्र०, ९८९३ (अ०)
४६. सन्यासविधिः — प्र०, ८३८२ (अ०)
४७. सप्तचण्डीविधिः (मार्कण्डेय पुराण) — प्र०, ४७४८
४८. सप्तशतीमन्त्रोद्धार — म०, ८७२९, सम्वत् — १८४४ (अ०)
४९. सप्तशतीस्तोत्रम् (महाकाली पूजा) — स्तो०, ४४५३, ४९४८ (अ०)
५०. सप्तशती रहस्य — म०, ३२११
५१. सप्तश्लोकीगीता — पु०, ७९६२, ४०५५, ९०९९, ४१६०, ४७६८, ४१६० (अ०) ५३९६, ५८४४, ५०६८

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

५२. सप्तश्लोकीगीता तथा चतुःश्लोकी भागवत — पु०, ५२४१ (अ०)
५३. सम्वत्सरफलम् — ज्यौ०, ६५४३ (अ०)
५४. समयमयूख (भगवन्तभास्कर नामक ग्रन्थ का तृतीय भाग) — **नीलकण्ठ भट्ट**, ज्यौ०, ५८५६
५५. समरसार — **रामचन्द्र**, ज्यौ० ५७५६, ६०४६, ५७५७, ५६०७ (अ०)
५६. समवारव्रतोद्यापनम् — व्र०, ८६८३
५७. समवारव्रतकथा — व्र०, ८६८७
५८. समावर्तनप्रयोग — **गोविन्दभट्ट पौराणिक**, ध०, २६५४, ३६७३, सम्वत्—१६३१ (अ०)
५९. समासचक्रम् — व्या०, ५४०६, ६०४६, (सम्वत्—१६१२), ११२३४,
६०. समासचूडामणि — व्या०, ३६४५, ४५१६ (अ०)
६१. समुद्रचक्रम् — ज्यौ०, ६६४३ (अ०)
६२. सरस्वतीकवचम् — **व्यास**, म०, ८६७६, ६३८८ (अ०)
६३. सरस्वतीकण्ठाभरणम् — **भोजदेव**, अलं०, ६२६४ (अ०)
६४. सरस्वतीप्रयोग — प्र०, ३२०१
६५. सरस्वतीपूजन तथा गायत्रीकवचम् — पू०, मन्त्र, ५६६१ (अ०)
६६. सरस्वतीस्तोत्रम् — स्तो०, ३५१३, ४०१५, ४३७१, ४५०८, ४४४८, ६२४४, ८३५३, ८६४४, ४६८६, ५८२५, ४०१५, ४५०८, ४४४८, ४३७१, ३१६३, ३६००, ७८७२, ५५३३, ७८५४, ५६२७, ५६२३, ८०७६, ५३७७, ५७८६, ६५२२, ६५२१, ३६२०, ६४०५, ६४१०, ८६८०, ८४२१, ८६८१, ८६८२
६७. सरस्वतीसूक्तम् — वै०, (अ०
६८. सरसीसाख्यकाव्यम् — **राजवल्लभ**, का०, ७७५६ (अ०)
६९. सरोजकलिका — का०, ४२२१, सम्वत्—१८७६
७०. सर्पसंस्कारविधिः — वेदा०, ६३०७ (अ०)
७१. सर्वतोभद्रविधिः — प्र०, २६५२, ३०६३ (अ०)

७२. सर्वतोभद्र (मण्डल) — प्र०, २६१६
लिपिकार — किशोरेमिश्र
७३. सर्वतोभद्रपूजनविधिः — प्र०, २६५२, ३०६३, ६३५४ (अ०)
७४. सर्वदानविधिः — प्र०, ६२१७
७५. सर्वप्रायश्चित्तप्रकरण — ध०, ७४३३, ७८३६, सम्वत् १६६१
७६. सर्वप्रायश्चित्तविधिः — प्र०, ३८२०, ४१३४, ८५२४ (अ०)
७७. सर्वमंत्रोत्कीलनमन्त्र — म०, ८६७३
७८. सर्वलक्षणप्रकार — प्र०, ३०१४
७९. सर्वसंग्रहजातक — ज्यौ०, ५६८१ (अ०)
८०. सर्वान्तर्दशाफलम् — ज्यौ०, २८६८
८१. सर्वोत्कीलनमन्त्र — म०, ३८८०, ३८७८ (अ०)
८२. सर्वोपचारपूजनम् — पू०, ८०८२ (अ०)
८३. सर्वसारोपनिषत् — उ०, ६१४८, ७६८५, ७६३६ (अ०)
८४. सव्यभिचार — **गदाधर भट्ट**, न्या०, ६१६१, ६१६२, ६१६६, ६२०५
८५. सहवै उपनिषत् — उ०, ७१५६ (अ०)
८६. सहस्रचण्डीकलशस्थापनविधिः — प्र०, ६८६७
८७. सहस्रचण्डीविधिः — प्र०, २६२८
लिपिकार — किशोरे मिश्र
८८. सहस्रनामाष्टिः — स्तो०, ३२६४
८९. सहस्रार्जुनप्रयोग — प्र०, २६६५
९०. साधनदीपिका — **नारायणभट्ट**, ध०, ४३७६ (अ०)
९१. साधनपञ्चकम् — **शङ्कराचार्य**, वेदा०, ६१६६, ६६८४ (अ०)
९२. साधारण अर्थप्रकाशिका — **गदाधर**, न्या०, ६२१०, सम्वत्—१६४२
९३. साध्वीप्रशस्त्यष्टकम् — **लक्ष्मी नारायण**, स्तो०, ६६६४ १०११४, सम्वत्—१६४५
९४. साबरतन्त्रम् — त० । म०, ३२३०, ३२४४, ३२४२, ३२१० (अ०)
९५. साम्वत्सरिक श्राद्ध — ध०, ११२२६ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

९६. सामविधानम् (सामविधानब्राह्मणम्) — वे०, ११५४३, **सायणाचार्यकृत** टीका सहित ।

९७. सामवेदपूर्वाचिकम् — वे०, ४५४१, ११५५३

९८. सामवेदमहानाम्नीगान — वे०, ३५२१, सम्वत्—१८५८

९९. सामवेदीसन्ध्या — प्र०, ३४९६

१००. सामवेदसंहिता — वे०, ६७०६, ८४३५, ७६९४, ७३२०, ६३६८

१०१. सामसूत्रम् — वे०, ६८३३, ४५४१ (अ०)

१०२. सामान्यनिरुक्तन्यास — प्र०, ९३१८, (अ०) ९१९४

१०३. सामान्यपूजापद्धतिः — प्र०, ९३४६, ८७३१

१०४. सामान्यलक्षणरहस्यम् — प्र०; ९२७४, ९२९८

१०५ सामुद्रिकरहस्यम् — ज्यौ०, ३२४७

१०६. सामुद्रिकलक्षणम् — **नारद**, ज्यौ०, ४८३८

१०७. सामुद्रिकशास्त्रम् — ज्यौ०, ९१५५, ६१२९

१०८. सारचिन्तामणिः — ज्यौ०, ९११८ (अ०)

१०९. सारसंग्रह (वैकुण्ठ वर्णनम्) — पु०, ३६८७, ७४४९, ६४४१, ८७१२, सम्वत्—१९२६ (अ)

११०. सारस्वत आख्यातप्रक्रिया — **अनुभूतिस्वरूपाचार्य**, व्या०, ३५५९

१११. सारस्वतकल्प — **बप्पभट्टि**, म०, १०८००, १०८५७, १०८६३, (सम्वत्—१८५९), (अ०)

११२. सारस्वतचन्द्रिका — **अनुभूतिस्वरूपाचार्य**, व्या०, ३०८१, ४५३६, ३७४१, ३६५५ (अ०)

११३. सारस्वत (दीपिका सहित) — **अनुभूतिस्वरूपाचार्य**, व्या०, ३४३८, सम्वत्—१८९८

११४. सारस्वतमन्त्रस्तवन — स्तो०, ९१८८

११५. सारस्वतप्रक्रिया — **अनुभूतिस्वरूपाचार्य**, व्या०, ३४२८, ६२९०, ३३०६, ५६५८, ५६९४, ६२५१, १०८६२, ३३०६, ३५५९, ३४२८

११६. सारस्वतव्याकरणम् — **अनुभूतिस्वरूपाचार्य**, व्या०, ४११४, ४७८८, (अ०) १०८५४

११७. सारिकाभाष्य — **शङ्कर**, वेदा०, ९१४० **वाचस्पति मिश्र कृत भामतीटीकासहित**

११८. सावित्रीव्रतकथा —(भविष्योत्तरपुराणगत) व्यास, पु०, ७५८८, (सम्वत्— १९२४) ६२७०, ८२०४, (अ०) ८२६८, ८८८४

११९. सावित्रीस्तोत्रम् — स्तो०, ४०४०

१२०. सांख्यकारिका — **ईश्वरकृष्ण**, सां०, ४७०१, ८४३०, ८४१७, ७०६१

१२१. सांख्यतत्त्वकौमुदी — **वाचस्पतिमिश्र**, सां०, ४१८३, ६२८४, ६२८५, ६२८६ (अ०)

१२२. सिद्धान्तकौमुदी — **भट्टोजि दीक्षित**, व्या०, ७२८०, ६५५७, ७३०३, ६४३९, ७३४९, ७०९३, ७५२३, ७१९८, ५३६०, ६२२७, ५८०२, ६२१२, ७६५५, ७२४४, ७१०४, ७५५६, ६१२५, ६१२३, ६१६६, ६२६५, ४९४०, ६३१३, ६३००, ६२८०, ६९८४, ११२१६, ३९१९, ४०२५, ४५६०, ४२८७, ४२८९, १०८४८ २८४७, २८४६ (अ०) ८५३३, ८५१४, ३९१९, ८५२३

१२३. सिद्धान्तचन्द्रिका — **रामचन्द्राश्रम**, व्या०, १०७७०, ६२८९, ६६७४, ६१२६, ५५४४, ३९२१, ३५६६, ४२४७, ४२०२ ४०६६, ३५२९, (सम्वत् - १९२१) ४२०४, ३१३९, ३१३८, ३३४९ ३५:६, ३९२१, ४०६६, ३३०, ३३१

१२४. सिद्धान्ततत्त्व — **शङ्कर**, वेदा०, ३४४८

१२५. सिद्धान्ततत्त्वम् — **अनन्तदेव**, वेदा०, ७२३१

१२६. सिद्धान्ततत्त्वविवेक — **कमलाकरदैवज्ञ**, ज्यौ०, ६०१०

१२७. सिद्धान्तमनोरमा — भट्टोजिदीक्षित, व्या०, ९४७४

१२८. सिद्धान्तमुक्तावलिः — **वल्लभाचार्य**, स्तो०, ६२१८ (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१२९. सिद्धान्तमुक्तावली — **विश्वनाथपञ्चानन**, न्या०, ७७७७, ६३०८, ८२१३
१३०. सिद्धान्तमुक्तावलीप्रकाशः — **महादेव बालकृष्ण**, न्या०, ६३२५
१३१. सिद्धान्तरहस्यम् — **रघुनाथ**, ज्यौ०, ३५४९ (अ०)
१३२. सिद्धान्तरहस्यम् (ग्रह लाघव) — **गणेशदैवज्ञ**, ज्यौ०, ७०८०, ९०३७ (अ०)
१३३. सिद्धान्तलक्ष्मी — **जगदीश**, न्या०, ६३२२ (अ०)
१३४. सिद्धान्तबिन्दुस्तोत्रम् — **शङ्कराचार्य**, स्तो०, ३६१०, ६१०६, ८०४५ (अ०)
१३५. सिद्धान्तबिन्दुस्तोत्रम् — **मधुसूदनसरस्वती**, स्तो०, ३७१०, ४०८१, (सम्वत् —१९६१) ९४५६, ११२१७, १०८४८, ६३९०, ४०८१
१३६. सिद्धान्तशिरोमणि :— भास्कराचार्य, ज्यौ०, १११९२ (संवत् — १८६६) १११८४, ५३८९, ४८०२
१३७. सिद्धान्तसारचन्द्रिका — व्या०, ७३८२ (अ०)
१३८. सिद्धिमन्त्रग्रन्थ — म०, ५९६१ ५११९ (अ०)
१३९. सिद्धिविनायककथा — कथा (पु०) ३७३२, सम्वत् — १७५६, ८२६९, लिपिकार — वीरेश्वर दुबे ।
१४०. सिद्धिविनायकपूजनम् — पू०, ३३३२, ८६४३, ८६४४ (अ०)
१४१. सिंहासनद्वात्रिंशत् कथा (सिंहासन बत्तीसी) — कथा, ६२१०, ७४०० (अ०)
१४२. सुखबोधमुहूर्त्त सारसंग्रह — **रघुनाथ**, ज्यौ०, ९०१५
१४३. सुदर्शनकवचम् — म०, ६७६६, सम्वत् — १८७३, (अ०) ५११६, ५११७, ७८९६
१४४. सुन्दरीतन्त्र — म० (तन्त्र), १२६९९, ३४८९,
१४५. सुभाषितश्लोकाः — सु०, १२०७६, सम्वत् — १९०२
१४६. सुश्रुतशास्त्रम् — वै०, ७३१५ (अ०)
१४७. सुभाषित संग्रह — सु०, ७६६६, (अ) ६८४८, ८७९७
१४८. सूक्ष्मजातक — **भट्टोत्पल**, ज्यौ०, ३०६४
१४९. सूक्तभाष्यम् — **विद्याधर**, प्र०, ९८७५

१५०. सूक्तविधानम् — वे०, ३९९२, सम्वत् — १९२५ लिपिकार — धरणीधर । लक्ष्मीधर
१५१. सूक्तावली — का०, ३१०८
१५२. सूतसंहिता — **व्यास**, पु० ६६४५, ७६४९
१५३. सूतिकाध्याय — **मार्कण्डेय**, ज्यौ०, ४९६४
१५४. सूतिकाषष्ठीपूजा — पू० ३४१३ (अ०)
१५५. सूत्रपाठ — व्या०, ४५५७ (अ०)
१५६. सूत्रस्थानम् — व्या०, ४२३० (अ०)
१५७. सूत्रसंग्रह — व्या०, ७२८२ (अ०)
१५८. सूर्यकवचम् — म०, ३१२८, ८२९१, ४१६६, ३७३९, ३९४८, ३७३१, ३७३९,
१५९. सूर्यगणेशाष्टकम् — स्तो०, ३२३९
१६०. सूर्यपूजा — पू०, ३७३१, (अ०) — ८४५७, ३३४८, ४१६६, ३६०७, ८०८५
१६१. सूर्यसहस्रनामस्तोत्रम् — **व्यास**, स्तो०, ५९२८, (अ०) ४४४२, ३७६६, ३३४६
१६२. सूर्यस्तोत्रम् (भविष्यपुराणगत) — स्तो०, ३१३४, ४१८०, ४४७०, ५१८३
१६३. सूर्याख्यतन्त्र (देवीरहस्य) — म०, ८४६७ (अ०)
१६४. सूर्यादिदशान्तर्दशा — ज्यौ०, ६४६० (अ०)
१६५. सूर्याष्टकम् — **शङ्कराचार्य**, स्तो०, ५४४०, ९८४६,
१६६. सूर्यसिद्धान्त — **भास्कराचार्य**, ज्यौ०, १११८५, ५९०६ (अ०)
१६७. सूर्यसिद्धान्त (व्याख्या सहित) — भास्कराचार्य, ज्यौ०, ६९५५ संम्वत् — १८८९ (अ०) व्याख्याकार — विश्वनाथ
१६८. सूर्यसुदर्शनसंहिता — म०, २९७१
१६९. सेवाफलविधानम् — **बालकृष्ण दीक्षित**, प्र०, ३६५९ (अ०)
१७०. सोमवारी अमावास्या — ध०, ३९१४ (अ०)
१७१. सोलासमवारव्रतकथा — व्र०, ८६८० (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

१७२. सोमवतीव्रतकथा — व्र०, ५५६६ (अ०) ५१३८
१७३. सोमवतीअमावास्याव्रतकथा — पु०, ८१५६ (अ०)
१७४. सौन्दर्यलहरी — **शङ्कराचार्य,** स्तो०, ७५६४, (अ०) ४७०६, ३२१७, ३७३६, ७५६०, ७५२८, ७२५५, ६६१६, ७७१३, ६१७५, ५६३५

१७५. सौप्तिकपर्व (महाभारतगत) — **व्यास,** पु०, ४६७० (अ०)
१७६. सौभाग्यकल्पद्रुम — म०, ६३१४ (अ०)
१७७. सौभाग्यसुन्दरीकवचम् — म०, ८२८६
१७८. सौभाग्यसुन्दरीव्रतम् — **व्यास,** पु० (व्र०), ८८३४
१७९. सौरसूक्तम् — वे०, ६६४३, ४१८८, १००६३, ६८२२ (अ०)
१८०. सौरविष्णुवामनसूक्तम् — वे०, ५८३२ (अ०)
१८१. स्कन्दपुराणम् — **व्यास,** पु०, ६४६४
१८२. स्कन्दपुराण (केदारखण्ड) — **व्यास,** पु०, ६१४६
१८३. स्कन्दपुराणम् (रेवाखण्ड) — **व्यास,** पु०, (अ०) ५२६८, ७०६२
१८४. स्तवमाला — **रूपगोस्वामी। जीवगोस्वामी,** स्तो०, १२०८२
१८५. स्तोत्रकवचसंग्रह — स्तो०, ३४५७
१८६. स्तोत्रपठनविधिः — प्र०, ३६६२ (अ०)
१८७. स्तोत्रमाला — स्तो०, ३७२६ (अ०)
१८८. स्तोत्रसंग्रह — स्तो०, ५८०८, (अ०) ४१७०, ७६६१, ५६११, ५६१४, ५६०८, ८२१४, ८०३६, ७६१२, ५३३७, ५०४६, ७७६०, ५६७६, ५६२८, ८०१३, ५३८० ७३४५ (अ०)

१८९. स्तोत्रसंग्रह — **वाल्मीकि,** स्तो०, ३३६८ (अ०)
१९०. स्तोत्रसंग्रह — **दशादित्य,** स्तो०, ४६६१ (अ०)
१९१. स्तोत्रसंग्रह — स्तो०, ४६५१, (अ०) ४०७३, ३७३४, ४६४६, ३८६१, ३६७६, ४२६५, ६४७१
१९२. स्थालीपाकगृह्यसूत्रम् — गृ०, सू०, ६६५८, (अ०) ८००८, ६६१२, ६०४१, ६७११ (अ०)
१९३. स्थालीपाकप्रयोग — प्र०, ६४०३

१९४. स्थानप्रयोगः — प्र०, ६८१५, सम्वत्-१९३६ (अ०)
१९५. स्नानकण्डिका — प्र०, ६४०१ (अ०)
१९६. स्नानविधिः — प्र०, ३०३५ (अ०)
१९७. स्नेहलीला — स्तो०, ३४८३ (अ०)
१९८. सन्ध्यापूजन — प्र०, ८९६५
१९९. स्फोटनिरूपणम् — व्या०, ८४८५ (अ०)
२००. स्मरदीपिका — **मीननाथ,** काम०, १२११०, ४६८२, ४०१४, ३२७१

२०१. स्मार्तपदार्थसंग्रह (प्रयोग पद्धति से) — **गङ्गाधर,** प्र०, ४६३२ (अ०)
२०२. स्मृत्यर्थसार — ध०, ४३७४ (अ०)
२०३. स्वात्मनिरूपण आर्या — वेदा०, ६२११ (अ०)
२०४. स्वात्मसुखम् — **एकनाथगुरु,** वेदा०, ६२६१ (अ०)
२०५. स्वात्मानन्दप्रकरणम् — **शङ्कराचार्य,** —वेदा०, ६२२६ (अ०)
२०६. स्वात्मानन्दप्रकाशिका — **शङ्कराचार्य,** वेदा०, ७६०४ (अ०) शक —१६६५

२०७. स्वप्नविचार — ज्यौ०, ३१७६
२०८. स्वप्नाध्यायः — **बृहस्पति,** ज्यौ०, ६३७३, (अ०) ६१५६, ४८३४, ७६४६

२०९. स्वरपञ्चाशिका — वे०, (व्याकरण), ३१७८
२१०. स्वराष्टकम् — वे०, ४६८५ (अ०)
२११. स्वरूपटीका — वेदा०, ८६६५ (अ०)
२१२. स्वरूपशक्तिनिरूपणम् — **शङ्कर,** वेदा०, ३७६७ (अ०)
२१३. स्वरोदय — ज्यौ०, ८६२४, (अ०) ४५०४, ३४३१
२१४. स्वरोदय — **नरहरिमिश्र,** ज्यौ०, ४२०३, ४५०४
२१५. स्वरोदयपवनविजय — ज्यौ०, ९०४०, (अ०) ९०४३
२१६. स्वरोदय — **नरपति,** ज्यौ०, ५५१२, ५३३०, ५७६९, ५८६७ (अ०)
२१७. स्मृतिसारः — **नारायण,** ध०, ७०७२ (अ०)
२१८. स्वर्णाकर्षणस्तोत्रम् — स्तो०, ७९१० (अ०)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२१६. स्वर्णाकर्षणभैरवतन्त्रम् — मं०, तं०, ३३१७
२२०. स्वर्णाकर्षणभैरवविधिः — प्र०, ५४०१
२२१. स्वस्तिपुण्याहवाचनपद्धतिः — प्र०, २६५१
२२२. स्त्रीकार्तिक एकोदिष्ट — ध०, ३०३८
२२३. स्त्रीजातकरत्न (जातकरत्न कोश) — ज्यो०, ३०५६, २६७५, ३४६५
२२४. स्त्रीजातकम् — ज्यो०, ७०७६, ७०६६, ३०७२ (प्र०)

ह

१. हठयोगप्रदीपिका — आत्मारामयोगी, यो०, ३५५०, ६३४२, २८४८ (प्र०)
२. हनुमत्कवचम् — म०, ७५४७, ३२२३, ४५०५, ३१३५, ३१७०, ३२०३, ३०६४, ६३६७, ६३५०, ६३०७, ५१८०, ७६२६, ७३६८, ७४६७, ७१२२, ७८८४, ६००५, ७६७७, ८०४४, ६७८६, ६४५५, ५३५६ (प्र०)
३. हनुमत् दीपदानम् — प्र०, ३४७६, ३२३७
४. हनुमन्नाटकम् — दामोदर मिश्र, ना०, ६८२६, ६६८१, ४६१६, ७०५७, ६४०२ (प्र०)
५. हनुमान्पद्धतिः — प्र०, ६८४०, ४६८१, ५०२८
६. हनुमत् मन्त्रपटल — म०, ७२६६, ५७६१, ५४०१, ६७६४, ६४५४, ५२७१, ५८२३, ५७०४
७. हनुमत्स्तोत्रम् — स्तो०, ७८४३, ६३४७, ३३१२, ३३४४, ३२२४, ८६५०, ६३६०, ६१३०, ६४०६, १००८६ (प्र०)
८. हनुमत्संहिता — म०, १२६६४
९. हनुमान्सहस्रनाम — वाल्मीकि, स्तो०, ७३५६
१०. हयग्रीवमन्त्रोद्धार — हरिभट्ट, म०, ३०१६
११. हयग्रीवस्तोत्रम् — स्तो०, ८०१२, ३६८७, ५१७१ (प्र०)
१२. हरतालविधिः रसायनशास्त्र) — वै०, ३४६२
१३. हरतालिकाव्रत कथा (भविष्योत्तर पुराणगत) — व्यास, पु०, ८१६१, (प्र०) ३१२४, ३७११, ३७०७, ३७०३, ४४६७, ४३४६, ४४३७, ४६०१, ५६७६, ६३४६, ६३६६, ५८५६, ७६५५, ६५७०, ५६४२, ६४८२, ५६६८, ७३५५, ८२३८, ८६६०, १०८५५, ६६२४ (प्र०)

१४. हरतोषिणी — स्तो०, २६८०
१५. हरितत्त्वमुक्तावलीस्तोत्रम् — स्तो०, ६८७५, ७५००, ७६१३ (प्र०)
१६. हरिनाममालास्तोत्रम् — शङ्कराचार्य, स्तो०, ८६४३, ४६०५, ६६८३, ८३०६
१७. हरिमीडेस्तोत्रम् — शङ्कराचार्य, स्तो०, ७४२०, ४६४४, ८३७१
१८. हरिलीलामृतम् — व्यास, स्तो०, ६२६५ (प्र०)
१९. हरिलीला अनुक्रमणी — वोपदेव, स्तो० १००३३, सम्वत् — १८३५
२०. हरिविलासकाव्यम् — लोलिम्बराज, का०, ८६२६, सम्वत्-१८६६ (प्र०)
२१. हरिवंशपुराणम् — व्यास, पु०, ७८६१, (प्र०) ४१६७, ३७६१, ३६७५, ४१८७, ८२७६, ६४६०, ७३२३, १२६२६
२२. हरिवंशश्रवणविधिः — प्र०, ८६३५
२३. हरिहरात्मकस्तोत्रम् — स्तो०, ६७७०, ४८४२, (प्र०)
२४. हृदयस्तुतिः — स्तो०, ४५५८ (प्र०)
२५. हलषष्ठीव्रतपूजाविधिः — प्र०, ८८७७
२६. हलायुधकोशः — हलायुध, को०, ७७६६ (प्र०)
२७. हवनपद्धतिः — ध०, ११९५३, संवत् — १८३१, (प्र०) ४३८५, २६६३, ३२८२,
२८. हस्तस्पर्शाधिकार — प्र०, २८६६, ३८८७
२९. हस्तामलकस्तोत्रम् — हस्तामलकाचार्य, स्तो०, ६७५१, ६८३६, ६५६८, ८१७५, ५६४०, ६५८५

(शङ्कराचार्य कृत व्याख्या सहित)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

३०. हस्तमालासंवादविवरणम् — **शङ्कर**, वेदा० ८७७६ (अ०)

३१. हस्तस्वरप्रक्रिया — वे०, ४११० (अ०)

३२. हंसदूतकाव्यम्, — **कवीन्द्राचार्य सरस्वती**, का०, १२६६०
(रूपगोस्वामीकृत टीका सहित)

३३. हंसोपनिषत् — उ०, ८७७२, (अ०) ८७८४, ६४५३

३४. हारावली — **पुरुषोत्तमदेव**, को०, ४५४३

३५. हितोपदेशः — **नारायण**, उपदेशपूर्णकथायें, ६६७२, ३९२६,
३७१५

३६. हिरण्यगर्भसूक्तम् — वे०, ९८३४ (अ०)

३७. हिल्लाजरत्नम् — ज्यौ०, ३०१५

३८. हेमाद्रिप्रयोगः — **विद्याधर**, प्र०, ६४७०, (अ०) २९२९, ७८७४, ३२४३

३९. हेरम्बलहरी — स्तो०, ५८१३

४०. होमविधिः — प्र०, ६६७९, (अ०) ६१५६, ३७५०, ३२५८,
९१२५, ६२४४

४१. होराचक्रम् — **काशीनाथ**, ज्यौ०, ३१८७

४२. होराशास्त्रम् (शम्भुहोराप्रकाशे.) — **पुञ्जराज**, ज्यौ०, ६०७१

४३. होलिकोत्सवविधिः (भविष्योत्तर पुराणगत) — प्र०, ८२९३, ३७६५
८७३७, ५६८९

———

द्वितीय भाग

Part II

ग्रन्थकारों की सूची

Author Index

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

अ

आ

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

इ

ई

ए

क

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

ख

ग

घ

च

ज

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

२. जगन्नाथ पं० राज — क्र० सं० — ५ (ग), ३६ (च), २६ (भ)
३. जयदेव — क्र० सं० — १८ (च), ७४ (ग)
४. जयराम — क्र० सं० — ५६ (च), ८७ (न)
५. जयादित्यवामनश्च — क्र० सं० — ७३ (क)
६. जीमूतवाहन — क्र० सं० — ३७ (द)
७. जैमिनि — क्र० सं० — ४७ (ज), ४८ (ज)

ट

१. टीकाधर गुसाईं — क्र० सं० — २७ (च)

ढ

१. ढुण्ढिराज — क्र० सं० — ३० (ज)

त्र

१. त्र्यम्बक पण्डित (टीकाकार) — क्र० सं० — ५६ (श्रा)
२. त्र्यम्बक भट्ट — क्र० सं० — ६५ (ब)
३. त्रिमल्ल — क्र० सं० — ३२ (य), ५६, ७८ (द)
४. त्रिविक्रमभट्ट — क्र० सं० — १२ (द), १७ (श), ३८ (व)
५. त्रोटकाचार्य — क्र० सं० — १५५ (श)

द

१. दक्षिणामूर्ति — क्र० सं० — ३५ (ब)
२. दण्डी — क्र० सं० — १८, १६ (द)
३. दत्तात्रेय — क्र० सं० — ८, ६ (द)

४. दयाशङ्कर — क्र० सं० — ४६ (द)
५. दशादित्य — क्र० सं० — १६० (स)
६. दामोदर — क्र० सं० — ३०, ३४ (व)
७. दालभ्य — क्र० सं० — २० (द)
८. दिनेश भट्ट — क्र० सं० — ६८ (ग)
९. दिवाकर — क्र० सं० — २ (म), ३५ (द)
१०. दिवाकर भट्ट — क्र० सं० — २६ (द)
११. देवदत्त — क्र० सं० — १५१ (श)
१२. देवराज — क्र० सं० — ३१ (न)
१३. देवेश्वर — क्र० सं० — २१ (क)
१४. दैवज्ञ चिन्तामणि — क्र० सं० — १६ (र)

ध

१. धन्वन्तरि — क्र० सं० — ५२ (क), ५८ (न)
२. धनञ्जय — क्र० सं० — ३० (श)
३. धर्मदाससूरि — क्र० सं० — ६४ (व)
४. धर्मराजदीक्षित — क्र० सं० — १२६ (ब)

न

१. नकुल — क्र० सं० — ८४
२. नन्ददास — क्र० सं० — १५ (त), ४६ (भ)
३. नन्दिकेश्वर — क्र० सं० — १५ (ग)
४. नरपति — क्र० सं० — ६ (न), २१६ (स)
५. नरहरि मिश्र — क्र० सं० — २१४ (स)
६. नरोत्तम पुरी — क्र० सं० — ५८ (ब)
७. नागार्जुन — क्र० सं० — २६ (न)

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

प

ब

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

भ

म

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

य

र

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

ल

व

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

श

स

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

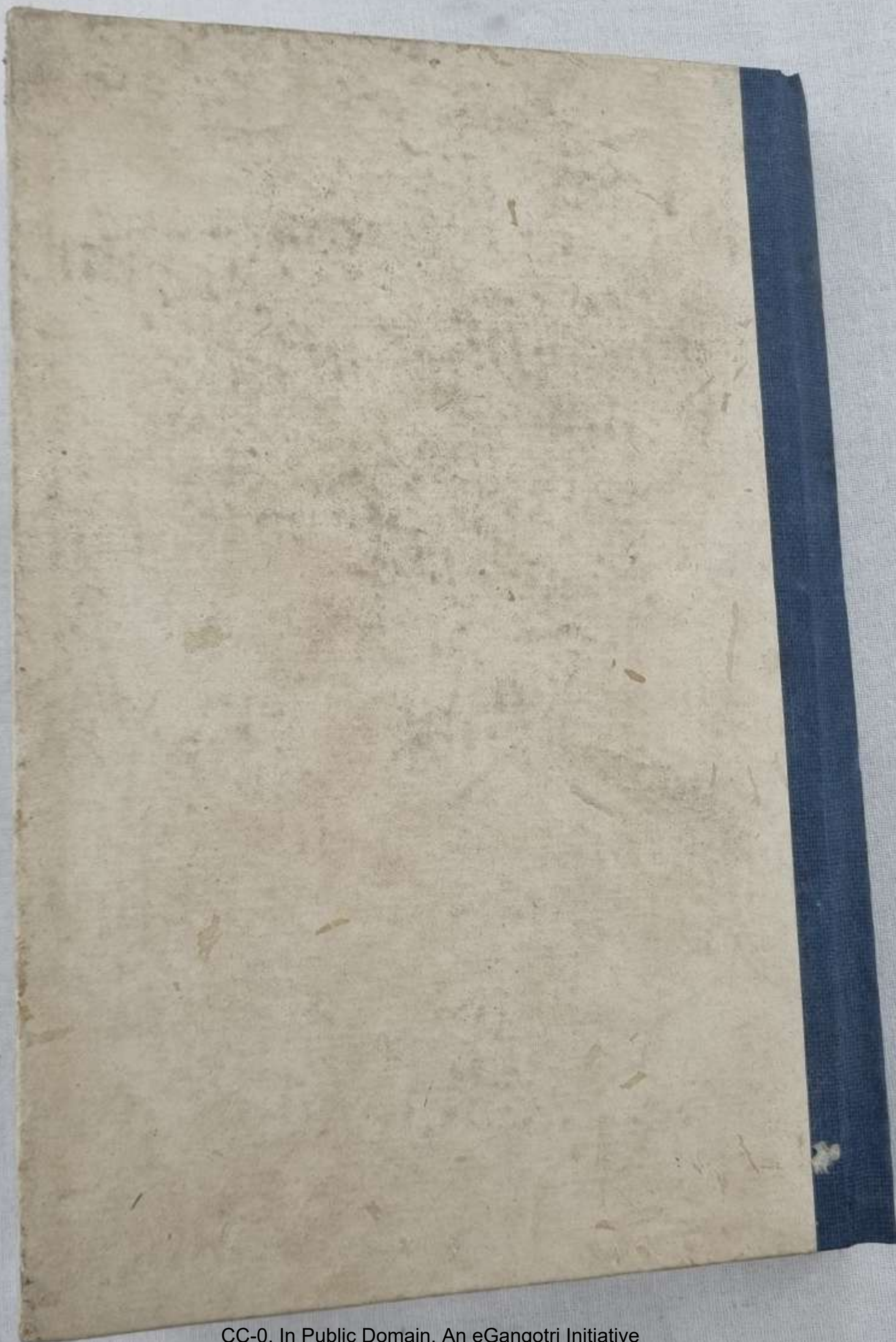
ह

———

पी० एस० यू० पी०—(पीपी १५)—१—सी० ए० एण्ड एस०
आर० १९७०-५०० प्रतियां

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative

CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative



CC-0. In Public Domain. An eGangotri Initiative